Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Saturday, 16 March 2024 ● Year : 02 ● Issue : 59 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

मेहनत एक ऐसी सुनहरी चाबी है, जो बंद भाग्य के दरवाजों को खोल देती है।

कैंप्स वाले एक्टर्स की तरह नहीं मिली...

SHARE

सेंसेक्स	:	72,643.43
निफ्टी	:	22,023.35

SARAFA

सोना	:	6,195
चांदी	:	80.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

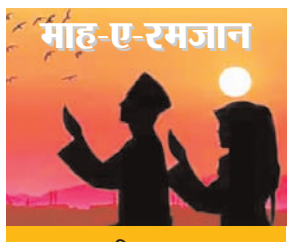

इफ्तार (शनिवार) : 06.03
सेहरी (रविवार) : 04.43

BRIEF NEWS

ईडी ने इजहार अंसारी और इश्तियाक अंसारी के खिलाफ दायर किया चार्जशीट

RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हजारीबाग के कोयला कारोबारी इजहार अंसारी और रिश्तेदार इश्तियाक अंसारी के अलावा इजहार अंसारी की एक कंपनी के खिलाफ ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में शुक्रवार को चार्जशीट दाखिल किया है। ईडी ने जांच में पाए गए तमाम साक्ष्य के साथ आरोप पत्र दाखिल की है। ईडी ने कोर्ट को यह जानकारी दी है कि इजहार कैसे कोयले के कारोबार में संलिप्त था और अवैध कोयले के कारोबार से कैसे अकूत संपत्ति अर्जित की। इजहार अंसारी कई शेल कंपनियों के संचालक हैं। वह शेल कंपनियों के जरिए काले धन का संचालन करता है। 16 जनवरी को ईडी ने इजहार अंसारी के ठिकाने पर छापेमारी की थी। छापेमारी में 13 लाख कैश के साथ कई अहम दस्तावेज ईडी ने बरामद किया था।

बीआरएस एमएलसी की कविता को ईडी ने किया गिरफ्तार, ला रही है दिल्ली

NEW DELHI : दिल्ली शराब नीति मामले में ईडी बीआरएस एमएलसी के कविता को गिरफ्तार कर दिल्ली ला रही है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि दिल्ली शराब मामले में ईडी ने कार्रवाई की है। गौरतलब है कि इससे पहले कविता के आवास पर ईडी ने रेड किया था। दरअसल, दिल्ली शराब नीति मामले में के कविता से ईडी और सीबीआई पहले भी पूछताछ कर चुकी है। ईडी ने कविता पर दिल्ली शराब घोटाला मामले में साउथ ग्रुप का हिस्सा होने का आरोप लगाया था। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने पार्टी एमएलसी के कविता के आवास पर की गई ईडी की छापेमारी के खिलाफ हैदराबाद में विरोध प्रदर्शन किया। ईडी ने धन शोधन जांच के तहत आज यानी शुक्रवार को बीआरएस की नेता के। कविता के परिसरों पर छापेमारी की है। ईडी ने दावा किया था कि कविता शराब कारोबारियों की लॉबी ह्यसाउथ ग्रुपह्ल से जुड़ी हुई थीं, जो 2021-22 के लिये दिल्ली आबकारी नीति में एक बड़ी भूमिका निभाने की कोशिश कर रही थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चतरा में दिया 400 पार का नारा, हेमंत सोरेन पर साधा निशाना

PHOTON NEWS CHATRA : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को लोकसभा चुनाव को लेकर चतरा पहुंचे। श्री सिंह शुक्रवार दोपहर 12:00 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे और फिर यहां से वे हेलीकॉप्टर से सीधे इटखोरी के लिए रवाना हो गए। वहां उन्होंने भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद राजनाथ सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं में चुनावी जोश भरते हुए चार सौ पार का लक्ष्य तय कर चुनावी तैयारी में जुटने को कहा। सभा को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड से मेरा गहरा रिश्ता है और मेरी पत्नी भी इसी राज्य की है।

राजनाथ सिंह का स्वागत करते भाजपा के कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

रक्षा मंत्री ने पीएम मोदी की गारंटी की बात की : बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी की बात दोहराई। रक्षा मंत्री ने कहा कि विदेशी मंचों में भारत की साख बढ़ी है। केंद्र सरकार की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2027 तक विश्व का तीसरा इकोनॉमिक देश बन जायेगा और भारत 2047 तक सुपर इकोनॉमिक देश बनेगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत को अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सुना जा रहा है। हमलोग मान सम्मान और स्वाभिमान के लिए राजनीति कर रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जिस राज्य का मुख्यमंत्री होटवार जेल में मेहमान की तरह रह रहे हैं वहां क्या विकास होगा। हमारी सरकार जो कहती है उसे पूरा करती है, हमलोग इंसाफ और इंसानियत की राजनीति करते हैं। उन्होंने नरेंद्र मोदी के अब तक के शासन काल की सराहना करते हुए कहा कि अब तक किसी भी मंत्री पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा है। जनता को धोखा देना भाजपा के चरित्र में नहीं है। हम लक्ष्य तय कर के काम करते हैं। जनता के भरोसे को नहीं तोड़ते हैं, देश बनाने के लिए राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि भाषणों से भ्रष्टाचार को समाप्त नहीं किया जा सकता है इसके लिए सिस्टम में बदलाव की जरूरत होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमलोग यह संकल्प लें कि नरेंद्र मोदी तीसरे बार नहीं चौथी बार देश का प्रधानमंत्री बने।

आयोग आज करेगा आम चुनाव कार्यक्रम की घोषणा

AGENCY NEW DELHI : चुनाव आयोग देश में होने वाले आम चुनाव की घोषणा शनिवार को करेगा। आयोग इसके साथ ही राज्य विधानसभाओं के चुनाव कार्यक्रम की भी घोषणा करेगा। इसके साथ ही देशभर में आचार संहिता लागू हो जाएगी।

आयोग ने इस संबंध में प्रेसवार्ता आयोजित की है। कल दोपहर विज्ञान सभा में आयोग चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। इसके अलावा आयोग आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम के कार्यक्रम की भी घोषणा करेगा। इस बात की भी संभावना जताई जा रही है कि आयोग जम्मू-कश्मीर में भी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान लोकसभा का कार्यकाल 16 जून

को समाप्त हो रहा है। वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव की घोषणा 10 मार्च को की गई थी और 11 अप्रैल से 19 मई के बीच सात चरणों में मतदान हुआ था।

आज सुबह नवनियुक्त चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधु और ज्ञानेश कुमार ने पदभार संभाल लिया ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली समिति ने कल दोनों के नामों को मंजूरी प्रदान की थी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने निर्वाचन सदन में नवनियुक्त चुनाव आयुक्तों का स्वागत किया।

चम्पाई सोरेन ने पूर्वी सिंहभूम के पोटका व चाकुलिया में किया डिग्री कॉलेज का शिलान्यास

अब सुदूर ग्रामीणों को भी मिलेगी उच्च शिक्षा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सीएम चम्पाई सोरेन ने पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका में डिग्री कॉलेज (कोल्हान विश्वविद्यालय) का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि अब उच्च शिक्षा के लिए बच्चों को जमशेदपुर या अन्य शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्वालिटी एजुकेशन पर वे जोर दे रहे हैं। उन्होंने इस दौरान कुल 119 करोड़ 19 लाख 291 रुपए की विभिन्न विकास योजनाओं की सौगात दी। 100 विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं तीन योजनाओं का उन्होंने शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जरूरी है। बुनियादी व्यवस्थाओं को मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है। समृद्ध जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए कदम बढ़े हैं।

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका क्षेत्र में डिग्री कॉलेज का शिलान्यास किया गया। निश्चित रूप से आने वाले दिनों में इस डिग्री महाविद्यालय में उच्च शिक्षा की पढ़ाई शुरू की जाएगी। इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अब जमशेदपुर या अन्य शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। राज्य के आदिवासी, मूलवासी, किसान, मजदूर, पिछड़ा, अल्पसंख्यक सहित सभी वर्ग-समुदाय के बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन उपलब्ध कराया जा सके। इस दिशा में उनकी सरकार निरंतर प्रयासरत है।

लाभुक को योजना का लाभ देते सीएम चम्पाई सोरेन। ● फोटोन न्यूज

उच्च शिक्षा में भी पैसा नहीं बनेगा बाधा : मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक युग में राज्य की युवा पीढ़ी एवं स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है। राज्य की दशा और दिशा तभी बदलेगी जब यहां के बच्चे बेहतर शिक्षा प्राप्त कर डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, अफसर सहित अन्य बड़े पदों को सुशोभित करेंगे। झारखंड खनिज संपदाओं से भरा प्रदेश है। जब झारखंड की युवा पीढ़ी पढ़-लिखकर काबिल बनेगी, तभी यहां की खनिज संपदाओं का उपयोग जनहित तथा राज्यहित में किया जा सकेगा। यह प्रदेश धनी प्रदेश के रूप में जाना जाता है, लेकिन यहां की जनता गरीबी रेखा से नीचे रहकर जीवन-यापन करती है। जब यहां बच्चे मैट्रिक पास करते हैं तब परिवार की आर्थिक हालत खराब रहने के कारण उन्हें पढ़ाई छोड़कर उनके परिजन उन्हें प्राइवेट नौकरी अथवा मजदूरी का काम करने को कहते हैं। उच्च शिक्षा के लिए पैसों की कमी होनहार विद्यार्थियों के लिए अभिशाप बनती है। इस स्थिति को बदलने के लिए उनकी सरकार विद्यार्थियों को गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से मदद कर रही है। इस योजना के तहत उच्च शिक्षा डिग्री के लिए जरूरत के हिसाब से शिक्षा ऋण उपलब्ध कराई जा रही है। आदिवासी एवं मूलवासी सहित अन्य वर्ग समुदाय के वैसे बच्चे जो विदेश में स्थापित शिक्षण संस्थानों से पढ़ाई करना चाहते हैं उन्हें भी शत-प्रतिशत स्कॉलरशिप देकर अन्य देशों में पढ़ाई करने का मौका दिया जा रहा है।

125 यूनिट बिजली मिलेगी निःशुल्क : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में अबुआ आवास योजना की परिकल्पना की गयी थी। हेमंत सोरेन की महत्वाकांक्षी योजना को हम धरातल पर उतार रहे हैं। आने वाले 3 महीने के बाद 9 लाख परिवारों को अबुआ आवास योजना का लाभ राज्य सरकार देगी। कोई भी परिवार अब झोपड़ी अथवा कच्चे मकान में रहने को विवश न रहे, यह उनकी सरकार की प्रतिबद्धता है। उनकी सरकार राज्यवासियों को 125 यूनिट बिजली निःशुल्क उपलब्ध कराएगी। सभी उपभोक्ताओं के घरों पर बिजली का मीटर फ्री में लगाया जाएगा। बिजली बिल से संबंधित गड़बड़ियों को भी सुधारा जाएगा। मौके पर विधायक संजीव सरदार, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष मोहन कर्मकार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, पूर्वी सिंहभूम जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

जनजातीय भाषाओं के शिक्षकों की होगी नियुक्ति

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की समृद्ध जनजाति एवं क्षेत्रीय भाषाओं के विकास एवं संवर्धन के लिए अब प्राथमिक विद्यालयों से ही इन भाषाओं में पढ़ाई शुरू होगी। संताली, मुंडारी, उरांव सहित जनजातीय भाषाओं के घंटी आधारित शिक्षकों की नियुक्ति जल्द की जाएगी। राज्य में बंगाली तथा उड़िया भाषा की भी पढ़ाई प्राथमिक विद्यालयों से शुरू हो, यह उनकी सरकार की प्राथमिकता है।

20 लाख परिवारों को देंगे अबुआ आवास योजना का लाभ

सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में बुनियादी व्यवस्थाओं को मजबूत और सुदृढ़ करने में जुटी है। झारखंड में सोना, यूरेनियम, तांबा, लोहा, पत्थर, कोयला सहित अन्य खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, फिर भी यहां के लोग गरीबी में रहने को मजबूर हैं। उनकी सरकार प्रधानमंत्री आवास से वंचित पात्र 8 लाख परिवारों को ही नहीं बल्कि राज्य के पात्र 20 लाख आवासविहीन परिवारों को अबुआ आवास योजना के तहत तीन कमरों का पक्का मकान उपलब्ध कराएगी।

शिक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड में शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हर स्तर पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। पूर्व की सरकारों ने राज्य के भीतर ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हो रहे 5 हजार सरकारी विद्यालयों को बंद कर दिया ?था। प्राइमरी विद्यालय बंद होने से यहां के आदिवासी, मूलवासी, गरीब, मजदूर, किसान सहित सभी-वर्ग समुदाय के बच्चे प्रारंभिक शिक्षा से वंचित हो गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार राज्य की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए संकल्पित है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार एवं सकारात्मक बदलाव लाने के लिए राज्य में संचालित सरकारी विद्यालयों को उत्कृष्ट विद्यालय एवं मॉडल स्कूल के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है। अब राज्य के बच्चे भी निजी विद्यालयों की तर्ज पर इन उत्कृष्ट विद्यालयों में निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति की राशि में तीन गुनी तक की वृद्धि कर दी है। उनकी सरकार राज्य की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत करने को लेकर निरंतर प्रयासरत है।

समाजवादी पार्टी की चौथी लिस्ट जारी भदोही सीट गई टीएमसी के खाते में

AGENCY LUCKNOW : समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपने प्रत्याशियों की चौथी लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में कुल 6 नाम हैं। चौंकाने वाली बात ये है कि सपा ने भदोही सीट ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लिए खाली छोड़ी है। यशवीर सिंह, नगीना से मनोज कुमार, मेरठ से भानु प्रताप सिंह, अलीगढ़ से बिजेंद्र सिंह, हाथरस से जसवीर वाल्मीकि, लालगंज से दरोगा सरोज को टिकट दिया गया है।

सपा की पहली लिस्ट में थे ये नाम : समाजवादी पार्टी ने इससे पहले 32 लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए थे। चौथी लिस्ट के 6 प्रत्याशियों को मिलाकर अब 38 नाम घोषित किए जा चुके हैं। सपा की पहली सूची में बदायूं से धर्मेंद्र यादव, फिरोजाबाद से अक्षय यादव, मैनपुरी से डिंपल यादव, संभल से शफीकुर्रहमान बर्क, एटा से देवेश शाक्य, फरुर्खाबाद से नवल किशोर शाक्य, अकबरपुर से राजाराम पाल, उन्नाव से अनु टंडन, धौरहरा से आनंद भदौरिया, खीरी से उत्कर्ष वर्मा, लखनऊ से रविदास मेहरोत्रा, अयोध्या से अवधेश प्रसाद, अंबेडकर नगर से लालजी वर्मा, गोरखपुर से काजल निषाद, बस्ती से राम प्रसाद चौधरी, बांदा से शिवशंकर सिंह पटेल के नाम शामिल थे।

टीएसपीसी ने सड़क निर्माण में लगे दो वाहनों को फूंका

HAZARIBAGH : जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्य स्थल पर आगजनी की घटना को तृतीय प्रस्तुति कमेटी ने अंजाम दिया है। बलोदर से गोबरदहा सड़क निर्माण कार्य में लगे जेसीबी और एक ट्रैक्टर को टीपीसी उग्रवादियों ने जला दिया। घटना गुरुवार देर रात की है। उग्रवादियों ने वहां पोस्टर भी चिपकाया है। पोस्टर में धर्मवीर ने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। पोस्टर में लिखा है कि बलोदर से गोबरदहा तक सड़क के कालीकरण में टीएसपीसी संगठन को अनदेखा किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर पुनः जताया विश्वास, याचिका खारिज

PHOTON NEWS RANCHI : सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के इस्तेमाल पर रोक लगाने वाली याचिका को खारिज कर दी है। साथ ही ईवीएम पर पूर्ण भरोसा जताया है। बिना किसी सबूत और दस्तावेज के बार-बार ईवीएम की चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी और कमियों को लेकर की जा रही याचिकाओं पर कोर्ट ने नाराजगी जतायी है।

न्यायालय ने लगाया आर्थिक जुर्माना भी : ईवीएम पर पुनः एक बार विश्वास जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने दो रिट याचिकाएं खारिज कर दीं। इनमें एक याचिका 19 लाख से अधिक इवीएम के गुम हो जाने से संबंधित थी, जबकि दूसरी चुनाव में बैलेट पेपर के उपयोग से संबंधित थी। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के गुम होने की संभावना एवं आरोप पर दायर रिट पर फैसला सुनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने इन संभावनाओं और आरोपों को पूर्णतया बेबुनियाद करार दिया। बता दें कि वादी आईएनसीपी ने संभावना जताई थी कि वर्ष 2016-19 के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की अभिरक्षा से 19 लाख गुम इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के उपयोग वर्ष 2024 के आम सभा चुनाव में किये जाने की आशंका जताते हुए याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए प्रार्थी पर जुर्माना भी लगाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु में किया रोड शो, कन्याकुमारी में चुनावी सभा को किया संबोधित, बोले-

डीएमके तमिलनाडु के भविष्य, अतीत व विरासत की दुश्मन

AGENCY TAMILNADU : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां कहा कि डीएमके तमिलनाडु के भविष्य की ही दुश्मन नहीं है, वह तमिलनाडु के अतीत और विरासत की भी दुश्मन है। उन्होंने कहा, मैं अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले यहां आया था। मैंने यहां के प्राचीन तीर्थों के दर्शन किए थे, लेकिन डीएमके ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखने तक पर रोक लगाने का प्रयास किया। सुप्रीम कोर्ट को तमिलनाडु सरकार को कड़ी फटकार लगानी पड़ी थी।

प्रधानमंत्री ने भाजपा की विशाल जनसभा में कहा, जब दिल्ली में संसद की नई इमारत बनी तो तमिल संस्कृति के प्रतीक, इस धरती के

सभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

आशीर्वाद स्वरूप पवित्र सेंगोल को हमने नए भवन में स्थापित किया, लेकिन इन लोगों ने इसका भी बॉयकॉट किया, उन्हें सेंगोल की स्थापना पसंद नहीं आई। डीएमके और कांग्रेस तब भी चुप बैठी रही, जब जल्लीकट्टू पर पाबंदी लगी थी। ये लोग तमिल संस्कृति को नष्ट करना चाहते हैं। ये हमारी सरकार है। एनडीए की सरकार है। हमारी सरकार ने जल्लीकट्टू को पूरे उत्साह के साथ मनाए जाने का रास्ता साफ किया। जल्लीकट्टू तमिलनाडु का गौरव है।

उन्होंने कहा कि सरकार तमिलनाडु के बंदरगाह बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए काम कर रही है। मैंने हाल ही में थूथुकुडी में चिदंबरनार बंदरगाह का उद्घाटन किया है। सरकार मछुआरों के कल्याण के लिए भी काम कर रही है। उन्हें आधुनिक मछली पकड़ने वाली नौकाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने से लेकर किसान क्रेडिट कार्ड योजना के दायरे में लाया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कन्याकुमारी ने हमेशा भाजपा को भरपूर प्यार दिया है। इसलिए यहां का सत्तारूढ़ डीएमके-कांग्रेस गठबंधन कन्याकुमारी के लोगों को सजा देने का कोई मौका नहीं छोड़ता। 20 साल पहले अटल जी ने नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर की नींव रखी थी। इस कॉरिडोर के कन्याकुमारी-नारिक्कुलम ब्रिज का काम इन लोगों ने वर्षों तक लटका कर रखा। 2014 में जब भाजपा सरकार आई तब उसे पूरा किया गया।

उन्होंने कहा कि डीएमके और कांग्रेस का इंडी गठबंधन कभी भी तमिलनाडु को विकसित नहीं बना सकता। इन लोगों का इतिहास घोटालों का है। इनकी राजनीति का आधार लोगों को लूटने के लिए सत्ता में आना है। इंडी गठबंधन को लोग तमिलनाडु के लोगों के जीवन से खिलवाड़ के भी गुनहगार हैं। श्रीलंका में हमारे मछुआरे भाइयों को फांसी की सजा सुनाई गई, ये मोदी चुप नहीं बैठा। हर रास्ते का इस्तेमाल किया और हर प्रकार का दबाव बनाया और उन सभी मछुआरों को श्रीलंका से फांसी के फंदे से उतारकर वापस लाया गया।

उत्तरी गाजा में मदद की प्रतीक्षा में खड़े लोगों पर इजराइल का हमला, 20 की मौत

NEW DELHI : इजराइल-हमास युद्ध की लपटें दिन गुजरने के साथ और ऊंची हो गई हैं। मानवीय सहायता की प्रतीक्षा कर रहे लोगों पर हमले के बाद उत्तरी गाजा शहर में कम से कम 20 फिलिस्तीनी मारे गए और 150 से अधिक घायल हो गए। अल जजीरा समाचार चैनल की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने हमले को एक नया, पूर्व नियोजित नरसंहार कहा है। अमेरिकी सीनेटर चक शूमर ने ह्यरमपंथीह्न सरकार और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को शांति में बाधा बताते हुए इजराइल में नए चुनाव का आह्वान किया है। रिपोर्ट के अनुसार सात अक्टूबर से गाजा पर हो रहे इजराइली हमलों में अब तक कम से कम 31,341 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 73,134 घायल हुए हैं। हमास के सात अक्टूबर के हमले में इजराइल में मरने वालों की संख्या 1,139 है और दर्जनों लोगों को बंदी बना लिया गया है।

लीबिया से चला जहाज डूबा, 60 प्रवासियों के डूबने की आशंका

AGENCY NEW DELHI : प्रवासियों को लेकर लीबिया से चला जहाज भूमध्य सागर को पार करते समय में डूब गया। जहाज में 60 लोगों के डूबने की आशंका है। वहीं इटली तटरक्षक बलों के समन्वय से 25 लोगों को बचा लिया और दो को बेहोशी की हालत में हेलीकॉप्टर से सिसली ले जाया गया। अप्रवासियों से भरी जहाज लीबिया से मध्य भूमध्य सागर के रास्ते इटली अथवा माल्टा ले जा रहे थे लेकिन गतंव्य पर पहुंचने से पहले ही जहाज डूब गया।

बचाव कर्मियों ने बताया कि बुधवार को इटली तटरक्षक बलों के समन्वय से बेहद कमजोर स्थिति बचावकर्मियों ने बताया कि ये लोग सात दिन पहले जाविया, लीबिया से चले थे। तीन दिन बाद उनके जहाज का इंजन खराब हो गया और उनका जहाज कई दिन तक भोजन व पानी के बिना समुद्र में भटकता रहा और रास्ते में ही महिलाओं व एक बच्चे समेत कम से कम 60 लोगों की मौत हो गई। मध्य भूमध्य सागर दुनिया के सबसे खतरनाक प्रवास मार्गों में से एक है।

संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी (आईओएम) ने बताया कि गत वर्ष इस मार्ग का उपयोग करने वाले तकरीबन 2,500 प्रवासियों की मौत हो गई अथवा लापता हो गए और 2024 की शुरूआत से अब तक 226 की मौत हो चुकी है। आईओएम ने घटना पर दुखद जताते हुए कहा, समुद्री गश्त को मजबूत और दुखद घटनाओं को रोकने की जरूरत है।

कटहल की खेती दे भरपूर फायदे

गुरदासपुर के एक किसान ने अपने खेत में कटहल के वृक्ष लगाए। यह वृक्ष लगभग 13 से 15 वर्षों के दरम्यान भरपूर फल देने लगता है। यह फल लगभग 12 रुपये से लेकर 50 रुपये किलो के हिसाब से बिकता है। सब्जी मंडी वाले स्वयं ही फल तोड़कर ले जाते हैं। एक कटहल तीन किलो से लेकर 16 किलो तक हो जाता है। यह वृक्ष बोहड़ या पीपल की भांति विशाल, ऊंचा–चौड़ा होता है।

कटहल को अंग्रेजी में ब्रेड फ्रूट तथा संस्कृत में इसको 'पनस' कहते हैं जिसके अर्थ हैं कटहल या कांटा। कटहल के वृक्ष को फल जड़ से लेकर तनों तथा शाखाओं तक लगता है। एक वृक्ष से क्विंटलों के हिसाब से फल उतरता है तथा कई माह तक रहता है। बेशक कटहल एक फल है। इसका आचार तथा स्वादिष्ट सब्जी बनती है। पक जाने पर यह बीच से मीठा होता है। कटहल की ऊपरी चमड़ी रोएंदार, कील जैसी खड़ी खुरदरी होती है। भारत के पूर्व वाले क्षेत्र तथा बर्मा, बिहार, गोरखपुर में ज्यादा पाया जाता है। दक्षिण भारत का पूर्वी तथा पश्चिमी तट कटहल का असली घर है। पंजाब में भी कटहल की बिजाई कामयाब हो रही है। कटहल में कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन, तेल, रेशे, विटामिन बी, सोडियम, लोहा, फासफोर्स, पोटाशियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं।

कटहल का वृक्ष 40 से 60 फुट ऊंचा हो जाता है। इस वृक्ष को मार्च-अप्रैल के दो माह दो प्रकार के नर तथा मादा अलग-अलग फल पड़ते हैं। इसके नर फल लम्बे तथा मादा गोल होते हैं। इसका फल मई से जुलाई तक सब्जी बनाने के काम आता है। इसके वृक्ष दो प्रकार के होते हैं। एक किस्म के वृक्ष के फल बीज वाले होते हैं तथा दूसरे में बीज नहीं होते। पंजाब में बीज वाले ही वृक्ष कामयाब हैं। यह गर्म क्षेत्र का वृक्ष है और पंजाब का जलवायु इसके लिए बहुत ही अनुकूल है। इस वृक्ष के नीचे लम्बे समय तक पानी खड़ा नहीं होना चाहिए। जून के माह यह वृक्ष फल से गुच्छों के रूप में भरपूर हो जाता है। अधिक पैदावार लेने के लिए दिसंबर-जनवरी के माह में इसकी कांट-छांट कर देनी चाहिए, अगर कांट-छांट न की जाए तो फल कम पड़ता है।

कटहल पौधों की बुआई कटहल के पक्के फल के बीजों से की जाती है तथा बिन बीज वाले पौधों की बुआई बिन बीज वाले कटहल के पौधों की जड़ से नए पौधे लिए जाते हैं। कटहल के बीज वाले फल को बीज पड़ते हैं तथा ऊपर ही पकने वाले फल से बीज निकाल कर बोए जाएं तो भी उगते हैं। फरवरी माह या फिर बरसातों में ही इसके पौधे खेतों में लगाएं।

प्रथम दो-तीन माह इनकी संभाल बहुत अनिवार्य है। एक से दूसरे पौधे की दूरी 40 फुट तक होनी चाहिए। जड़ से पैदा किए पौधे को 5-6 वर्षों बाद ही फल पड़ जाता है परन्तु बीज वाले पौधे को आठ से दस वर्ष बाद ही फल पड़ता है। इसके टूटे हुए फल को अगर खुली हवा में न रखा जाए तो एक सप्ताह में ही यह हल्का होकर पिचक जाएगा। इसकी लकड़ी पीले रंग की होती है तथा बहुत अच्छी किस्म की होती है। इसकी लकड़ी को दीमक नहीं लगता। इसकी लकड़ी से दरवाजे, खिड़कियां तथा फर्नीचर आदि बनता है। पॉलिश करने पर इसका काठ भव्य लगने लगता है। इसके बुरादे से एक प्रकार का पीला रंग बनता है जिससे बर्मा में आज बौद्ध-भिक्षु अपने वस्त्र रंगा करते हैं। इसकी छाल के काढ़े से भी रंग तैयार होता है।

कटहल की खेती अपनायें-खूब लाभ कमायें

कटहल के पौधे दीर्घ जीवी अधिक लाभ देने वाले विटामिन ए, सी तथा खनिज पदार्थों से भरपूर होते है। इनके फलों का उपयोग मुख्य रूप से सब्जी एवं अचार के लिए किया जा सकता है। यदि किसान कटहल का उत्पादन व्यवसाय रूप से करें तो उन्हें अधिक लाभ हो सकता है। वर्तमान में उद्यानिकी विभाग द्वारा विषेष तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहायता दी जा रही है। जिसका किसान लाभ ले सकें।

कटहल मध्यप्रदेश के सभी जलवायु क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। इसके लिए पानी के निकास वाली गहरी उपजाऊ दोमट भूमि अच्छी रहती है। यह पौध अधिक सर्दी, गर्मी सहन नहीं कर पाता है किन्तु पर्याप्त प्रकाष मिलने पर इसका उत्पादन अच्छा हो जाता है।

कटहल की दो किस्में होती है। कडे गूदे वाली व मुलायम गूदे वाली इसकी जो प्रमुख जातियां है उनमें रूद्राक्षी, सिंगापुर, मुत्तम, वारीखाल व खाजा। रूद्राक्षी के फल छोटे व कांटे वाले होते है इनका वजन 4 से 5 किलो तक होता है। पूर्ण अवस्था प्राप्त वृक्षों से 500 से अधिक फल प्राप्त होते यह सब्जी के लिए उपयुक्त किस्म है। सिंगापुर जाति का वजन 7 से 10 किलो तक होता है गूदा मीठा फुर्रफुरा व पीले रंग का होता है। मुत्तम औसत 7 किलोग्राम तक का फल लगता है। सबसे बडे फल वाली किस्म खाजा है यह इसमें सफेद कोये वाले फल का भार 25 से 30 किलोग्राम तक होता है। इसके कोये पकने पर दूध की भांति सफेद रसदार एवं कोमल होते है।

कटहल का उद्यान लगाने के लिए चयनित स्थान पर रेखांकन कर 10 मीटर कतार से कतार एवं 10 मीटर पौधे की दूरी पर एक मीटर लंबे चौडे एवं गहरे आकार के गड्ढों को खोदकर मई के अंतिम सप्ताह या जून के प्रथम सप्ताह में खेत की मिट्टी व गोबर की खाद के मिश्रण के साथ 500 ग्राम सुपर फासफेट, 500 ग्राम पोटास एवं 50 ग्राम ऐलडेग्स चरूण मिलाकर भर दिये जाते है। वर्षा ऋतु में पौध के रोपण हेतु उपयुक्त समय होता है। पौध रोपण के बाद मिट्टी को अच्छी तरह से दबा देते है और नियमित देखभाल की जाती है। पौधों में संतुलित मात्रा में 1 से 6 वर्ष तक गोबर की खाद एवं उर्वरक की मात्रा दी जाती है। पौधों की सिंचाई हेतु गर्मी में 15 दिन व सर्दी ऋतु में 1 माह में सिंचाई की जाती है। दो तीन वर्ष की उम्र के पौधों की गर्मी के समय 7 दिन व ठंड में 15 दिन में सिंचाई करना ठीक रहता है।

कटहल के वृक्ष में नर एवं मादा फूल आते है। नर पहले व मादा वाद में आते है। नर फूल बाद में झण जाते है। मादा फूल मुख्य तने से लेकर प्रारंभिक तथा सहायक शाखाओं में लगे रहते है। अच्छी फसल के लिए कीट व्याधी उपचार हेतु समय-समय पर दवाओ का छिडकावं जरूरी है। कटहल की उपज औसतन 10 से 15 वर्ष पष्चात् 100 से 250 फल प्रति वृक्ष प्राप्त होते है। फलों का भार 5 से 30 किलोग्राम तक होता है और मार्च से जून तक प्राप्त होते है।

बिना जुताई के बोआई करने वाली मशीन

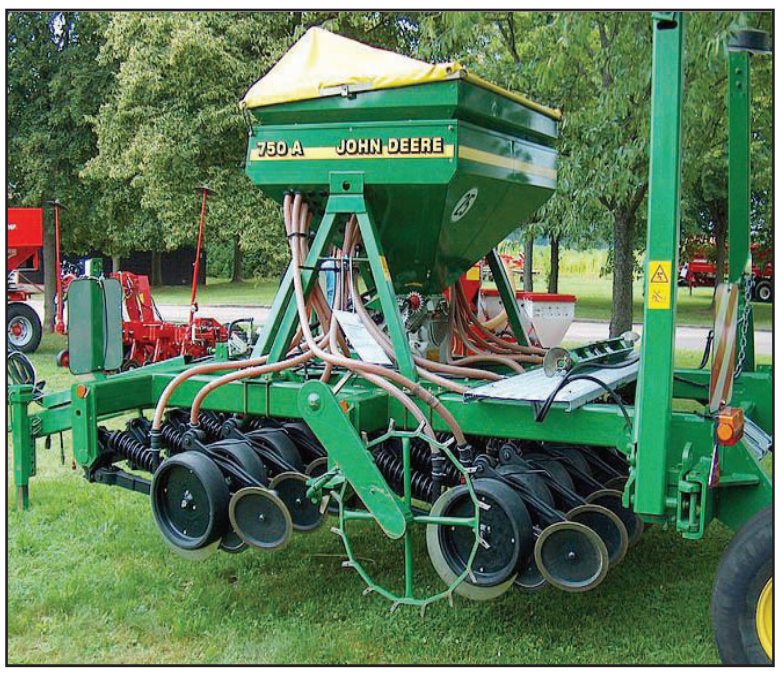

आज के आधुनिक जहां हर क्षेत्र में नई नई तकनीके आ रही हैं वहीं कृषि क्षेत्र में भी उत्पादन बढ़ाने के लिए हमारे वैज्ञानिक भी लगे हुए हैं और सफल भी हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कम समय और कम लागत में कृषि उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए कई प्रकार के कृषि यंत्रों का निर्माण ही नहीं किया गया बल्कि उनसे कृषि उत्पादन बढ़ाने में कई अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। नए-नए कृषि यंत्रों से जहां किसानों का समय बचा है वहीं उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। भारत के किसानों ने खेती के उत्पादन बढ़ाने के लिए कई तरह के यंत्रों का उपयोग अपनी खेती किसानी के लिए किया है।

हाईकोर्ट में सेना की भूमि की खरीद-बिक्री घोटाला मामले में हुई आंशिक सुनवाई

जमीन कारोबारी की जमानत याचिका पर ईडी को जवाब के लिए दिया एक और मौका

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड हाई कोर्ट में बरियातू स्थित सेना की भूमि की खरीद-बिक्री घोटाले मामले में आरोपी अफसर अली की जमानत याचिका पर आंशिक सुनवाई शुक्रवार को हुई। मामले में ईडी ने बताया कि जवाब तैयार है, वह आज दाखिल कर देंगे। कोर्ट ने ईडी के आग्रह को देखते हुए मामले की सुनवाई अगले सप्ताह निर्धारित की है।

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने अफसर अली की गिरफ्तारी में अपनाई की प्रक्रिया संबंध में ईडी से जानकारी मांगी थी। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने मामले की सुनवाई की। याचिकाकर्ता ओर से अधिवक्ता निलेश कुमार ने पैरवी की। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया था कि अफसर अली के खिलाफ मामले में आरोप पत्र दाखिल हो गया है और जांच पूरी हो गई है। 14 अप्रैल, 2023 से न्यायिक हिरासत में जेल में हैं, इसे देखते हुए उन्हें जमानत प्रदान की जाए।

बरियातू स्थित 4.55 एकड़ सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े मामले में ईडी ने रांची के पूर्व उपायुक्त छविरंजन, कारोबारी विष्णु अग्रवाल, बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम,अमित अग्रवाल और दिलीप घोष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

हाईकोर्ट में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत पर सुनवाई 12 अप्रैल को

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में बरियातू की चेशायर होम रोड जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री मामले रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन की ओर से दायर जमानत याचिका की आंशिक सुनवाई शुक्रवार को हुई। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से बहस की गई। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 12 अप्रैल निर्धारित की है। चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन गड़बड़ी मामले में ईडी ने ईसीआईआर 5/2023 दर्ज किया है। मामले में छवि रंजन, प्रेम प्रकाश, अमित कुमार अग्रवाल सहित 10 आरोपितों के खिलाफ ईडी ने अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। ईडी ने रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन और बड़गाईं के राजस्व कर्मचारी सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर 13 अप्रैल, 2023 को छापेमारी की थी। इस दौरान बड़ी संख्या में जमीन के फर्जी डीड, मुहर एवं अन्य कागजात ईडी को मिले थे। इसके बाद 14 अप्रैल, 2023 को ईडी ने सात आरोपितों को गिरफ्तार किया था।

BRIEF NEWS

बीजेडी के राज्यसभा सांसद प्रसन्ना आचार्य सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल

SAMBALPUR : संबलपुर बीजू जनता दल के राज्यसभा सांसद प्रसन्ना आचार्य की कार का शुक्रवार को रायराखोल में बेलादिही के पास एक गैस टैंकर के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रसन्ना आचार्य की की स्थिति नाजुक है। उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सांसद प्रसन्ना आचार्य शुक्रवार को रायराखोल में बेलादिही के पास एक गैस टैंकर के साथ दुर्घटनाग्रस्त होने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हे भुवनेश्वर इलाज के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें एयर एंबुलेंस से संबलपुर से एयरलिफ्ट कर भुवनेश्वर लाया गया। दुर्घटना में प्रसन्ना आचार्य के साथ उनके पीएसओ भी गंभीर हालत बनी हुई है।

एमसीएल विस्थापितों का जिलापाल कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिला के हेमगिरी ब्लॉक एमसीएल बसुंधरा-गरजनबाहाल कोयला खनन परियोजना से प्रभावित 14 गांव के विस्थापितों ने पुनर्वास नीति का पालन नहीं करने, सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना और अपनी मांगों के लेकर शुक्रवार को जिलापाल कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आगामी आम चुनाव में मतदान नही करने की चेतावनी दी। उपजिलापाल ने बताया कि मामला सुप्रीम कोर्ट और दावा आयोग में लंबित है। आदेश आने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान विस्थापितों के आंदोलन के दौरान जमकर धक्का-मुक्की हुई। कोयला खनन परियोजना से प्रभावित 14 गांवों के हजारों विस्थापित एमसीएल के खिलाफ आज जिलापाल कार्यालय का घेराव किया। सारी जमीन लेने के बाद भी एमसीएल पर उचित मुआवजा नहीं देने का आरोप है। यहां तक ??कि कंपनी बिना मुआवजा दिए मकान भी खाली करा रही है। एमसीएल ने 2013 पुनर्वास नीति के अनुसार मुआवजा और पुनर्वास प्रदान करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं कर रहे। विस्थापित परिवारों ने अपना घर-बार खो दिया है।

बीजू एक्सप्रेसवे पर गोलीबारी में दो युवक गंभीर रूप से घायल, मास्क पहने 4-5 बदमाशों ने मारी गोली

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले के राजमार्ग संख्या 10, बीजू एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को गोलीबारी की घटना हुई है। गोलीबारी में दो युवक घायल हो गये जिनका सुंदरगढ़ अस्पताल में इलाज चल रहा है। शुक्रवार सुबह वडगांव-कुतरा के बीच स्कैन स्टील के पास हुई ये गोलीबारी में दोनों घायल युवकों की पहचान छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के शक्ति क्षेत्र के विक्रम टंडन और सुनील रत्नाकर के रूप में की गई है। बह जब युवक पिकअप वैन से राउरकेला आ रहा था, तभी 4 से 5 नकाबपोश युवक आये और दोनों को गोली मार दी। एक युवक को सीने में जबकि दूसरे को गर्दन में गोली मारी गयी। खबर सुनते ही घायल युवक के परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों को मेडिकल में भर्ती कराया। गोलीबारी का कारण अज्ञात है, और पुलिस जांच कर रही है।

एसएसडी हॉस्टल में मिलेगा रागी लड्डू, 412 हॉस्टल में मिलेगा लड्डू

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिला प्रशासन की ओर से शुक्रवार को संस्कृति भवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान 412 जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के अंतर्गत छात्रावासों में रहने वाले 46,666 बच्चों को दैनिक एक रागी लड्डू सातों दिन भोजन में दिए जाने की घोषणा की गई। इससे कुपोषण को रोकने में मदद मिलने की उम्मीद है। इस कार्यक्रम में 350 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सुंदरगढ़ विशेष विकास परिषद के अध्यक्ष विनय कुमार टोप्पो, जिला परिषद अध्यक्षा कुंती प्रधान, जिला गवर्नर डॉ. पराग गाभली, जिला कल्याण अधिकारी पवित्र प्रधान शामिल हुए। इस सेवानिवृत्ति में, जिलापाल डॉ. गाभली ने कहा कि यह अभिनव पहल जिला खनन संस्थान द्वारा की गई है जिसे ओडिशा मिलेट मिशन द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा। इस कार्यक्रम से बच्चों में कुपोषण कम होने की उम्मीद है। इसे भविष्य में मध्याह्न भोजन और विकलांग स्कूलों में लागू किया जा सकता है। जिला परिषद अध्यक्ष कुंती ने जिला प्रशासन की पहल की सराहना की और कहा कि मिलेट मिशन के प्रयास सराहनीय हैं क्योंकि इससे कई महिलाओं को रोजगार मिला है और उन्हें उद्यमी बनने में मदद मिली है। इसी प्रकार विशेष विकास परिषद के अध्यक्ष विनय कुमार टोप्पो ने अपने भाषण के माध्यम से कहा कि रागी हमारे प्राचीन खाद्य पदार्थों में से एक है। समय के साथ इसने अपना रुतबा खो दिया। हालाँकि, यह फिर से लोकप्रियता हासिल कर रहा है और लोग पोषण के क्षेत्र में इसके योगदान को पहचानने लगे हैं।

मानोबिकता परिवार की ओर से भूमि पूजन

ROURKELA : मानोबिकता परिवार की ओर से भंज भवन रंगमंच पर वरिष्ठ नागरिकों के साथ भूमि पूजन कार्यक्रम हुआ। इसमें 500 से अधिक वरिष्ठ नागरिक शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक एवं अध्यक्ष प्रमुख प्रशांत सेठी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में ओडिशा के सेवारत वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी महेंद्र पटनायक, इस्पात ऑटोनॉमस कॉलेज के पूर्व प्राचार्य शंकर त्रिपाठी, राष्ट्रपति पुरुस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त ब्रजेंद्र कुमार दास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सामिल हुए। सभी अतिथियों ने अपने विचार रखे।

बणई विधानसभा क्षेत्र में सीपीआई (एम) की पहली चुनावी सभा आयोजित

BANAI : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने बणई विधानसभा क्षेत्र में बणई ब्लॉक के बीजाकुली गांव में एक विशाल चुनावी सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीपीआईएम राज्य समिति सदस्य बिष्णु महंती ने की। इस अवसर पर बणई विधायक लक्ष्मण मुंडा, अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक प्रतिनिधि, बानेश्वर साहू, संगठक चितरंजन खमारी, स्थानीय समिति सदस्य, नरहरि पात्र, स्थानीय समिति सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे। विभिन्न पंचायतों से सीपीआईएम पार्टी के सदस्यों ने आकर विधायक लक्ष्मण मुंडा को जिताने की शपथ ली। विष्णु मोहंती ने कहा कि लक्ष्मण मुंडा की पहचान एक बेहतरीन विधायक के रूप में है। अब हम उन्हें अधिक से अधिक वोटों से जिताएंगे। प्रदेश के मौजूदा हालात को देखते हुए रण कुशल के साथ कार्यकताओं से साहस दिखाने और ताकत दिखाने की अपिल बिधायक ने की।अंत में अनिरुद्ध ने त्रिपाठी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकताओं को धन्यवाद दिया।

यूरोपीय देशों से जमशेदपुर पहुंचे ब्रह्माकुमारीज के 41 साधक

JAMSHEDPUR : यूरोपीय देशों से ब्रह्माकुमारीज के 41 साधक शहर आए हैं। गुरुवार को पहुंचे ये साधक रविवार तक जमशेदपुर में रहेंगे। इसके बाद ये राजस्थान के माउंट आबू जाएंगे, जहां ब्रह्माकुमारीज का मुख्यालय है। सोनारी के मेरीन ड्राइव स्थित ब्रह्माकुमारी के यूनिवर्सल पीस पैलेस में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे लंदन निवासी शंकर ने बताया कि इस प्रतिनिधिमंडल में यूनाइटेड किंगडम के 25, फ्रांस के 6, जर्मनी के 4 और नार्वे व श्रीलंका के 3-3 प्रतिनिधि हैं। खास बात यह है कि सभी मूल रूप से श्रीलंका के तमिल निवासी हैं, लेकिन 15 से 40 वर्ष पूर्व यूरोप में बस गए थे। शंकर ने बताया कि प्रतिवर्ष यूके केंद्र की ओर से हम दुनिया के किसी बड़े केंद्र का भ्रमण करते हैं। गत वर्ष जुलाई में जमशेदपुर से ब्रह्माकुमारीज की कोल्हान प्रभारी अंजू बहन यूके गई थीं। उन्होंने हमसे जमशेदपुर आने का आग्रह किया था। यहां की खूबियां-विशेषताएं बताई थीं। चूंकि हममें से कोई भी पहले जमशेदपुर नहीं आया था, इसलिए यहां आने की योजना बनी। हम सभी टाटा स्टील से परिचित हैं, जमशेदपुर या टाटानगर का नाम भी सबने सुन रखा था, इसलिए इस शहर को नजदीक से देखने की इच्छा हुई। वाकई यह बहुत अच्छा शहर है। अंजू बहन ने बताया कि शुक्रवार शाम को ये बिष्टुपुर स्थित मद्रासी सम्मेलनी जाएंगे, जबकि शनिवार को टाटा मोटर्स व जुबिली पार्क, लेजर शो, एम्यूजमेंट पार्क आदि का भ्रमण करेंगे।

राजेश ठाकुर के पत्रकार वार्ता पर भाजपा का पलटवार

व्हाइट मनी से चुनाव को फंड देने का एक सार्थक प्रयास : प्रतुल शाहदेव

PHOTON NEWS RANCHI :

प्रतुल शाहदेव।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने शुक्रवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के पत्रकार वार्ता पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस इस देश में भ्रष्टाचार की जननी रही है। पहले कांग्रेस के यहां प्रचलित कहावत था- ना खाता ना बही, जो कांग्रेस के अध्यक्ष कहे वही सही। पहले कांग्रेस जैसे राजनीतिक दल चुनाव संबंधी लेनदेन कच्चे पैसे में करते थे। यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का बड़ा कदम था।अटल बिहारी वाजपेयी के समय में इनकम टैक्स कानून में संशोधन करके चुनाव में चंदा देने वाले कॉरपोरेट्स को टैक्स में रियायत देने की सार्थक पहल हुई।

प्रतुल ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में इलेक्टोरल बॉन्ड लाकर चुनाव में राजनीतिक पार्टियों को व्हाइट मनी के जरिए चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित करने का सार्थक प्रयास किया गया। यह बॉन्ड एक पारदर्शी सिस्टम का बेहतरीन नमूना था, जहां स्टेट बैंक से किसी व्यक्ति या कॉर्पोरेट चुनावी बॉन्ड खरीद सकता था और उसकी पूरी जानकारी उसे स्टेट बैंक को उपलब्ध करानी पड़ती थी। 15 दिनों के भीतर इस बॉन्ड को पसंद के राजनीतिक दल को देना पड़ता था। भ्रष्टाचार की आदत लग चुकी कांग्रेस को यह पारदर्शी सिस्टम पसंद नहीं आया। इसलिए वह आज अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। प्रतुल ने भाजपा और भाजपा के सहयोगी दलों की सरकार 18 प्रदेशों में है। भाजपा के 303 सांसद हैं जबकि कांग्रेस महज दो तीन प्रदेशों में है।

खादगढ़ा बस स्टैंड से सात किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

RANCHI : रांची के खादगढ़ा टीओपी पुलिस ने सात किलो गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों में बिहार के कैमूर निवासी नंदलाल पाल उर्फ नंदन और रोहतास निवासी सोनी कुमारी शामिल है। इनके पास से सात किलो गांजा, दो मोबाइल फोन, आधार कार्ड और 800 रुपये नगद बरामद किए गए। सीटी डीएसपी के वेंकटेश रमण ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर लोअर बाजार थाना प्रभारी और खादगढ़ा टीओपी प्रभारी भीम सिंह के नेतृत्व में खादगढ़ा बस स्टैंड परिसर के चार नबंर स्टैंड के समीप खड़े सिंह बस के पास छापेमारी की। पुलिस टीम को देखते ही एक लड़की और एक युवक अपने साथ लिए ग्रे कलर के ब्रिफकेस को लेकर अपने को भीड़ में छिपाने का प्रयास करने लगे। इस बीच उपलब्ध पुलिस बल और महिला आरक्षी बल की मदद से भाग रहे युवक एवं युवती को पकड़ा गया। इनके पास से मिले ब्रिफकेस में गांजा का सात पैकेट बरामद हुआ।

भाजपा पहले चंदा लेती है और बाद में धंधा देती है : राजेश ठाकुर

PHOTON NEWS RANCHI :

कांग्रेस भवन में मीडिया को जानकारी देते राजेश ठाकुर व अन्य। ● फोटोन न्यूज

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा पहले चंदा लेती है और धंधा देती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति रही है राम नाम जपना, पराया माल अपना और इसी तर्ज पर भाजपा नेताओं ने गैंग बनाकर इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए रकम की वसूली की है। ठाकुर शुक्रवार को रांची के कांग्रेस भवन में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे।

ठाकुर ने कहा कि 15 फरवरी को इलेक्टोरल बॉन्ड को असंवैधानिक घोषित करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से केंद्र की भाजपा सरकार एसबीआई के माध्यम से लगातार इस बात को सामने आने से रोकने या देरी करने की कोशिश कर रही थी। क्योंकि, इलेक्टोरल बॉन्ड के घोटाले सामने आने से प्रधानमंत्री के भ्रष्टाचार के मामले में दोहरी नीति का पदार्फाश न हों। उन्होंने कहा आश्चर्य की बात यह है कि 20 फरवरी को ईडी, सीबीआई और आईटी विभाग के छापे या जांच के तुरंत बाद 30 कंपनियों से भाजपा को 335 करोड़ रुपये तक का चंदा मिलना यह साबित करता है कि भाजपा संवैधानिक संस्थाओं को इस्तेमाल डरा-धमका कर हफ्ता वसूली में लगी है।

ठाकुर ने कहा कि सेबी ने जिन चार कंपनियों को फर्जी (स्मॉल कंपनीज) बताया है, उनसे भाजपा ने 4.9 करोड़ का चंदा क्यों लिया? इन कंपनियों के माध्यम से भाजपा के पास किसका काला धन आया? कोरोना जैसी बड़ी महामारी में मोदी सरकार ने टीके बनाने का एकमात्र अधिकार सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को दिया। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने भी 50 करोड़ का चंदा दिया। इससे भी मन नहीं भरा तो बूस्टर डोज लगवाया। उन्होंने कहा कि जिसका परिणाम यह देखने को मिला रहा है कि युवा और बुजुर्ग को हार्ट अटैक हो रहे हैं। मोदी को इसका जवाब देना पड़ेगा। मोदी ने 10 वर्षों में एक भी पत्रकार वार्ता नहीं किया। सिर्फ अपने मन की बात की और मनमानी की।

डीएसपीएमयू के मैनेजमेंट विभाग के डायरेक्टर के खिलाफ आजसू पहुंचा राजभवन

कुलपति ने विश्वविद्यालय की गरिमा को गिराया, जो जितना दागदार उसको उतने ही ऊंचे पद पर बैठाया : नीरज वर्मा

PHOTON NEWS RANCHI :

मांगपत्र के साथ आजसू छात्र संघ के कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के मैनेजमेंट विभाग के निदेशक पद पर डॉ. बास्के जी को सुशोभित करने के छात्र विरोधी निर्णय के खिलाफ आजसू राजभवन पहुंचा है। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) ने आज राजभवन सचिवालय को मांगपत्र सौप वर्तमान में मैनेजमेंट विभाग के निदेशक को अविलंब पद से हटाने की मांग की है। आजसू में मांगपत्र में डॉ. बास्के के कंप्यूटर एप्लीकेशन और इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग के कॉर्डिनेटर के पद पर रहते हुए एक छात्र को नंगा कर पीटने और विडियो बनाने और छात्र छात्राओं को धमकाने संबंधी अखबारों में छपे खबरों की छायाप्रति उपलब्ध कराया है। आजसू ने आरोप लगाया है कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ.) तपन कुमार शांडिल्य ने दागदार शिक्षक को मैनेजमेंट विभाग के निदेशक का प्रभावशाली पद देकर यह साफ कर दिया है कि विश्वविद्यालय में घटित हो रहे तमाम घटनाओं को कुलपति का संरक्षण प्राप्त है।

आजसू के युवा नेता नीरज वर्मा ने कहा कि कुलपति ने विश्वविद्यालय के गरिमा को गिराया है, जो जितना दागदार उसको उतने ही ऊंचे पद पर बैठाया है। डॉ. बास्के को डीएसपीएमयू के मैनेजमेंट विभाग का निदेशक बनाकर विश्वविद्यालय ने दूध की रखवाली बिल्ली से करवाने वाली कहावत को चरितार्थ किया है। दर्जनों बार छात्रझ छात्राओं और छात्र संगठनों ने डॉ. बास्के के खिलाफ साक्ष्य सहित शिकायत किया है। फिर भी ऐसे दागी शिक्षक को एक जिम्मेदारी भरे पद से सुशोभित कर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ.) तपन कुमार शांडिल्य ने विश्वविद्यालय को प्रयोगशाला बना दिया है। आजसू इस मामले को खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन करेगी और विश्वविद्यालय में चल रहे कुलपति के मनमानी के खिलाफ मुखर होगी।

इस दौरान नीरज वर्मा, अभिषेक शुक्ला, अभिषेक, अंशुतोश कुमार, कैलाश, मुकेश, अमन, रोहित आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

रांची में मिनी शराब फैक्ट्री का खुलासा, एक गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI :

सुखदेव नगर थाना पुलिस ने मिनी शराब फैक्ट्री का खुलासा किया है। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के यमुना नगर स्थित एक घर में पुलिस ने छापेमारी की, जहां से पुलिस ने अवैध विदेशी शराब पैक करते विनोद भगत नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जबकि एक अन्य आरोपित मोटू महतो उर्फ रंजीत यादव भागने में सफल रहा। फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में अवैध नकली विदेशी शराब, खाली बोतल, रैपर, झारखंड सरकार का नकली बारकोड, लोगो, शराब के बोतल का खाली ढक्कन सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं।

डीएसपी ने बताया कि यमुना नगर स्थित एक घर में मिनी शराब फैक्ट्री संचालित हो रहा था। सस्ते शराब को खरीद कर महंगे शराब के बोतलों में भरकर झारखंड सरकार का स्टीकर लगाकर बेचने का काम किया जा रहा था। पुलिस मामले में शामिल शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

उन्होंने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर पूरे क्षेत्र में विधि व्यवस्था, शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए अवैध शराब, आग्नेयास्त्र और मादक पदार्थ की बरामदगी के लिए वरीय पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम गठित किया गया है।

नकुल शाह बने बेड़ो के थाना प्रभारी

RANCHI : एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने गुरुवार देर रात तीन पुलिस अधिकारियों का तबादला किया है। नामकुम थाना में पदस्थापित नकुल शाह को बेड़ो का थाना प्रभारी बनाया गया है। इटकी थाना में पदस्थापित अभिषेक कुमार को इटकी थाना प्रभारी बनाया गया है जबकि अनगड़ा थाना में पदस्थापित चमरा मिंज को अनगड़ा थानेदार बनाया गया है।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

रांची विश्वविद्यालय के 37वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य मुख्य अतिथि शामिल हुए राज्यपाल, बोले-

युवाओं को सशक्त करने की भूमिका निभाता है विश्वविद्यालय

PHOTON NEWS RANCHI :

छात्रा को डिग्री देते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन। ● फोटोन न्यूज

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि विश्वविद्यालय युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके उन्हें सशक्त करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है। मानव सभ्यताओं की प्रगति इस धारणा की पुष्टि करती है कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसकी शिक्षित आबादी की क्षमता पर निर्भर करती है। राज्यपाल शुक्रवार को रांची विश्वविद्यालय के 37वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य मुख्य अतिथि छात्रों को संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में कुल 4043 छात्रों को उपाधि दी गयी।

राधाकृष्णन ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में, भारत विश्व में सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों, दार्शनिकों, खगोलशास्त्रियों, गणितज्ञों, वैज्ञानिकों, भाषाविदों के लिए जाना जाता है, जिन्होंने प्राचीन काल से ही जीवन के सभी क्षेत्रों में मानवता के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पूरा विश्व आज भारत को एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देख रहा है, जिसमें मानव जाति की जीवन शैली को समृद्ध करने की जबरदस्त क्षमता है। उन्होंने कहा कि दुनिया को योग की अहमियत पता है। भारत का यह अमूल्य उपहार संपूर्ण विश्व को है।

राज्यपाल ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय का गौरवशाली और समृद्ध इतिहास रहा है। इसने अतीत में कई विद्वानों को जन्म दिया है। मुझे आशा है कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अनवरत प्रदान करता रहेगा। डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी हमेशा हमारी समृद्ध बौद्धिक परंपरा से प्रेरणा लेते रहेंगे।

विशिष्ट अतिथि केंद्रीय कृषि और जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि दीक्षांत समारोह का मूल उद्देश्य हमें अपनी बौद्धिक क्षमता से विश्व को परिचीत कराना भी है। हमें विकसित भारत बनाना है। हमें अभी से ही भविष्य की जरूरतों के लिये प्लान कर काम करने की आवश्यकता है। झारखंड में सीबीएसई 740 प्लस टू विद्यालय खोले जायेंगे।

किसान बोले- जमीन ले ली लेकिन मुआवजा नहीं दिया

बक्सर। के थर्मल पावर प्लांट के बाहर किसान धरने पर हैं। गुरुवार को किसानों ने प्लांट के गेट के सामने अपने कपड़े उतारकर प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि हम लोगों को कंपनी ने नंगा कर दिया। हमारी जमीन ले ली और मुआवजा तक नहीं दिया। हमारे तन पर कपड़ा नहीं। हमारी लज्जा खत्म हो गई है। किसान 20 फरवरी से प्लांट के मुख्य गेट के पास धरना दे रहे हैं। किसानों ने 9 मार्च से गेज को जाम कर रखा है। जिला प्रशासन और एसटीपीएल कंपनी के खिलाफ नारेबाजी चल रही है। किसानों का कहना है कि जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होती हम हटने वाले नहीं हैं। प्लांट के मेन गेट पर करीब 500 से ज्यादा किसान जमे हैं। जो टेंट लगाकर बैठे हैं। भारी संख्या में पुलिस बल को प्लांट में बुला लिया गया है। जिला प्रशासन ने प्लांट के रास्ते में धारा 144 लगाई है। जब इस बात की सूचना किसानों को लगी तो उन्होंने धरना स्थल पर धारा 288 का बैनर लगा लिया है। यह कोई कानून की धारा नहीं है। इसे पहली बार 1988 में भारतीय किसान यूनियन के संस्थापक चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत ने इस्तेमाल किया था। उसके 32 साल बाद दिल्ली के पास किसान आंदोलन के समय राकेश टिकैत ने इस्तेमाल किया था। अब चौसा के किसानों ने किया है। किसानों ने धारा 144 का काट बताते हुए 288 लगा जिला प्रशासन और अपनी धरने के बीच में लकीर खींचने की बात कही है। किसान रामप्रवेश यादव ने कहा कि 1058 एकड़ जमीन ले ली। उसका उचित मुआवजा नहीं दिया। जो मुआवजा दिया उसमे लंबा-चौड़ा घोटाला और भ्रष्टाचार किया गया। आरएनआर पॉलिसी के जो पैसे किसानों और खेत में काम करने वाले मजदूरों को मिलने वाले हैं। उसको अभी तक नहीं दिया। कंपनी की योजना का एक भी लाभ नहीं मिल रहा है। हमारे पास तन पर कपड़ा नहीं है। लज्जा समाप्त हो गया है। किसान रामप्रवेश यादव के अनुसार स्थानीय सांसद सह केंद्रीय राज्य मंत्री ने 24 फरवरी की बैठक में आश्वासन दिया था कि 2 मार्च को समहरणालय परिसर में आरएनआर पॉलिसी के तहत किसान मजदूरों का जो मुआवजा बनता है उसे बांटा जाएगा। 26 तारीख को हमलोगों की मीटिंग हुई थी उसमें भी बक्सर के एसडीएम, डीएसपी और कम्पनी के अधिकारी ने इस बात को दोहराया था, लेकिन 2 मार्च बीतने पर जब एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा से बात की गई तो बोले की 4 मार्च को आएंगे। चार मार्च बिता तो बोला गया कि 6 मार्च को आएंगे मंत्री, लेकिन नहीं आए। किसान अपनी मांगों को लेकर 16 महीने से धरने पर बैठे हैं। इस दौरान तीन बार गेट जाम किया। पहली बार 11 जनवरी 2023 को गेट जाम किया तो पुलिस ने किसानों पर लाठियां चटका दी। किसानों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए थे, जिस कारण पुलिस ने गोली भी चलाई थी। इसका फायदा असामाजिक तत्वों ने उठाया था। प्लांट में आग लगा दी थी। कंपनी ने उस वक्त 25 करोड़ रुपए का नुकसान दिखाया था। दूसरी बार 10 अक्टूबर 2023 को गेट जाम किया। उस वक्त सात दिन तक किसान धरने पर बैठे रहे। जिला प्रशासन ने किसानों की 11 सूत्री मांगों को पूरा करने के लिए डेढ़ माह का समय मांगा, पर कुछ हुआ नहीं। अब तीसरी बार 9 मार्च को मुख्य गेट को जाम किया है। किसान आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। बक्सर जिले के चौसा में 1320 मेगावाट की बिजली बनाने वाला थर्मल पावर प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें 1058 एकड़ भूमि मुख्य प्लांट के लिए जमीन अधिग्रहण किया गया है। जिसका कार्य लगभग पूरा है। वहीं 225 एकड़ के आसपास जमीन रेल कॉरिडोर और वाटर पाइप लाइन के लिए लिया गया है। किसान 17 अक्टूबर 2022 से ही भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में अनियमितता को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे है। इस बीच किसानों पर लाठी चार्ज के साथ प्लांट में आगजनी भी हुई। प्लांट ने 25 करोड़ का नुकसान बताया था। कंपनी के सीईओ संजय कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल किसानों के आंदोलन से प्लांट का काम बंद है, लेकिन किसानों से बातचीत हुई है। सकारात्मक पहल से हल निकालने की कोशिश की जा रही है। अगर काम शुरू होता है तो 660 मेगावाट की पहली यूनिट के निर्माण में करीब तीन-चार महीने का समय लग सकता है। इसके बाद ही प्लांट से बिजली का उत्पादन होगा।

संक्षिप्त डायरी

कैमूर में भीषण सड़क हादसा दो युवकों की मौत

कैमूर। में भीषण सड़क हादसे में दो युवक की मौत हो गई। घटना मोहनिया थाना क्षेत्र के समेकित चेकपोस्ट के पास हुई। बताया जा रहा हे कि दो युवक अपने घर से मोहनिया बाजार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दुर्गावती की ओर से आ रही बस ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और दोनों युवकों की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि बस रॉन्ग साइड से आ रही थी। इसी कारण हादसा हुआ। घटना के बाद बस चालक वहां से फरार हो गया। मोहनिया थानाध्यक्ष अवधेश कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में दो युवक की मौत हो गई है। बस को जब्त कर लिया गया है। उसके चालक की तलाश में छापेमारी चल रही है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार मरने वालों की पहचान दुर्गावती के दहियाव गांव निवासी अमरेंद्र कुमार और रोहित कुमार के रूप में की गयी है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं दुर्गावती प्रखंड प्रमुख श्याम शाह ने पुलिस प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपी बस चालक को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे। साथ ही पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा भी प्रदान किया जाए।

भीषण सड़क हादसे में शिक्षक की मौत बेटे के साथ बीपीएससी की परीक्षा देने जा रहे थे

भोजपुर। जिले के आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर तेज रफ्तार पिकअप वैन ने बाइक सवार पिता ओर पुत्र को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पिता की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बेटे का आरा सदर अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। वहीं घटना कि सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल से दोनों को आरा सदर अस्पताल ले आई है। जहां डॉक्टर के जांच करने के बाद पिता को मृत घोषित कर दिया गया है। वहीं घटना जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के उदवंतनगर गांव के समीप शुक्रवार की अहले सुबह हुई है। मृतक की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के गौसगंज मोहल्ला निवासी जय किशुन राम के 41 वर्षीय पुत्र हीरालाल रूप में हुई है। वह पेशे से शिक्षक (नियोजित) थे। वर्तमान में बामपाली गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में प्रभारी प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत थे। जबकि जख्मी उनका पुत्र राहुल कुमार है। राहुल कुमार ने बताया कि उसके पिता बीपीएससी द्वारा आयोजित शिक्षक भर्ती परीक्षा देने के लिए शुक्रवार की सुबह उसके साथ सासाराम जा रहे थे। सासाराम जाने के क्रम में बाइक राहुल के पिता चला रहे थे। राहुल ने बताया कि उदवंतनगर पहुंचने के बाद विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने रौंद दिया। जिससे उसके पिता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि राहुल बुरी तरह जख्मी हो गया। घटना के बाद भोजपुर पुलिस के द्वारा आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसके पिता हीरालाल को मृत घोषित कर दिया। वहीं जख्मी बेटे का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। वहीं घटना के बाद भोजपुर पुलिस के द्वारा मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। वहीं घटना कि सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजन आरा सदर अस्पताल पहुंचे। जिसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम आरा सदर अस्पताल में करवाया। परिजनों ने बताया कि मृतक अपने तीन भाई और एक बहन में छोटे थे।

40 फीट तक दिखीं लपटें रास्ता भटकी फायर ब्रिगेड

सुपौल। में गुरुवार देर रात 25 से ज्यादा घरों में आग लग गई। एक घर में खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में लीकेज होने के कारण आग लगी। आग की वजह से एक-एक कर दो सिलेंडर में ब्लास्ट हुए। आग की लपटें 40 फीट ऊपर तक दिखाई दे रही थीं। आनन-फानन में फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। एक गाड़ी पहुंची, लेकिन दूसरी रास्ता भटक गई। वो नहीं पहुंच पाई। आसपास के लोगों ने एक फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग की वजह से 25 घरों में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल के पीछे वाली बस्ती में लगी थी। घटना सुपौल नगर परिषद के वार्ड 25 की है। सुपौल शहर के वार्ड 25 में जसोधर मल्लिक के घर खाना बनाने के दौरान गैस लीकेज होने की वजह से आग लगी। नगर परिषद के मुख्य पार्षद राघवेंद्र झा राघव ने बताया कि वार्ड 25 में 25 परिवार के घर आग में खाक हुए हैं। सभी पीड़ितों को रात में पॉलीथिन शीट और खाने की व्यवस्था की गई है। घटना में किसी के भी मौत की सूचना नहीं है ना ही घायल होने की सूचना है। समय रहते सब लोग दूर चले गए थे। दमकल की एक गाड़ी पहुंची थी, बाकी कही और गई थी।

पारस की जिद और मांझी की मांग के बीच एनडीए में सीट बंटवारे की घोषणा

बिहार। पशुपति कुमार पारस की लोक जनशक्ति पार्टी (राष्ट्रीय) और जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा- सेक्युलर को संभालने हुए आज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बिहार की 40 सीटों के बंटवारे की योजना सामने आ सकती है। गुरुवार को मांझी से मुलाकात और पारस समेत बाकी घटक दलों से पहले हो चुकी बातचीत के आधार पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था कि शुक्रवार को सीट शेयरिंग की जानकारी मिल जाएगी। सीट बंटवारे की घोषणा को लेकर जहां सभी की नजर भाजपा पर रहेगी, वहीं मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी घटक दलों की नजर रहेगी।सूत्रों की मानें तो बिहार एनडीए में भाजपा 17, जदयू 16, लोजपा (रामविलास) चार, बाकी बचे तीन सीट में एक लोजपा (पारस गुट), उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा को एक और जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के एक सीट मिल सकती है। मांझी की पार्टी ने गया लोकसभा सीट पर दावा भी ठोक दिया है। अगर मुकेश सहनी एनडीए के साथ आते हैं तो उन्हें भी एक सीट दिया जा सकता है। ऐसे हालात में जदयू या भाजपा को एक सीट पर छोड़ना पड़ सकता है। हालांकि, मुकेश सहनी मुजफ्फरपुर सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा के टिकट पर अजय निषाद जीते थे। लोकसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के साथ या आगे-पीछे भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों की दूसरी सूची आने की संभावना है। भाजपा बिहार की 2019 में जीती अपनी सीटों में से पटना साहिब समेत चार सीटों को छोड़ बाकी 13 पर प्रत्याशियों की घोषणा पहले करे, यह भी संभव है।

गोपालगंज में पुल से नीचे जलती चिता पर गिरा गड्ढे के कारण 10 फीट उछली थी बाइक

गोपालगंज। में एक शख्स पुल से नीचे जलती चिता में गिर गया। जलकर उसकी मौत हो गई। मृतक के भतीजे गणेश कुमार ने बताया कि वो अपनी पत्नी के लिए दवा लेकर लौट रहे थे, तभी पुल पर गड्ढे में उनकी बाइक उछली और वो सीधे 10 फीट नीचे जलती चिता पर गिर गए। नीचे चिता के पास कोई भी नहीं था, इसलिए उन्हें बचाया नहीं जा सका। 20 मिनट तक वो चिता के साथ जलते रहे। उनका आधा शरीर जल गया। कुछ देर बाद लोगों की नजर उन पर पड़ी तो जलती चिता से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान लालबेगी गांव निवासी वकील प्रसाद (60) के रूप में हुई है। वो अपने भतीजे शिवम कुमार प्रसाद (25) के साथ यूपी के साहिबगंज पत्नी की दवा लाने गए थे। हादसे में भतीजा घायल होकर बेहोश हो गया है। जिसे सदर अस्पताल से गोरखपुर रेफर कर दिया गया। उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना गुरुवार रात 9 बजे कुचायकोट थाना क्षेत्र के सासामुसा स्थित पुल नंबर 10 के पास की है। भतीजा शिवम कुमार प्रसाद बाइक चला रहा था और मृतक वकील प्रसाद पीछे बैठे थे। बाइक की रफ्तार ज्यादा थी। जिस वजह से बाइक जैसे ही गड्ढे में गई अनियंत्रित हो गई। भतीजा बाइक बैलेंस नहीं कर पाया। गड्ढे के झटके से वकील प्रसाद पुल के नीचे गिर गए। भतीजा आसपास बेहोशी की हालत में पड़ा रहा। स्थानीय लोग जुटे तो मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जख्मी इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

फिर खुद कूदी गंभीर मायके वालों ने छत से महिला को धक्का देने का लगाया आरोप

सीवान। में गुरुवार रात एक महिला ने अपनी मासूम बच्ची को छत से फेंक दिया और फिर खुद भी कूद गई। घटना में बच्ची की मौत हो गई। उसकी उम्र सिर्फ 1 साल 9 महीने थी। वहीं, महिला की हालत गंभीर है। उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला की पहचान सैदपुरा गांव निवासी अजित कुमार की पत्नी सुमन देवी है। बच्ची का नाम अन्वी कुमारी था। महिला के मायके वालों का आरोप है कि ससुराल वालों ने ही उसे छत से धक्का दिया है। वहीं, पति का कहना है कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उसने पहले भी कई बार आत्महत्या करने की कोशिश की है। मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। बच्ची का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया है। थाना अध्यक्ष ने बताया की सबका बयान लिया गया है। इसके आगे जांच पूरा होने के बाद कार्रवाई की जाएगी। घटना गोरेया कोठी थाना क्षेत्र के सैदपुरा गांव की है। मृतका की बहन नाम बिंदु देवी ने बताया कि सुमन अपने सास ससुर, पति सब से परेशान थी। अपनी बहू के साथ ससुराल वाले अच्छा व्यवहार नहीं करते थे। सुमन की बहन बिन्दु देवी ने आरोप लगाया की सुमन के देवर ने उसको और बच्ची को छत से धकेल दिया। वहीं महिला के पति अजित कुमार ने अपने ससुराल वालों के आरोपों का गलत बताया है। पति का कहना है कि उसके और उसके परिवार वालों पर झूठा आरोप लगाया जा रहा है। पति अजित कुमार ने बताया कि इससे पहले भी उसने कई बार आत्महत्या की कोशिश की थी। कई बार धारदार हथियार से अपने हाथ और गला भी काटने की कोशिश कर चुकी है। अजित ने कहा कि घटना वाले दिन उसका भाई घर पर था ही नहीं। वह मां को लेकर छपरा गया था। इस दौरान सुमन छत पर कूद गई।

जेडीयू से अशोक चौधरी और लेसी सिंह बीजेपी से नितिन नवीन मंगल पांडेय बन सकते हैं मंत्री

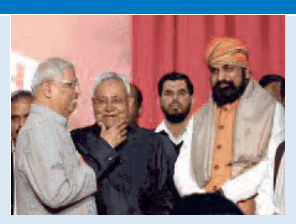

बिहार। नीतीश सरकार का आज कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। इसे लेकर राजभवन में तैयारी पूरी कर ली गई है। मिली जानकारी के मुताबिक,मंत्रियों का शपथ ग्रहण शाम 5 बजे हो सकता है। क्योंकि राज्यपाल अभी गया में हैं। दोपहर एक बजे के बाद वे पटना लौटेंगे। इसके बाद नए मंत्री शपथ ले सकते हैं। सूत्रों की माने तो मंत्रिमंडल विस्तार में जेडीयू कोटे के सारे मंत्री रिपीट होंगे। सिर्फ संजय झा की जगह महेश्वर हजारी की वापसी होगी। वहीं, बीजेपी में कई चेहरों के बदलने की चर्चा है। मिली जानकारी के मुताबिक नितिन नवीन, मंगल पांडेय, लेसी सिंह, अशोक चौधरी को मंत्री बनाया जा सकता है। सूत्रों से यह भी जानकारी मिल रही है कि कुछ नए चेहरे सामने आएंगे। खासकर नए एमएलसी को भी मंत्री पद मिल सकता है। ओबीसी और ईबीसी वर्ग साधने के लिए नए चेहरे सामने आनी की उम्मीद है। दरअसल, एनडीए सरकार का कैबिनेट विस्तार गुरुवार को टल गया था। ऐसा बताया गया था कि बीजेपी की लिस्ट तैयार नहीं थी। जबकि जेडीयू की लिस्ट पहले से तैयार थी। कैबिनेट विस्तार टलने के बाद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे थे। बिहार में कैबिनेट विस्तार और शीट शेयरिंग पर जारी संशय पर पहली बार उट नीतीश कुमार ने गुरुवार को अपनी प्रतिक्रिया दी। शाम 4 बजे एमएलसी का सर्टिफिकेट लेने के बाद जब सीएम से सीट शेयरिंग को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि जल्दी सब कुछ हो जाएगा। एनडीए में सब कुछ ठीक है। हालांकि उन्होंने सीट शेयरिंग के सवाल पर स्पष्ट कहा था कि आज शाम तक सब कुछ क्लियर हो जाएगा, लेकिन देर शाम तक कोई जानकारी सामने नहीं आई। महागठबंधन से नाता तोड़ने क बाद मुख्यमंत्री मिलाया था।

सचिवालय थाने के पीछे एमएलसी आवास में मर्डर

पटना। में अटल पथ से सटे आर. ब्लॉक क्षेत्र में राजनीतिक दलों से जुड़े जनप्रतिनिधियों के बने सरकारी आवास से सटे कई क्वार्टर का निर्माण चल रहा है। ऐसे ही एक सरकारी क्वार्टर में एक युवक की हाथ-पैर बंधी लाश मिलने से सनसनी फैल गई। जिस क्वार्टर में हत्या हुई है, वह सचिवालय थाने के पीछे की तरफ है और राजनीतिक दलों के लोगों का आना-जाना इस तरह हमेशा बना रहता है। आर ब्लॉक पर निर्माणधीन एमएलसी फ्लैट के 20 नंबर क्वाटर में शुक्रवार सुबह लाश मिलने की सूचना मिलते सचिवालय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई है। सचिवालय डीएसपी ने जांच के लिए ऋछ की टीम को भी बुलाया गया है। बताया जा रहा है कि युवक को हाथ-पैर बांधकर पहले बेरहमी से पीटा गया और फिर हत्या कर लाश को लटका दिया है। ठेकेदार की तलाश कर रही है।

रांची के कलाकारों ने दिखाई क्या करेगा काजी असम के कलाकार ने प्रस्तुत किया बिहू

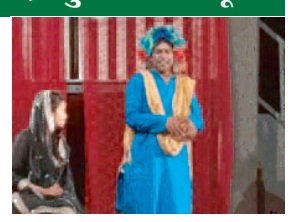

बेगूसराय। संगीत नाट्य अकादमी द्वारा बेगूसराय में आयोजित 6 दिवसीय महोत्सव की तीसरी रात रांची की नाट्य संस्था युवा रंगमंच के निर्देशक अजय मलकानी के निर्देशन में क्या करेगा काजी नाटक की प्रस्तुति की गई। जे.एन. कौशलन अनुवादित नाटक मूल रूप से फ्रेंच कॉमेडी है। क्या करेगा काजी नाटक एक रोशनी नाम की लड़की के त्रिकोणात्मक प्रेम कहानी है। रोशनी को लखनऊ के एक समारोह में नवाब से मिलने के बाद प्रेम हो जाता है। वह एक अनाथ लड़की होते हुए उच्च घराने से संबंध रखती है। जबकि, रोशनी से एक अधीर उम्र का व्यक्ति हाकीम बबन मियां शादी करना चाहता है। नाटक में त्रिकोणात्मक प्रेम कहानी के हास्य परिहास से आगे बढ़ते हुए कम उम्र की लड़की और अधिक उम्र के व्यक्ति के द्वारा शादी करने की लालसा तथा उसकी प्रेम कहानी को निर्देशक ने 16 कलाकारों के माध्यम से गंभीर संवादों के साथ प्रस्तुत किया है। नाटक में जब फकरू हजाम कहता है औरत की जवानी और मर्द का बुढ़ापा मर्द का बेड़ा गर्त कर देता है। नाटक में अगर लोगों को अपनी अपनी गुत्थियों को सुलझाने का काम दे दिया जाए तो दूसरों के काम में टांग अड़ाना छोड़ देंगे जैसे गंभीर संवाद लोगों को कई संदेश भी देते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, संगीत नाटक अकादमी के सचिव राजू दास, उपसचिव शैलेंद्र संबोधित किया।

एक आरोपी गिरफ्तार सब्जी दुकानदार की मौत के बाद लोगों ने किया जाम

पटना। में पुनाईचक सब्जी मंडी में गोलीबारी में घायल सब्जी दुकानदार जितेंद्र राय की इलाज के दौरान गुरुवार को मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को गोली मारने वाले एक अपराधी संतोष गोप को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि हथियार बरामद नहीं हुआ है। संतोष जहानाबाद के मखदुमपुर का रहने वाला है। इस मामले में दूसरा अपराधी छोटू फरार चल रहा है। बताया जाता है कि दुकान लगाने को लेकर 10 साल से विवाद चल रहा था। इसी को लेकर फायरिंग की गई थी। सिटी एसपी चंद्र प्रकाश ने देर रात संतोष की गिरफ्तारी की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संतोष और छोटू पुराने अपराधी हैं। पहले भी जेल जा चुके हैं। संतोष की पहचान जितेंद्र ने ही की थी और मौत से पहले बयान भी दिया था। जांच में यह बात आई कि जितेंद्र और अजय राय सालों से एक साथ दुकान लगाते थे। जितेंद्र और अजय के साथ संतोष का 10 साल से विवाद चल रहा था। वह दोनों को उस जगह पर दुकान लगाने से मना करता था। उस जगह पर उसकी दुकान लगेगी। इसके अलावा भी जितेंद्र का संतोष से कुछ दिन पहले विवाद हुआ था। जिसमें उसने संतोष को देख लेने की धमकी दी थी। मालूम हो कि मंगलवार की देर रात अपराधियों ने सब्जी दुकानदार अजय राय, जितेंद्र राय और ग्राहक गुंजन को गोली मार दी थी। अजय के हाथ में, गुंजन के पैर में और जितेंद्र के सीने में गोली लगी थी। गुरुवार को जितेंद्र की मौत की सूचना मिलने के बाद परिजन और स्थानीय दुकानदार आक्रोशित हो गए थे। घटना के विरोध में लोगों ने पुनाईचक की दुकानें बंद रखीं। आक्रोशित लोगों ने शव को बेली रोड पर ही रख दिया और करीब आधे घंटे तक जाम कर दिया। इस दौरान बेली रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। आक्रोशित लोगों ने उचित मुआवजे और जितेंद्र की पत्नी को सरकारी नौकरी देने की मांग की।लोगों ने पुनाईचक सब्जीमंडी के पास पुलिस की एक गश्ती गाड़ी देर रात तक लगाने की भी मांग की। सचिवालय डीएसपी सुशील कुमार और शास्त्रीनगर थाने के थानेदार अमर कुमार पहुंचे और कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया तब लोग वहां से हटे। पटना में बाइक सवार 4 अपराधियों ने मंगलवार रात 9:45 बजे ताबड़तोड़ 8 राउंड फायरिंग की। शास्त्रीनगर थाने के पुनाईचक सब्जी मंडी इलाके में एक के बाद एक कई राउंड गोलियां चलीं। फायरिंग में एक साथ 3 लोगों को गोली लगी है। तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी को इलाज के लिए राजधानी के दो अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। वारदात के वक्त सब्जी मंडी में मौजूद एक शख्स ने बताया कि 2 बाइक पर 4 लोग पहुंचे थे। सभी चेहरे पर मास्क पहने थे। पहले दुकान बंद करने को कहा। इसके बाद हवा में फायरिंग की। थोड़ी देर बाद दोनों हाथ में पिस्टल लेकर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। प्रत्यक्षदर्शी की माने तो मौके पर 11 राउंड से ज्यादा फायरिंग हुई। एक शख्स को बदमाशों ने दौड़ा-दौड़ाकर भी गोली मारी है।

महिला ग्राम प्रधान के दो दिवसीय प्रशिक्षण का ब्लॉक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान द्वारा किया गया शुभारंभ

धामपुर। विकास खण्ड अल्हैपुर धामपुर के डवाकरा हाल में विकास खण्ड धामपुर, अफजलगढ़, व स्योहारा की सभी महिला ग्राम प्रधानों को नेतृत्व क्षमता संचार कौशल एवं लैंगिक समानता विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स सेंटर डी,पी,आर,सी, गजरौला अमरोहा पंचायती राज विभाग मुरादाबाद मंडल द्वारा आयोजित किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान द्वारा किया गया। ब्लॉक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान द्वारा बताया गया कि केंद्र व राज्य सरकार पिछले 10 वर्षों से लगातार महिला सशक्तिकरण को लेकर कार्य कर रही है। भारतीय संविधान में महिला को समानता का अधिकार दिया गया है जिसको धरातल पर वर्तमान सरकार द्वारा कार्यान्वित करने का कार्य किया गया है। तथा महिलाओं को हर क्षेत्र में 33% का आरक्षण प्रदान किया गया है। इसके पश्चात उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को दिए जाने वाले सम्मान के बारे में विस्तार से बताया गया। केंद्र व राज्य सरकार द्वारा भारतीय नारी को विभिन्न योजनाएं जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन समान योजना ,कन्या शुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, फ्री सिलाई मशीन योजना, ग्रामीण आजीविका मिशन योजना ,स्वयं सहायता समूह से स्वरोजगार योजना, उज्ज्वल योजना आदि योजनाओं से महिलाओं के समाज में सम्मान और उद्यान को लेकर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में करुणा चौहान एडीओ द्वारा बताया गया कि महिला ग्राम प्रधान अपनी ग्राम पंचायत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए ग्राम पंचायत में संचालित सचिवालय में प्रतिदिन समय देकर ग्राम पंचायत में होने वाले विकास कार्य का जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाकर संचालित करने का कार्य करें। अनिल कुमार एडीओ द्वारा कार्यक्रम में बताया गया कि महिला ग्राम प्रधानों को सशक्त करने हेतु दो दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम विकासखंड धामपुर में आयोजित किया गया। जिससे महिला ग्राम प्रधान अपने दायित्वों का निर्वहन सही प्रकार से कर सकें। कार्यक्रम में इशांत शर्मा, आवरण अग्रवाल ,मास्टर ट्रेनर एवं चेष्टा राजपूत द्वारा तीनों विकासखंड की महिला ग्राम प्रधानों को नेतृत्व क्षमता संचार कौशल एवं लैगिंग सामानता विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में संयुक्त विकास खण्ड अधिकारी त्रिलोकचंद,महिला ग्राम प्रधान अध्यक्ष संध्या सिंह, सुनीता देवी, मृदुलेखा राजपूत , सुषमा, कलावती ,सर्वेश देवी ,चारुल ,सविता शर्मा, सरिता देवी, प्रियंका, अनीता रानी, आसमा ,रेखा देवी, ग्राम पंचायत सचिव नसीम अहमद, नीरज कुमार, सहदेव कुमार, मनोज कुमार, दिव्यांशु कुमार, सलमान खान, हिमांशु चौहान,आदि उपस्थित रहे।

बरेली लोकसभा की पूर्व प्रत्याशी समन ताहिर को कोर्ट से लगा बड़ा झटका

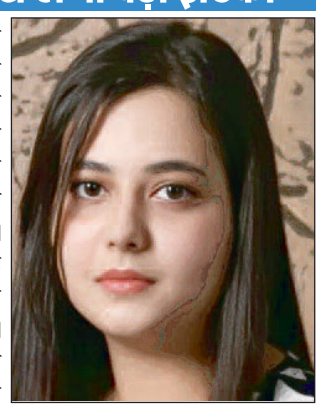

बरेली। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) की लोकसभा की पूर्व प्रत्याशी और नवाबगंज की पूर्व अध्यक्ष शहला ताहिर। की बेटी समन ताहिर को कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने उनका रिवीजन खारिज कर दिया है। कोर्ट ने समन ताहिर के खिलाफ दर्ज केस में अदालत की ओर से लिए गए संज्ञान को सही माना है। शीशगढ़ थाने में दर्ज हुआ था मुकदमा, चार्जशीट हो चुकी दाखिल अपर जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी हेमेंद्र गंगवार ने बताया कि थाना शीशगढ़ में तैनात एसआई नरोत्तम सिंह ने 15 अप्रैल 2019 को प्रसपा की लोकसभा प्रत्याशी समन ताहिर के खिलाफ बिना अनुमति के वाहनों का काफिला निकालकर चुनाव प्रचार कर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप सही साबित होने पर पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी। जिस पर कोर्ट ने नोटिस जारी कर समन ताहिर को तलब किया था। कोर्ट ने दोनों पक्ष की दलीलों को सुना कोर्ट के संज्ञान लेकर तलब करने के खिलाफ समन ताहिर ने सेशन कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी। इस पर न्यायाधीश अजय कुमार शाही की कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्ष की दलीलों को सुनकर कोर्ट में समन ताहिर का रिवीजन खारिज कर दिया। ये था पूरा मामला प्रसपा प्रत्याशी समन ताहिर ने शीशगढ़ कस्बे में रोड शो किया था। इस रोड शो में मानक से ज्यादा वाहन शामिल हुए थे। पुलिस ने शीशगढ़ में समन ताहिर के काफिले में शामिल 16 वाहनों को रोक लिया। समन ताहिर के पास रोड शो की परमीशन थी लेकिन रोड शो में ज्यादा वाहन शामिल होने पर उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया था।

नायाब अब्बासी पी जी कॉलेज में मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता व सेमिनार का आयोजन

अमरोहा। जनपद अमरोहा के नायाब अब्बासी पी जी कॉलेज में मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता व सेमिनार का आयोजन किया गया जिस की अध्यक्षता प्राचार्या डा. लुबना हामिद ने की। इस अवसर पर छात्र/छात्राओं के बीच मतदान से संबंधित वाद विवाद आयोजन किया गया जिस में छात्र छात्राओं ने बहुत रूचि ली इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए गए और एक दूसरे की जानकारी में वृद्धि की गई। प्रोग्राम में बोलते हुए नोडल अफसर डा. महताब अमरोहवी ने कहा कि वोट लोकतंत्र में मिली ऐसी ताकत है जिस के बल बूते सरकारें बदल जाती हैं उन्हों ने कहा कि सरकार को मतदान की शत प्रतिशत सफलता के लिए कोई ठोस कानून बनाने की जरूरत है जो लोग लगातार तीन चुनावों में मतदान नहीं करते हैं उनकी नागरिक सुविधाओं में कटौती की जाए और उन्हें लोक तंत्र की परिभाषा बताई जाए।छात्रा शानम ने कहा कि स्वस्थ लोक तंत्र में एक एक वोट महत्ता है इस लिए हमें अपने हर वोट की अहमियत को समझना चाहिए।जबकि बहादुर सिंह ने कहा कि हमें अपने लोकतंत्र को मजबूत रखने के लिए मतदान को एक त्यौहार के रूप में मनाने की जरुरत है जबकि कुछ लोग इसे छुट्टी का दिन कहते हैं जो गलत परम्परा है।छात्रा शिवानी ने बताया कि लोक तंत्र में किसी भी अमीर और गरीब के वोट में कोई अंतर नहीं होता है दोनों का भार एक सामान है , यही हमारे लोकतंत्र की सुंदरता है।प्राचार्या डा. लुबना हामिद ने कहा कि हमारा वोट अच्छा शिक्षित व अनुभवी लीडर चुनने का अवसर देता है जो हमारे संविधान की देन है आज भी विशव में कई तानाशाह देश है

जहां देश की जनता की राय का कोई स्थान नहीं है इस लिए हमे अपने लोक तंत्र पर गर्व करते हुए हर चुनाव में मतदान करना चाहिए।इस अवसर पर डा. नसीम अहमद ,डा. तश्कील हैदर ,दुदार्ना अकरम फारूकी ,डा.अंजलि पाठक ,अर्चना शर्मा ,डा. मुबारक अली ,रूमाना आबिदी ,डा.निकहत नकवी ,उज्मा सैफी ,डा.फरह सिद्दीकी डा. रेशमा जैदी , डा, रूचि अग्रवाल ,डा. महताब आलम ,अतुल कुमार सोनी अरमान सिद्दीकी ,जुनैद आलम ,डा. अथर कमाल ,इज्जत अली ,डा, संगीता रानी गुप्ता समेत सभी विभागों के प्रवक्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया ,अंत में सभी को मतदान की शपथ दिलाई।

साईं क्रिकेट एकेडमी और आईके कलेक्शन के बीच खेला जाएगा पहला सेमी फाइनल

बरेली। श्रीराम मूर्ति मैमोरियल टी-20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट के आठवें दिन शुक्रवार को तीसरा और चौथा क्वार्टर फाइनल हुआ। तीसरे क्वार्टर फाइनल में आईके कलेक्शन एकेडमी ने अंसारी वारियर्स अमरोहा को 6 रन से हराया तो चौथे क्वार्टर फाइनल में हल्द्वानी क्रिकेटर्स ने टाइटन क्लब बरेली पर 10 विकेट से जीत दर्ज की। इन दोनों टीमों के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही सेमी फाइनल की स्थिति तय हो गई है। पहला सेमी फाइनल साईं क्रिकेट एकेडमी और आईके कलेक्शन के बीच खेला जाएगा। जबकि दूसरे सेमी फाइनल में एसआरएमएस किंग्स का मुकाबला हल्द्वानी क्रिकेटर्स से होगा। दोनों सेमीफाइनल मैच शनिवार (16 मार्च) को खेले जाएंगे। एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग स्थित श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार सुबह तीसरे क्वार्टरर फाइनल में अंसारी वारियर्स ने टॉस जीत कर आईके कलेक्शन को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। आईके कलेक्शन ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 136 रन स्कोर बनाये। इसकी ओर से सोनू अधिकारी (12 रन, 11 गेंद, 2 चौके), मयंक मिश्रा (38 रन, 24 गेंद, 8 चौके), मोहम्मद जीशान (32 रन, 24 गेंद, 2 चौके, 2 छक्के) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके जवाब में अंसारी वारियर्स की टीम निर्धारित ओवर में 130 रन ही बना सकी और आईके कलेक्शन ने 6 रन से मैच अपने नाम किया। आईके कलेक्शन के लिए तीन विकेट लेने वाले शुभ अग्रवाल को मैन आफ द मैच घोषित किया गया। चौथे क्वार्टर फाइनल मैच में हल्द्वानी क्रिकेटर्स ने टॉस जीत कर बरेली टाइटंस को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। बरेली टाइटंस की टीम ने 13.1 ओवर में 52 रन के स्कोर पर हल्द्वानी क्रिकेटर्स के गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। टाइटंस की बल्लेबाजी को बिखेरने में गेंदबाज सूरज सतवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने चार ओवर में एक मेडन ओवर डाला और 14 रन देकर चार विकेट हासिल किए। दीक्षांशु नेगी ने दो विकेट लेकर उनका साथ निभाया। जवाब में हल्द्वानी क्रिकेटर्स के ओपनर्स दीक्षांशु नेगी (33 रन, 11 गेंद, 4 चौके, 1 छक्का) और देवेंद्र कुंवर (18 रन, 12 गेंद, 2 चौके, 1 छक्का) ने नाबाद रहते हुए 3.5 ओवर में टीम को जीत दिलवा कर सेमी फाइनल में पहुंचा दिया। चार विकेट लेने वाले सूरज सतवाल को मैन आफ द मैच घोषित किया गया।

हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को किया सम्मानित

अमरोहा। जनपद अमरोहा के ब्लॉक संसाधन केंद्र नारंगपुर जोया में हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश के अध्यक्षता में किया गया। जिसमें ब्लाक जोया के 50 विद्यालय के प्रधानाध्यापक और 50 क्वालिटेटिव आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और प्रत्येक विद्यालय से एक-एक निपुण छात्र-छात्रा उत्कर्ष छात्र कल 55 छात्रों ने प्रतिभा किया जिसमें प्रत्येक न्याय पंचायत से दो-दो बालक बालिका के छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश चंद्र व एसआरजी हेमा तिवारी ने मां सरस्वती की स्मृति पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सबसे पहले आरपी सत्येंद्र सिंह द्वारा कार्यक्रम का सामान्य रूपरेखा के बारे में बताया गया इसी क्रम में जहांगीर अहमद आरपी द्वारा निपुण भारत मिशन पर चचाएं की गई सुभाष कुमार आरपी द्वारा बालक बालिका के लक्ष्य के बारे में बताया गया। खंड शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी 55 छात्र-छात्राओं में सेअधिकांश छात्रों को कविता कहानी प्रस्तुतीकरण का अवसर दिया गया तथा छात्रों ने भी बढ़-चढ़कर प्रतिभा किया सभी छात्रों को उत्कृष्ट छात्र सम्मान प्रतीक मोमेंटो देकर सम्मानित किया

इसी के साथ पांच आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सम्मानित किया गया और तीन वरिष्ठ शिक्षक संकुल हरकेश सिंह रामकिशोर सिंह तेजपाल सिंह और खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। एसआरजी हेमा तिवारी ने सभी आंगनबाड़ी कार्यकताओं को संबोधित किया अंत में सभी छात्राओं अध्यापक को आंगनबाड़ी कार्यकताओं को भोजन कराकर कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से सत्येंद्र आरपी वह योगेश एआरपी ने किया अंत में खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दूसरे नोटिस के बाद जीआरएम (GRM) प्रबंधन पर लटकी एक्शन की तलवार

बरेली। नोटिस का ढाई माह बाद भी स्कूल प्रबंधन द्वारा जवाब नहीं दिए जाने पर अब सहायक रजिस्टार सोसाइटीज एंड फर्म्स बरेली द्वारा उसे दूसरा नोटिस भेजकर दस्तावेजों और साक्ष्यों सहित तलब किया गया है। एआर द्वारा दूसरा भी नोटिस जारी हो चुकने के बाद अब काली कमाई और दीगर गंभीर आरोपों में जीआरएम स्कूल प्रबंधन पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है और जिस कारण हड़कम्प मचा हुआ है। वही जीआरएम स्कूल प्रबंधक राजेश जौली सभी आरोप निराधार बता रहे हैं। शहर के नामी स्कूलों में गिना जाने वाला जीआरएम स्कूल अकूत काली कमाई के गंभीर आरोपों में फंसा हुआ है। पहले नोटिस का जवाब नहीं देने पर जिला सहायक निबंधक सोसाइटीज एंड फर्म्स द्वारा स्कूल प्रबंधन को अब दूसरा नोटिस भेजा गया है। दूसरे नोटिस के बाद जीआरएम प्रबंधन पर लटकी एक्शन की तलवार बताते चलें कि कुछ माह पहले मुख्यमंत्री समेत प्रदेश के तमाम आला अफसरों को शिकायतीपत्र भेजा था। आरोप थे कि गुलाबराय मांटेसरी स्कूल (जीआरएम) प्रबंधन ने नियमों को ताख पर रखकर हिंदू सेवा सोशल ट्रस्ट के ग्राउंड को अपना प्ले ग्राउंड दशार्ते हुए मान्यता ली थी। प्रवेश शुल्क और शिक्षण शुल्क की मदों में भी शासन की वर्ष 2018 की स्पष्ट गाइडलाइंस को ठेंगा दिखाते हुए निर्धारित से काफी ज्यादा रकम वसूली गई। इस काली कमाई को छुपाने समेत और भी कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। दावा किया गया था कि स्कूल की कमाई और खर्चों में बहुत बड़ा अन्तर है। शिकायतीपत्र की प्रतियां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रमुख सचिव तथा महानिदेशक (बेसिक शिक्षा) एवं रजिस्ट्रार सोसाइटीज एंड फंडस को शिकायतीपत्र भेजी गई थीं और शिक्षा के नाम पर चलाए जा रहे इस पूरे गोरखधंधे की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराने की पुरजोर मांग भी की गई थी। एडमीशन के नाम पर प्रति छात्र 30 हजार से 50 हजार रुपये तक वसूली करने और ट्यूशन फीस के नाम पर हर तिमाही प्रति छात्र नौ हजार से पंद्रह हजार रुपये तक उगाही का भी आरोप लगाया गया था। आरोप यह भी था कि इस भारी भरकम वसूली का 40 फीसदी से भी कम स्कूल के रखरखाव, शिक्षकों और कर्मचारियों पर खर्च किया जाता है। एनसीआरटी की कुछेक किताबें ही कोर्स में लगाये जाने की बात भी कही गई थी। शिकायतीपत्र में उक्त संस्था का किसी निष्पक्ष सरकारी एजेंसी से ऑडिट कराने पर खास जोर था। पूछा था कि स्कूल शिक्षा समिति के पंजीकरण के समय क्या उद्देश्य थे और उनमें से कितने पूरे हो पाए हैं? यह भी पूछा था कि डोहरा रोड स्कूल शाखा की स्थापना पर कितनी धनराशि खर्च हुई और यह धन संस्था के पास आया कहां से था? स्कूल की दोनों शाखाओं के बैंक खातों का भी ऑडिट करवाने की मांग की गई है। आपको बता दें कि कई बड़े स्कूल अपनी कमाई छुपाने के लिए पैसा किसी सोसायटी या ट्रस्ट के खाते में ट्रांसफर करते हैं, लेकिन रिटर्न में उस आमदनी को नहीं दिखाते। जानकार बताते हैं कि स्कूल चलाने वाली संस्थाएं नो प्रॉफिट नो लॉस पर सेवा के उद्देश्य से संस्थाओं का संचालन करती हैं, लेकिन काली हकीकत इसके एकदम उलट होती है।

संक्षिप्त डायरी

अमन का पैगाम देने देवरनियां और रिछा कस्बों मे अर्ध सैनिक बलों के साथ पुलिस ने किया फ्लैग मार्च।

देवरनियां। नागरिक संसोधन बिल (सीए) के लागू होने के बाद त्यौहार और चुनाव मे अमन कायम रखने को मुस्लिम बहुल्य कस्बों देवरनियां और रिछा मे फ्लैग मार्च किया गया। शुक्रवार को रमजान माह का और सीए लागू होने के बाद पहला जुमा था,इसलिए पुलिस- प्रशासन सर्तक रहा। इसी को लेकर और आगामी त्यौहार होली,ईद और चुनाव मे शांति बनी रहने के लिए मुस्लिम बहुल्य कस्बा देवरनियां, मुंडिया जागीर और रिछा मे सीओ बहेडी अरुण कुमार की अगुवाई मे अर्ध सैनिक बलो के साथ पुलिस बल ने फ्लैग मार्च कर शांति का संदेश दिया। फ्लैग मार्च के दौरान डोन कैमरे से निगरानी भी हुई। और धार्मिक स्थल भी देखे गये।इस दौरान इंस्पेक्टर देवरनियां देवेंद्र सिंह धामा,रिछा चौकी इंचार्ज श्रीष चन्द्र यादव भी मौजूद रहे।

छह और सात साल के भाई-बहन ने रखा पहला रोजा।

रिछा। कस्बा रिछा मे मस्जिद कादरी के खतीबे इमाम मुफ्ती शमशाददुल कादरी के छह साल के बेटे सोबान गजाली और सात साल की बेटी मदीहा नूरी ने शुक्रवार को रमजान माह के पहले जुमे को अपने ऊपर रोजे फर्ज (जरुरी) न होने के बावजूद भी पहला रोजा रखा। दोनों ने न केबल रोजा रखा बल्कि कुरान अजीम की तीलाबत की और नमाज पढी। इस दौरान उन्होंने मुल्क और कौम के लिए अमन-चैन की दुआ की। रोजे फर्ज(जरुरी) न होने पर भी इतनी कम उम्र मे रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करने के मदीहा नूरी के हौसले की सभी ने सरहाना की। इस्लाम धर्म मे पन्द्रह साल के बच्चे को बालिग माना जाता,और तभी उसपर रोजे फर्ज होते हैं।

ज्ञान प्रकाश फाउंडेशन ने मनाई मान्यवर काशीराम जी की जयंती

अमरोहा। ज्ञान प्रकाश फाउंडेशन ने शुक्रवार को मान्यवर काशीराम जी की जयंती मनाई। फाउंडेशन पदाधिकारियों ने कांशीराम जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा कि मान्यवर कांशीराम जी ने लोगों के लिए सामाजिक न्याय की अगुवाई की। वह राजनीतिक, सामाजिक क्रांति की न बुझने वाली मशाल थे। उन्होंने तमाम बाधाओं के बावजूद अपना आत्मविश्वास नहीं खोया। उन्होंने दलितों के हो रहे उत्पीड़न का भी डटकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को कांशीराम जी के जीवन से सीख लेकर उनके पदचिन्हों पर चलने का काम करें। इस दौरान राजेश कुमार, हनी उर्फ राजीव प्रकाश, पं0 देवेश शर्मा, पं0 मयंक शर्मा, प्रेमपाल सिंह, अमूल, हर्ष, अनमोल आदि लोग मौजूद रहे।

बरेली में कायस्थ चेतना मंच का वैवाहिक परिचय सम्मेलन रविवार को

बरेली। कायस्थ चेतना मंच,बरेली का 14वां चित्रांश समागम/कायस्थ वैवाहिक परिचय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह रविवार 17 मार्च 2024 को प्रातः 10 बजे से मनोहर भूषण इण्टर कॉलेज, बरेली के प्रांगण में होगा। उपजा प्रेस क्लब में इस सन्दर्भ में एक प्रेस वार्ता में कायस्थ चेतना मंच के अध्यक्ष संजय सक्सेना ने बताया कि 17 मार्च का यह कार्यक्रम युवा पीढ़ी को समर्पित होगा। इसक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वन्य एवं पर्यावरण राज्य मंत्री डॉ अरुण कुमार, बरेली सांसद संतोष कुमार गंगवार एवं आंवला सांसद धर्मेन्द्र कश्यप रहेंगे। कार्यक्रम में इनके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप मे रामपुर विधायक आकाश सक्सेना, बिधरी चैनपुर विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, विधान परिषद सदस्य जयपाल सिंह व्यस्त, बरेली महापौर उमेश गौतम, एडिशनल कमिशनर पुलिस (उ. प्र.) श्रीमती कल्पना सक्सेना, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल कुमार एडवोकेट, कैण्ट विधायक संजीव अग्रवाल, विधान परिषद सदस्य महाराज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रश्मि पटेल, गोरखपुर की महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, रोटरी के गवर्नर सी. ए. राजन विद्यार्थी रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कायस्थ चेतना मंच के सरंक्षक डॉ. पवन सक्सेना करेंगे। प्रेस वार्ता में पवन सक्सेना ने बताया कि परिचय सम्मेलन के साथ-साथ समाज के उन लोगों को भी सम्मानित किया जायेगा जिन्होंने अपने अपने कार्य क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि इस वैवाहिक परिचय सम्मेलन में रिश्ता तय होने पर जो परिवार महासभा द्वारा आगे चलकर सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विवाह करना चाहते हैं, उनके लिए आगे कार्यक्रम भी किया जायेगा। चेतना मंच की महिला अध्यक्ष रचना सक्सेना ने बताया कि वैवाहिक परिचय सम्मेलन विशेषकर महिलाओं के लिए बहुत महत्व होता है क्योंकि घर में एक अच्छा रिश्ता जोड़ ने के लिए महिलाओं की महती भूमिका होती है इस कार्यक्रम में कई साँस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं जिसमें सभी को वहीं अपना परिचय देकर अपना जीवनसाथी चुनने का अवसर प्राप्त होगा। फिलहाल अभी तक 615 बायोडाटा इकट्ठे हो चुके हैं जिसमें से 8 रिश्ते तय भी हो गये हैं। प्रेस वार्ता में महामंत्री अमित सक्सेना डॉ पूजा सक्सेना, निर्भय सक्सेना, चमन सक्सेना, बी के सक्सेना, अनीता मुकेश, रचना सक्सेना, मीरा मोहन, सुधीर मोहन, राजीव सक्सेना, विकास सक्सेना, सचिन श्याम भारतीय आदि उपस्थित रहे।

दो दलों की कहानी

अपने सहयोगी दलों के साथ 400 सीटें जीतने के लक्ष्य का एलान करके आगामी आम चुनाव के लिए अपना दांव ऊंचा रखने के बाद, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को पुनर्जीवित करने के वास्ते देश भर में राजनीतिक साझेदारों को जुटा रही है। जिस तत्परता के साथ भाजपा सहयोगियों को अपने साथ जोड़ रही है, उसी तरह 2023 के मध्य में क्षितिज पर उभरने वाले विपक्षी दलों के काल्पनिक गठबंधन, अगर उसने वाकई कभी कोई ठोस शक्ल ली हो तो, की गुत्थियां भी सुलझ रही हैं। भाजपा ने चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी के साथ गठबंधन करने का एलान किया है। तेलुगू देशम पार्टी आंध्र प्रदेश के लिए किये गये वादों के अधूरे रहने के मुद्दे पर 2018 में भाजपा से अलग हो गई थी। श्री नायडू ने आहिस्ता-आहिस्ता खुद को विपक्ष से दूर कर एनडीए में वापसी की राह बना ली है। भाजपा ओडिशा में बीजू जनता दल के साथ 1998-2009 के दौरान बने अपने गठबंधन को पुनर्जीवित करने की पुरजोर कोशिश कर रही है। अकाली दल को किसानों के आंदोलन के खत्म होने का इंतजार है ताकि वह संभावित रूप से एनडीए खेमे में वापस लौटने का अपना अगला कदम उठा सके। तमिलनाडु में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम को वापस एनडीए के पाले में लाने की कोशिशें जारी हैं। हाल के तमाम उलट-पलटों में सबसे उल्लेखनीय बदलाव जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का है, जो बीते महीनों में अपनी हार के लिए भाजपा को कसूरवार ठहराने के बाद अब केंद्र की सत्ता में उसे लगातार तीसरी बार बिठाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। उधर तुलनात्मक रूप से, विपक्षी खेमे में कायम अव्यवस्था पूरी तरह साफ है क्योंकि पार्टियां और मुख्तलिफ नेता उछलकर भाजपा की गाड़ी में सवार हो रहे हैं। कमजोर इंडिया ब्लॉक को तृणमूल कांग्रेस जैसे सहयोगियों के साथ पटरी बिठाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। कांग्रेस के साथ हफ्तों की बातचीत के बाद, तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल की सभी 42 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों का एलान कर दिया और प्रमुख विपक्षी दल के लिए कुछ भी नहीं छोड़ा। जले पर नमक छिड़कते हुए, ममता बनर्जी ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी के खिलाफ बहरामपुर से क्रिकेटर यूसुफ पठान को मैदान में उतार दिया है। महाराष्ट्र में, शिवसेना (यूबीटी) ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस के साथ अपने गठबंधन को खतरे में डालते हुए एकतरफा कुछ उम्मीदवारों की घोषणा की है। केरल में, राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता के दो प्रमुख पैरोकार वामपंथी दल और कांग्रेस आमने-सामने होंगे। यह आम विरोधाभास इस बार और भी गहरा है, क्योंकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सीपीआई की नेता एनी राजा वायनाड में एक झ दूसरे के खिलाफ ताल ठोंक रहे हैं। यह कोई संयोग नहीं है कि भाजपा के साथ भले ही खुले तौर पर हाथ नहीं मिलाने वाले लेकिन असल में उसके मनमाफिक रवैया दिखाने वाले कई नेता और दल केंद्रीय एजेंसियों की जांच का सामना कर रहे हैं।

न कानून, ना ही फर्ज

रूस-यूक्रेन संघर्ष में दूसरे भारतीय की मौत, जिसकी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है, यह बताती है कि रूसी सेना के लिए काम करने के वास्ते लुभाये गये भारतीयों को क्या कुछ भुगतना पड़ रहा है। युद्ध के मोर्चों पर फंसे दर्जनों भारतीयों की कहानी ने जिसका खुलासा द हिंदू की रिपोर्टों की एक श्रृंखला में किया गया था झ इस हफ्ते सरकारी एजेंसियों को भारत में भर्ती करनेवालों पर कार्रवाई के लिए बाध्य किया। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने देश भर में वीजा रिक्रूटरों पर छापामारी की तथा उनके खिलाफ मानव तस्करी और रूस की यात्रा के सिलसिले में लोगों (जिन्हें रूस में जबरन खतरनाक नौकरियों में धकेला गया) को झांसा देने के लिए मामले दर्ज किये। इनमें से कई लोगों को उन ऑनलाइन वीडियो विज्ञापनों के जरिए झांसा दिया गया जिनमें मोर्चे से दूर, सेना में जोखिमरहित नौकरियों का वादा किया गया था, यहां तक कि पड़ोसी यूरोपीय शेंगेन राष्ट्रों में ज्यादा फायदेमंद नौकरियों का संकेत भी दिया गया था। अब विदेश मंत्रालय ने ऐसी पेशकश के जाल में नहीं फंसने के लिए परामर्श व बयान जारी किये हैं। ताजा कब्जे वाले क्षेत्रों में रूस और यूक्रेन के बीच मोर्चे पर सीधी लड़ाई के गवाह बने इलाकों में तैनात भारतीयों के वीडियो सामने आने के बाद, सरकार और साथ ही मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि वे भारतीयों को घर लाने की खातिर उनकी समय-पूर्व कार्यमुक्ति के लिए रूसी सेना से बात कर रहे हैं। सरकार की कार्रवाई में काफी देर हुई है। यह सूरत और हैदराबाद के उन दोनों युवकों के परिवार को ज्यादा ढांढस नहीं बंधाती जिनके शव अभी तक स्वदेश नहीं भेजे गये हैं। कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सबसे आश्चर्यजनक है कि सरकार ने सेना की नौकरियों के लिए रूसी पेशकश के खतरों के बारे में अब मुंह खोला है, जबकि यह साफ है कि ये ऑनलाइन विज्ञापन व भर्तियां महीनों से चल रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार इस मसले से तब बाखबर हुई है जब हैदराबाद के एक सांसद ने जनवरी में विदेश मंत्रालय को पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के कुछ व्यक्तियों को वापस लाने में मदद मांगी। तब से, अधिकारियों ने पहले ही खतरनाक क्षेत्रों तक पहुंच चुके भारतीयों की संख्या को लेकर अस्पष्ट विवरण दिये हैं। अब, सीबीआई छापों के बाद, उन्होंने कम से कम 35 व्यक्तियों की पहचान की है।

यादें सुकुमार सेन और टी.एन. शेषन की

ANALYSIS

आर.के. सिन्हा

लोकसभा चुनाव को सफलता पूर्वक करवाने की जिम्मेदारी डेढ़ करोड़ सरकारी अफसरों पर होगी। करीब सवा करोड़ मतदान केन्द्रों में जाकर मतदाता देश के 543 लोकसभा सांसदों का चुनाव करेंगे। यह सब आंकड़े गवाह हैं कि भारत से बड़ा और व्यापक संसदीय चुनाव विश्व भर में कहीं और नहीं होता। बहरहाल, भारत में अब तक लोकसभा के 17 चुनाव हो चुके हैं। पहली लोकसभा के चुनाव 25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952 के बीच कराए गए थे। उस समय लोकसभा में कुल 489 सीटें थीं। लेकिन, संसदीय क्षेत्रों की संख्या 401 थी। लोकसभा की 314 संसदीय सीटें ऐसी थीं जहां से सिर्फ एक-एक प्रतिनिधि चुने जाने थे। वहीं 86 संसदीय सीटें ऐसी थी जिनमें दो-दो लोगों को सांसद चुना जाना था। वहीं नॉर्थ बंगाल संसदीय क्षेत्र से तीन सांसद चुने गए थे। किसी संसदीय क्षेत्र में एक से अधिक सदस्य चुनने की यह व्यवस्था 1957 तक जारी रही। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के सामने कांग्रेस के नेतृत्व वाला आई.एन.डी.आई.ए. के नाम से कई राजनीतिक दलों का एक समूह होगा। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि दो महत्वपूर्ण क्षेत्रीय दल,ओडिशा में बीजद और पंजाब में अकाली दल अकेले ही चुनाव लड़ेंगे।

एक बार फिर देश लोकसभा चुनाव के लिए तैयार है। लोकसभा चुनाव की घोषणा अब कभी भी हो सकती है। देश में चारों तरफ लोकसभा चुनाव का माहौल बनता ही चला जा रहा है। वास्तव में यह भारतीय लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण और खासमखास उत्सव भी है। इस उत्सव में इस बार 86 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। इनमें 47 करोड़ महिला वोटर होंगी। इस उत्सव में देश के 28 राज्य और नौ केंद्र शासित शामिल होंगे। लोकसभा चुनाव को सफलता पूर्वक करवाने की जिम्मेदारी डेढ़ करोड़ सरकारी अफसरों पर होगी। करीब सवा करोड़ मतदान केन्द्रों में जाकर मतदाता देश के 543 लोकसभा सांसदों का चुनाव करेंगे। यह सब आंकड़े गवाह हैं कि भारत से बड़ा और व्यापक संसदीय चुनाव विश्व भर में कहीं और नहीं होता। बहरहाल, भारत में अब तक लोकसभा के 17 चुनाव हो चुके हैं। पहली लोकसभा के चुनाव 25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952 के बीच कराए गए थे। उस समय लोकसभा में कुल 489 सीटें थीं। लेकिन, संसदीय क्षेत्रों की संख्या 401 थी। लोकसभा की 314 संसदीय सीटें ऐसी थीं जहां से सिर्फ एक-एक प्रतिनिधि चुने जाने थे। वहीं 86 संसदीय सीटें ऐसी थी जिनमें दो-दो लोगों को सांसद चुना जाना था। वहीं नॉर्थ बंगाल संसदीय क्षेत्र से तीन सांसद चुने गए थे। किसी संसदीय क्षेत्र में एक से अधिक सदस्य चुनने की यह व्यवस्था 1957 तक जारी रही। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के सामने कांग्रेस के नेतृत्व वाला आई.एन.डी.आई.ए. के नाम से कई राजनीतिक दलों का एक समूह होगा। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि दो महत्वपूर्ण क्षेत्रीय दल,ओडिशा में बीजद और पंजाब में अकाली दल अकेले ही चुनाव लड़ेंगे। बहरहाल, हर बार की तरह से चुनाव कराने की जिम्मेदारी रिटर्निंग अधिकारियों की होगी। हरेक संसदीय क्षेत्र के लिए एक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त होता है। आमतौर पर, जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) अपने जिले के एक या एक से अधिक संसदीय क्षेत्रों के लिये रिटर्निंग ऑफिसर होता है। लेकिन, बहुत से ऐसे संसदीय क्षेत्र ऐसे भी होते हैं जो दो या तीन छोटे जिले में बंटे होते हैं, जिनमें रिटर्निंग ऑफिसर पड़ोसी जिले से भी नियुक्त हो सकता है। फिर, चुनाव पर पर्यवेक्षकों की नजर भी रहती है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस के लाखों कर्मियों के साथ-साथ स्थानीय पुलिस मिलकर चुनाव की प्रक्रिया को पूरा करवाते हैं। अगर हम इतिहास के पन्नों को खंगाले तो पाते हैं कि संविधान सभा ने नवंबर 1949 में देश चुनाव आयोग की स्थापना को अधिसूचित किया था, और अगले वर्ष मार्च में, भारतीय सिविल सेवा (आईसीएस) के अफसर श्री सुकुमार सेन को भारत का पहला मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया। वे पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्य सचिव रहे थे। सुकुमार सेन की ही देखरेख में देश का पहला लोकसभा चुनाव संपन्न हुआ था। वे 21 मार्च 1950 से 19 दिसंबर 1958 तक भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त रहे। उन्होंने ही स्वतंत्र भारत के पहले दो आम चुनाव, 1951-52 और 1957 को सम्पन्न करवाया था। उन्होंने 1953 में सूडान में पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में भी कार्य किया था। उनकी शिक्षा प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता और लंदन विश्वविद्यालय में हुई थी। बाद में उन्हें गणित में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। 1921 में सेन भारतीय सिविल सेवा में शामिल हुए और एक आईसीएस अधिकारी और न्यायाधीश के रूप में विभिन्न जिलों में कार्य किया। 1947 में उन्हें पश्चिम बंगाल का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। पहले आम चुनाव में 21 या उससे अधिक उम्र के करीब 18 करोड़ मतदाता थे पूरे देश में। इनमें से लगभग 85 प्रतिशत पढ़ या लिख नहीं सकते थे। प्रत्येक मतदाता की पहचान, नाम और पंजीकरण किया जाना था। मतदाताओं का यह पंजीकरण महज पहला कदम था। फिर, मतदान केंद्रों को उचित दूरी पर बनाया जाना था और ईमानदार और कुशल मतदान अधिकारियों की भर्ती की जानी थी। यह सब काम सुकुमार सेन के नेतृत्व में चुनाव आयोग कर रहा था। इस बीच, 24 फरवरी और 14 मार्च 1957 के बीच हुए दूसरे चुनाव के दौरान भी सुकुमार सेन मुख्य चुनाव आयुक्त बने रहे। लोकसभा के दूसरे चुनाव में बिहार के बेगूसराय जिले में बूथ कैप्चरिंग की पहली घटना भी देखी गई। यह भूमिहार बहुल बेल्ट थी और इस क्षेत्र में कम्युनिस्ट पार्टी का गढ़ भी माना जाता था। हालांकि 1989 में ही 'बूथ कैप्चरिंग' शब्द को औपचारिक रूप से परिभाषित किया गया था और इसके लिए दंड भी निर्धारित किए गए थे। 1970 और 1980 के दशक तक बूथ कैप्चरिंग उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में काफी प्रचलित हो गई थी, हालांकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने 'बूथ प्रबंधन' नामक एक चीज का अभ्यास किया था, जिसमें इनके कैडर के कार्यकर्ता एक लाइन में खड़े होकर मतदान करते थे। यह मानना होगा कि पहले चुनाव आयुक्त के रूप में जिस परंपरा को सुकुमार सेन ने शुरू किया था उसे आगे लेकर जाने वाले कुशल चुनाव आयुक्तों में टी.एन.शेषन ने सबसे अग्रणी भूमिका निभाई। आज भी बुद्धिजीवी समाज वाले तो यही कहते हैं कि अगर टी. एन. शेषन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त न बनते, तो देश में चुनाव के नाम पर धोखाधड़ी और धांधली का आलम जारी ही रहता। उन्होंने 1990 के दशक में चुनाव आयोग के प्रमुख पद पर रहते हुए चुनाव सुधारों को सख्ती से लागू करने का अभियान शुरू किया। देश को उनके द्वारा किए महान कार्यों की जानकारी तो होनी ही चाहिए। शेषन ने उन गुंडा तत्वों पर ऐसी चाबुक चलाई , जिसने धन और बल के सहारे सियासत करने वालों को जमीन पर उतारकर पैदल कर दिया गया था। शेषन ने अपने साथियों में यह विश्वास जगाया कि उन्हें चुनाव की सारी प्रक्रिया को ईमानदारी से अंजाम देना चाहिए। उनसे पहले के कुछ चुनाव आयुक्तों पर आरोप लगते रहते थे कि वे पूरी तरह से सरकार के इशारों पर ही चुनाव करवाते हैं। वे कभी इस बात पर जोर भी नहीं देते थे कि चुनाव तटस्थ तरीके से हो। वे सत्तासीन पार्टी के एजेंट मात्र बन कर रह जाते थे। वे कभी चुनाव सुधारों की ओर गंभीर तक नहीं रहे। एक तरह से कहें कि चुनाव आयुक्त का पद शासक वर्ग के चहेते रिटायर होने वाले किसी सचिव को तीन साल तक का पुनर्वास का कार्यक्रम बनकर रह गया था। शेषन ने एक नई परंपरा की शुरूआत की थी। उन्होंने साबित किया था कि इस सिस्टम में रहते हुए भी बहुत कुछ सकारात्मक किया जा सकता है। वे अपने दफ्तर में बैठकर काम करने वाले अफसर नहीं थे। वे चाहते थे कि चुनाव सुधार करके भारत के लोकतंत्र को मजबूत किया जाए। शेषन ने अपने लिए एक कठिन और कठोर राह को पकड़ा। उन्होंने चुनाव सुधार का ऐतिहासिक कार्य करके विश्व भर में नाम कमाया। उन्होंने देश को जगाने के उद्देश्य से 1994 से 1996 के बीच चुनाव सुधारों पर देश भर में सैकड़ों जनसभाओं को भी संबोधित किया। अब जबकि देश आगामी लोकसभा चुनाव के लिए तैयार है तो सुकुमार सेन जी और टी.एन. शेषन साहब का स्मरण करना भी जरूरी हो गया है।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

मानवता की तबाही की कीमत पर कमाई

युद्ध हमेशा विनाश लाते हैं। इससे हमेशा मानवता का विनाश हुआ है। हर युद्ध अपने पीछे भयावह चिह्न छोड़ जाता है। भारत की भी नीति वसुधैव कुटुंबकम की रही है, लेकिन अमेरिका और यूरोपीय संघ की रणनीति यह रही है कि विश्व में युद्ध चलते रहने चाहिए। संभवतः यही कारण है कि रूस-यूक्रेन युद्ध को दो वर्ष से अधिक समय हो चुका है। वहीं हमास और इजराइल के बीच युद्ध छिड़े हुए लगभग पांच महीने का समय गुजर चुका है, लेकिन इनका कोई अंत दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध और हमास-इजराइल युद्ध मानवता के लिए बरबादी का सबब हैं, जबकि अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और कई यूरोपीय देशों के लिए ये कमाई का साधन बन गए हैं। संपूर्ण विश्व में युद्ध चलता रहे, अमेरिका व पश्चिमी देशों के लिए यह फायदे की बात है। तीन वर्ष बीत जाने के बावजूद रूस-यूक्रेन युद्ध शांत नहीं हुआ। हमास के लड़ाकों ने 7 अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमला किया था। उसके बाद इजराइल ने हमास के ठिकाने वाली गाजा पट्टी पर ताबड़तोड़ हमले कर एक हिस्से को तो बकायदा कब्रिस्तान में तब्दील कर दिया। गौरतलब है कि यूक्रेन-रूस युद्ध को दो वर्ष से अधिक हो चुके हैं। परंतु इस युद्ध को रोकने के लिए न तो अमेरिका और न ही रूस गंभीर है। अहम सवाल यह है कि क्या कारण है, जिसके चलते ये देश युद्ध खत्म नहीं करना चाहते? वे इन युद्धों को लंबा क्यों खींचना चाहते हैं? क्या उन्हें इन युद्धों में मारे जाने वाले लोगों और इससे होने वाली क्षति की कोई चिंता नहीं है? इसके पीछे उनकी क्या मंशा है? सर्वविदित है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में हजारों लोगों की जान चली गई और बड़े पैमाने पर विनाश हुआ, फिर भी युद्ध का कोई अंत नहीं दिख रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि इस युद्ध से रूस की सेना की जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा बनी हुई थी, वह भी प्रभावित हुई है। दो वर्ष के लंबे संघर्ष के बावजूद रूस अब तक यूक्रेन के केवल 17 फीसदी हिस्से पर ही कब्जा कर सका है। इसी तरीके से देखा जाए तो हमास और इजराइल के बीच चलने वाला युद्ध भी अंतहीन लग रहा है, क्योंकि एक ओर जहां अमेरिका और नाटो देश इजराइल के साथ खड़े हैं। वहीं दूसरी ओर हमास के समर्थन में कई अरब देश हैं। ऐसे में दोनों पक्षों के बीच हथियारों का प्रयोग एवं प्रदर्शन जमकर हो रहा है। वास्तव में हमले के एक वर्ष बाद अमेरिका और रूस ने अपने सैन्य हथियारों का परीक्षण एवं प्रदर्शन करने के लिए युद्ध क्षेत्रों का उपयोग किया। ऐसा लगता है, मानो दोनों पक्ष अपने हथियारों की बिक्री और प्रदर्शन करना चाहते हैं। ध्यातव्य है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जनरल आइजनहावर ने स्वीकार किया था कि अमेरिका एक सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान है। यूक्रेन युद्ध और गाजा पट्टी पर इजराइल का हमला इस बात के ताजा उदाहरण हैं। उन्होंने यह भी कहा कि युद्धविराम के जरिये समझौता किया जा सकता था, लेकिन अमेरिका और यूरोपीय संघ के निहितार्थों ने इस होने नहीं दिया। वर्ष 2023 में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन एवं ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने एक संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा था, 'यदि आप रूस के आक्रमण से निपटने के लिए यूक्रेन की रक्षा में हमारे द्वारा किए गए निवेश को देखें, तो हमने जो सुरक्षा सहायता प्रदान की है, उसका 90 फीसदी वास्तव में अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग एवं प्रोडक्सन पर खर्च किया गया है। इसी का नतीजा है कि अमेरिका में रोजगार के अवसर पैदा हुए और अर्थव्यवस्था का ज्यादा विकास हुआ। यह हमारे लिए फायदे का सौदा है, जिसे हमें जारी रखने की जरूरत है।' अमेरिका की विदेश नीति पर नजर डाली जाए तो पता चलता है कि हथियार हस्तांतरण और रक्षा व्यापार अमेरिकी विदेश नीति के महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। अमेरिका के विदेश विभाग के अनुसार, अमेरिकी सरकार ने 80 अरब डॉलर से अधिक की सैन्य सामग्री की बिक्री के लिए सीधे सौदा किया। यह सौदा वर्ष 2022 से 56 प्रतिशत अधिक है। यूक्रेन के विदेशमंत्री दिमित्रो इवानोविच कुलेबा ने हाल ही में एक बयान में कहा कि प्रतिदिन युद्ध की लागत 13.6 करोड़ डॉलर है। अमेरिकी हथियारों की विदेशों में बिक्री पिछले साल तेजी से बढ़ी, जो रिकॉर्ड कुल 238 अरब डॉलर तक पहुंच गई, क्योंकि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण ने हथियारों की मांग बढ़ा दी। यूक्रेन पर रूसी हमला शुरू होने के बाद से अमेरिका 113 अरब डॉलर और यूरोपीय संघ ने यूक्रेन को 91 अरब डॉलर सैन्य और वित्तीय सहायता प्रदान की। अमेरिकी समाचार एजेंसी पोलिटिको ने दावा किया है कि 'व्हाइट हाउस' चुपचाप दोनों दलों-डेमोक्रेट एवं रिपब्लिकन के सांसदों से आग्रह करता है कि वे घरेलू आर्थिक समृद्धि के लिए अन्य देशों में युद्धों को बढ़ावा दें। दोनों दलों के नेता रूस का प्रतिरोध करने के लिए यूक्रेन को सहायता देने का समर्थन करते रहे हैं, ताकि यह साबित किया जा सके कि ऐसा करना अमेरिका में रोजगार सृजन के लिए अच्छा है। यहां तक कि यह काम कुछ मीडिया घराने भी करते हैं। बड़े रक्षा निगमों के शीर्ष अधिकारियों की शक्तिशाली पदों पर बैठे अमेरिकी राजनेताओं के साथ गहरी सांठगांठ है। वास्तविकता तो यह है कि अमेरिकी सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान के समर्थक पूरे सरकारी और अर्ध-सरकारी तंत्र में पैठ बनाए हुए हैं। लॉबिस्ट राजनेताओं के साथ सावधानीपूर्वक मिलीभगत करते हैं। बड़ी रक्षा कंपनियां, थिंक टैंक और अन्य संबद्ध संस्थानों के संरक्षक की भूमिका में होते हैं। ये ऐसे लोग हैं जो हथियार विक्रेताओं के लिए एजेंडा सेटिंग का काम करते हैं। यूक्रेन युद्ध में अमेरिका रूसी रक्षा उद्योग को पूरी तरह से विफल होता देखना चाहता है। वह विश्व में रूसी हथियार निमार्ताओं को निकृष्ट साबित कर उनको निर्यात से मिलने वाले धन से वंचित करना चाहता है। लेकिन, यह कितनी अजीबो गरीब बात है कि युद्ध जो लगातार मानवता का विनाश कर रहे हैं। विभिन्न देशों के आधारभूत ढांचे को तबाह कर रहे हैं। हजारों लोगों की जान जा रही है लेकिन अमेरिका और यूरीपीय संघ के देश तबाही की कीमत पर अपने देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का काम कर रहे हैं। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि विश्व शांति के लिए गठित संयुक्त राष्ट्र संघ क्या कर रहा है? क्या ऐसे ही विनाश होता रहेगा और संयुक्त राष्ट्र संघ मौन बना रहेगा?

Social Media Corner

सच के हक में...

इंडी गठबंधन जहां देशविरोधी एजेंडे में लगा हुआ है, वहीं हम जन-कल्याण से राष्ट्र-कल्याण के संकल्प के साथ देश को आगे ले जाने में जुटे हैं।
अपने मित्र और भूटान के प्रधानमंत्री से मिलकर खुशी हुई। इस कार्यकाल में अपनी पहली विदेश यात्रा पर।
हमारी अनूठी और विशेष साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक चर्चा हुई। मैं भूटान के महामहिम राजा को हृदय से धन्यवाद देता हूं। मुझे अगले सप्ताह भूटान यात्रा के लिए आमंत्रित करने के लिए।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जेपीएससी, झारखंड सरकार के दबाव में राज्य के लाखों छात्रों का भविष्य खतरे में डाल रही है। प्रतियोगी परीक्षा से पहले छात्रों को फॉर्म में संशोधन करने का, तैयारी का, आवागमन के लिए सुविधाजनक प्रबंध करने का उपयुक्त समय दिया जाता है लेकिन इस बार जेपीएससी की जल्दीबाजी छात्रों के लिए घातक साबित हो रही है। छात्र असमंजस में फंसे हैं। पिछले साढ़े 4 सालों से सुस्त रहने वाली जेपीएससी के द्वारा इतनी जल्दीबाजी क्यों दिखाई जा रही है? कहीं जेएसएससी-सीजीएल की तरह झारखंड के छात्रों की नौकरी बेच कर झामुमो-कांग्रेस अपने चुनावी फंड का तो जुगाड़ नहीं कर रही! मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन जी, यदि युवाओं के साथ इस बार कोई साजिश हुई आपकी सरकार को ईंट से ईंट बजाकर सत्ता से बेदखल कर दिया जाएगा।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सूखा कर्नाटक और उसका जल संकट

कर्नाटक के जल संकट ने अब तक 7,000 से अधिक गांवों, 1,100 वार्डों और 220 तालुकाओं को अपने चपेट में ले लिया है। इस समस्या की जद में मांड्या और मैसूरु जिले भी आये हैं, जहां कावेरी नदी का एक बड़ा जलक्षेत्र और कृष्णराज सागर बांध स्थित हैं और ये दोनों बेंगलुरु के लिए पानी के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। भले ही राजधानी बेंगलुरु सुर्खियों में छाई हुई है, लेकिन इस संकट के प्रभाव व्यापक हैं। रिपोर्टों में बताया गया है कि मोटे तौर पर इस संकट का कारण 2022 में अधिशेष वर्षा के बाद पिछले साल हुई ह्यअपर्याप्तह्व वर्षा और इसके परिणामस्वरूप कावेरी की कम-पुनःपूर्ति है। कर्नाटक के लिए अनियमित बारिश कोई नई बात नहीं है। एक दशक पहले कॉफी एग्रो-फॉरेस्ट्री नेटवर्क (कैफ्नेट) परियोजना ने 60 साल के आंकड़ों का आकलन किया था और यह पाया था कि कोडागु में बारिश के मौसम में बीते तीन दशकों में दो सप्ताह की कमी आई है, जबकि वार्षिक वर्षा 12-14-साल के चक्र में कम होती दिख रही है। फिर भी, बेंगलुरु की तैयारी की कमी के चलते यह संकट अब एक आश्चर्य के रूप में सामने आया है। मजेदार यह है कि यह शहर देश की सबसे धनी शहरी नगर पालिकाओं में से एक है और यह कई शोध संस्थानों का केंद्र है। बेंगलुरु कावेरी और भूजल भंडारों से रोजाना लगभग 1,400 मिलियन लीटर पानी की खपत करता है। भूजल के पुनर्भरण की दर जहां बहुत कम है, वहीं कावेरी के जलस्तर पर पिछले साल की कम बारिश की वजह से काफी असर पड़ा है। ये कमी सिर्फ बेंगलुरु की मांग के बरक्स हैं। शहर के केंद्र से दूर स्थित इलाकों में तो हालत और भी बदतर है। यह विडंबनापूर्ण है क्योंकि इन क्षेत्रों को कावेरी से पाइप द्वारा पानी नहीं मिलता है और वे भूजल एवं पानी के टैंकरों पर निर्भर रहते हैं, जबकि इस शहर को दूरदराज के पानी के स्रोतों से से दूर हटाकर झीलों की अधिकता की ओर मोड़ने के लिए लंबे समय से 19वीं सदी तक डिजाइन किया गया था। मौसमी झीलें जहां कम हो गई हैं, वहीं कंक्रीटीकरण और सीवेज ने सदाबहार झीलों का गला घोंट दिया है। जलवायु परिवर्तन इस वक्त का एक बड़ा संकट है। यह अजीबोगरीब बदलावों को जन्म दे रहा है, जो विषम और कभी-कभी अपरिवर्तनीय नतीजों की ओर ले जाते हैं, जिससे तैयारी से गाफिल रहने वाली सरकारों को दशकों से चली आ रही दिक्कतों के प्रति त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। भले ही अनियमित बारिश का जलवायु परिवर्तन से कोई रिश्ता न हो, लेकिन यह परिघटना और ज्यादा अप्रत्याशित स्थिति होने का इशारा करती है। इस संदर्भ में, बेंगलुरु और अधिकांश भारतीय शहरों को कुछ खास उपलब्धि हासिल नहीं होगी अगर वे संकट की स्थिति में तात्कालिक उपाय करेंगे और संकट समाप्त होने के बाद दीर्घकालिक नजरिया अपनाना छोड़ देंगे। इस सदी में हुआ बेंगलुरु जैसा तेज विकास और अल्पकालिक नजरिया साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे दोहरे समाधानों की जरुरत है जो हर पांच साल में सरकार में होने वाले बदलाव से परे हों। एक ऐसी चक्रीय जल अर्थव्यवस्था की जरुरत है जो प्रत्येक लीटर की अधिकतम उपयोगिता को सुनिश्चित करे एवं बाहरी स्रोतों पर शहर की निर्भरता को कम करे। और, स्वच्छ एवं साफ-सुथरी कावेरी के लक्ष्य को भी नहीं भूलना होगा।

96वें अकादमी पुरस्कार

अकेडमी अवॉर्ड के 96वें संस्करण का सबसे जीवंत पल डोनाल्ड ट्रंप के सौजन्य से आया। समारोह के उद्घोषक जिमी किमेल को हॉलीवुड की इस सबसे बड़ी रात को चटकदार बनाने के लिए शायद आतिशबाजी की कमी महसूस हुई, क्योंकि इस बार न कोई थप्पड़ कांड था, न ही ऑस्कर-बाद की विविधता संबंधी बहस को खुराक देने के लिए नाटू नाटू का उन्मत्त नाच। किमेल ने इसकी भरपाई के लिए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की खिंचाई का दांव खेला। इससे पहले ट्रंप ने किमेल की उद्घोषणा शैली की आलोचना की थी। अंतिम पुरस्कार से चंद मिनट पहले, मंच से ट्रंप का पोस्ट पढ़ते हुए, किमेल ने शांत भाव से पलटवार किया, मैं हैरान हूं, क्या आपका जेल का समय बीत नहीं गया है? निष्पक्ष ढंग से बात करें तो, ऑस्कर नाइट के बारे में ट्रंप का वह चिढ़-भरा आकलन पूरी तरह गलत नहीं था जो अति-प्रत्याशित ढंग से सामने आया। दौड़ में सबसे आगे चल रही, क्रिस्टोफर नोलन की द्वितीय विश्वयुद्ध- कालीन कृति ओपेनहाइमर ने अपने 13 नामांकनों में से सात को जीत में बदला। इसमें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भी शामिल है, जो परमाणु बम के जनक जे. रॉबर्ट ओपेनहाइमर की भूमिका निभाने वाले सिलियन मर्फी को मिला। यकीनन यह नोलन के लिए एक गौरवशाली पल था, जिन्हें इससे पहले छह मौकों पर ऑस्कर के लिए नामांकित किया गया था। ऑस्कर से पहले, इस बात को लेकर थोड़ी चिंता थी कि हो सकता है ओपेनहाइमर अकेडमी के नये विविधता मानकों को पूरा नहीं कर पाए। शायद अकेडमी के वोटरों में पिछले साल की एक अन्य वैश्विक हिट के चौंधते गुलाबी रंग के मुकाबले ओपेनहाइमर के विषादपूर्ण छत्रक बादलों (परमाणु विस्फोट के समय बनने वाले मशरूम जैसे बादलों) का दबदबा रहा। ग्रेटा गेरविग की बार्बी को सिर्फ एक पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ मौलिक गीत) से संतोष करना पड़ा। इसके और नोलन की फिल्म के थिएटरों में आमने-सामने होने का खूब प्रचार हुआ था, जिसमें यह काफी आगे निकल गयी थी। अगर बगावती धार वाली कोई महिला-प्रधान और दृश्यात्मक रूप से नवोन्मेषी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म इस ऑस्कर में चमकी, तो वह बार्बी नहीं, बल्कि पुअर थिंग्स थी। योर्गोस लैंथिमोस की इस फिल्म ने अपने 11 नामांकनों में से चार को पुरस्कार में बदला।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

फरवरी में थोक महंगाई दर में मामूली परिवर्तन, चार महीने के निचले स्तर 0.20 प्रतिशत पर पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सालाना आधार पर फरवरी में चार महीने के निचले स्तर 0.20 प्रतिशत पर आ गई, जो जनवरी में 0.27 प्रतिशत थी। वाणिज्य मंत्रालय के गुरुवार को इसके आंकड़े जारी किए।

समीक्षाधीन महीने में आनुक्रमिक मूल्य सूचकांक में 0.07 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि इससे एक महीने पहले इसमें 0.33 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

फरवरी, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, मशीनरी और उपकरण और मोटर वाहनों, ट्रेलरों और सेमी-ट्रेलरों आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति फरवरी में 6.95 प्रतिशत थी। प्राथमिक वस्तुओं की मुद्रास्फीति फरवरी में बढ़कर 4.49 प्रतिशत रही जो इससे पूर्व महीने में 3.84 प्रतिशत थी।

कच्चे तेल की थोक कीमतों में इजाफा- कच्चे तेल की थोक मुद्रास्फीति फरवरी में 8.24 प्रतिशत बढ़ी। ईंधन और बिजली मुद्रास्फीति फरवरी में शून्य से 1.59 प्रतिशत नीचे रही जबकि जनवरी में इसमें शून्य से 0.51 प्रतिशत की गिरावट आई थी। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति फरवरी में शून्य से 1.27 प्रतिशत नीचे रही।

इस सप्ताह की शुरुआत में, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी किए गए थे, जिसमें बताया गया था कि यह जनवरी के 5.10 प्रतिशत की तुलना में फरवरी में वार्षिक आधार पर 5.09 प्रतिशत तक कम हो गया है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से यह आंकड़े जारी किए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

वैश्विक एकीकरण मापदंडों पर चीन से आगे निकल गया भारत

सेवा निर्यात में तेजी से तरक्की कर रहा देश

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजार में एकीकरण के संबंध में भारत दो प्रमुख मापदंडों जीडीपी अनुपात में निर्यात और सेवा निर्यात में चीन से आगे निकल गया है। डीएचएल ग्लोबल कनेक्टेडनेस रिपोर्ट के मुताबिक, जीडीपी की तुलना में भारत का निर्यात अनुपात 2021 के बाद से चीन से अधिक हो गया है।

निर्यात व आयात दोनों के लिए देश का सेवा व्यापार भी बहुत अधिक है। बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2021 व 2022 में जीडीपी के अनुपात में भारत का निर्यात और आयात तेजी से बढ़ा है। वस्तु-सेवा निर्यात जीडीपी का 23 फीसदी और आयातित वस्तुओं व सेवाओं का 26 फीसदी से अधिक रहा है।

देश का गेहूं भंडार 2018 के बाद पहली बार 100 लाख टन से नीचे

3.20 करोड़ टन तक पहुंच सकती है खरीद

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के गेहूं भंडार में इस साल तेज गिरावट हुई है। भारतीय खाद्य निगम यानी एफसीआई के पास रखे गेहूं का भंडार घटकर 97 लाख टन तक पहुंच गया है। साल 2018 के बाद पहली बार भंडार 100 लाख टन से नीचे पहुंचा है। यह गिरावट दो साल से सरकारी खरीद के सीमित रहने से देखने को मिली है। दूसरी ओर, चावल के भंडार भरे हुए हैं। एफसीआई के पास चावल बफर सीमा के दोगुना से ज्यादा है। बीते कुछ महीनों में सरकार ने कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए भंडार से गेहूं की खुले बाजार में बिक्री की थी। इससे भंडार में और कमी आ गई। 97 लाख टन के साथ ही मौजूदा गेहूं भंडार जरूरी सीमा से काफी ऊपर है। नियमों के मुताबिक सरकार के भंडार में पहली अप्रैल को 74.6 लाख टन गेहूं रहना चाहिए। गेहूं की खरीद का सीजन पहली मार्च से शुरू हो चुका है। इस साल सरकारी खरीद दो साल के मुकाबले ज्यादा रह सकती है। सरकार का अनुमान है कि इस साल गेहूं की खरीद 3.20 करोड़ टन तक पहुंच सकती है। दूसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस सीजन में गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.2 करोड़ टन रह सकता है। एक साल में सरकार ने गेहूं की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए कई बार में 90 लाख टन गेहूं बाजार में उतारा था।

टेलीविजन खरीदने के लिए जेब करनी पड़ेगी ज्यादा ढीली, अप्रैल से बढ़ने वाले हैं दाम!

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप नया टेलीविजन खरीदने का मन बना रहे हैं तो अब आपको जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है। टीवी का पैनल बनाने में इस्तेमाल होने वाले ओपन सेल के दाम बढ़ने के कारण कंपनियां टीवी के दाम में 10 फीसदी की बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं ताकि लागत का बोझ कुछ कम हो सके। महामारी के बाद से ही इंडस्ट्री को कीमतों में वृद्धि की समस्या का सामना करना पड़ रहा है और पिछले एक साल में ओपन सेल की कीमतें लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं।

अमित शाह बोले- तीन नई सहकारी समितियां कृषि से जुड़ी दिक्कतों को सुलझाएगी, किसानों की आय बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए जैविक खेती को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि सरकार ने आने वाले वर्षों में जैविक खाद्य वस्तुओं का निर्यात 10 गुना बढ़ाकर 70,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है।

सहकारिता मंत्री शाह नौरोजी नगर के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में तीन राष्ट्रीय स्तर की बहुराज्यीय सहकारी समितियों- भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल), नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) और नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड (एनसीईएल) के 31,000 वर्ग फुट क्षेत्र को कवर करने वाले नए कार्यालय भवन का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, इन समितियों का उद्देश्य देश में कृषि क्षेत्र की समस्याओं को दूर करके जैविक खाद्य पदार्थों समेत अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना है। ऐसा होने से किसानों की आय में वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान शाह ने रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करते हुए जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर

दिया। उन्होंने कहा, अगले पांच वर्षों में हर जिले में जैविक फार्म और उत्पादों को प्रमाणित करने के लिए एक प्रयोगशाला होगी। शाह ने कहा कि एनसीओएल देश में जैविक खेती को बढ़ावा देगी।

उन्होंने कहा कि वैश्विक जैविक उत्पादों का बाजार कुल 10 लाख करोड़ रुपये का है। भारत का जैविक उत्पादों का निर्यात केवल 7,000 करोड़ रुपये है। हम भारत के जैविक निर्यात को 70,000 करोड़ रुपये तक ले जाना चाहते हैं। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमने बीज सहकारी लिमिटेड के लिए 5 वर्ष में 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा टर्नओवर का लक्ष्य तय किया है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक कृषि उपज बाजार 2155 अरब डॉलर का है। इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 45 अरब डॉलर है। 2030 तक इसे 115 अरब डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि इन तीन समितियों के माध्यम से आने वाले दिनों में ऑर्गेनिक प्रोडक्ट, बीज संरक्षण और संवर्धन और एक्सपोर्ट के क्षेत्र में सभी खाई (गैप्स) को भरने में सफलता मिलेगी।

तीनों समितियां कृषि और संबंधित गतिविधियों से जुड़े लोगों के उत्थान को सुनिश्चित करेंगी और प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) के माध्यम से किसानों से कृषि उपज और बीज की खरीद करेंगी। इससे पैक्स को और मजबूती मिलेगी, क्योंकि इससे जुड़े किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य मिलेगा। समितियां यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से काम करेंगी कि शुद्ध अधिशेष (नेट सरप्लस) पर मुनाफा सीधे किसानों के खातों में जाए।

बैंक-बीमा से म्यूचुअल फंड तक में एक ही केवाईसी, एफएसडीसी का प्रस्ताव, समय और लागत को कम करने में मददगार

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक, बीमा से लेकर म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तीय क्षेत्रों में अब एक ही केवाईसी लागू हो सकता है। इससे विभिन्न वित्तीय क्षेत्रों के साथ जुड़ते समय बार-बार केवाईसी देने की जरूरत नहीं होगी। वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद यानी एफएसडीसी ने वित्तीय क्षेत्र में एक समान केवाईसी प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव दिया है।

अभी ग्राहकों को हर बार बैंक खाता खोलने, म्यूचुअल फंड या स्टॉक में निवेश करने, इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने के लिए बार-बार केवाईसी जमा करना पड़ता है। केंद्र ने समान केवाईसी नियमों पर सिफारिशों के लिए वित्त सचिव टीवी सोमनाथन की अगुवाई में विशेषज्ञ समिति बनाईहै।इस प्रक्रिया के लागू होने से कागजी कार्रवाई, समय और लागत को कम करने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में एफएसडीसी ने एक समान केवाईसी सुविधा लाने और इसकी प्रक्रिया के डिजिटलीकरण को सरल बनाने का प्रस्ताव रखा था।

इस तरह एक समान केवाईसी करेगा काम- बचत खाता खोलने, म्यूचुअल फंड में निवेश करने व बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए निवेशक को अलग-अलग केवाईसी दस्तावेज जमा करने के बजाय केवल एक बार सीकेवाईसीआर से जुड़ा केवाईसी विवरण देना होगा।

एक बार पंजीकरण की होगी जरूरत- नई प्रक्रिया के तहत एक बार केवाईसी दस्तावेज पंजीकृत हो जाने के बाद आपको एक सीकेवाईसी पहचान पत्र मिलेगा। यह आईडी प्रमाण के साथ 14 अंकों का नंबर होगा। जब आप किसी और जगह खाता खोलने या निवेश करने जाएंगे तो इस नंबर का उपयोग करके सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री (सीकेवाईसी) से आपका केवाईसी विवरण ले लिया जाएगा। यदि ग्राहक का केवाईसी रिकॉर्ड पहले से ही सीकेवाईसीआर के साथ पंजीकृत है, तो केवाईसी प्रक्रिया की जरूरत नहीं होगी।

एथर एनर्जी के बैटरी पैक ने 40 फुट की गिरावट का परीक्षण परिपूर्ण जीत लिया!

नई दिल्ली, एजेंसी। एथर एनर्जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में प्रमुख खिलाड़ी है, अपनी लिथियम-आयन बैटरी तकनीक के साथ अद्वितीय प्रदर्शन, मजबूती और रिलायबिलिटी की पेशकश के साथ नए उद्योग मानक स्थापित कर रही है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में, बैटरी की गुणवत्ता प्रदर्शन निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एथर एनर्जी की बैटरियां अपनी असाधारण डयूरीबिलिटी और रिलायबिलिटी के लिए जानी जाती हैं। विभिन्न इलाकों और परिस्थितियों में 1.1 अरब किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने के बाद, इन बैटरियों ने अपनी सहनशक्ति साबित की है। हाल ही में एक परीक्षण में, बैटरी को बिना किसी नुकसान के 40 फीट की ऊंचाई वाली क्रेन से कठिन ड्रॉप परीक्षण से गुजरना पड़ा, जिससे इसकी मजबूती और डयूरीबिलिटी उजागर हुई। यह परीक्षण एथर की बैटरी डिज़ाइन की डयूरीबिलिटी और रिलायबिलिटी की पुष्टि करता है क्योंकि वे 6 अप्रैल को नए पारिवारिक स्कूटर, एथर रिज़्टा के लॉन्च के लिए तैयार हैं, जो उसी प्रभावशाली बैटरी पैक का उपयोग करता है!

जेनेरिक बैटरियों के विपरीत, एथर एनर्जी की बैटरियां विकसित लिथियम-आयन सेल और एक स्मार्ट बैटरी प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करती हैं, जो लगातार और रिलाऐब्ल प्रदर्शन सुनिश्चित करती हैं। इसके अलावा, पानी और धूल प्रतिरोध के लिए आइपी67 रेटिंग के साथ, ये बैटरियां सवरियो को अतिरिक्त आत्मविश्वास प्रदान करती हैं, जिससे उन्हें बैटरी की अखंडता के बारे में चिंता किए बिना विभिन्न इलाकों और मौसम की स्थिति में नेविगेट करने में सक्षम बनाया जाता है।

प्रदर्शन एक अन्य क्षेत्र है जहां एथर एनर्जी की बैटरियां श्रेष्ठ हैं, सामान्य विकल्पों की तुलना में बेहतर टॉर्क, रेंज और गति प्रदान करती हैं। यह चालक के लिए अधिक संतोषजनक और कुशल सवारी अनुभव का अनुवाद करता है। इसके अलावा, एथर एनर्जी अपने एथर बैटरी प्रोटेक्ट प्रोग्राम के साथ लंबी अवधि और लंबी दूरी को प्राथमिकता देती है, जो पांच साल की प्रभावशाली बैटरी वारंटी प्रदान करती है। यह सामान्य बैटरियों के विपरीत है, जो कम वारंटी या सीमित कवरेज के साथ आ सकती हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं को अपनी बैटरी के जीवनकाल के बारे में कम भरोसा मिलता है।

कॉलेज में थे तो दोनों किडनी खराब हो गई, आज चलाते हैं डायलिसिस अस्पताल का चेन, देश-विदेश में है 400 सेंटर

नई दिल्ली, एजेंसी। आज वर्ल्ड किडनी डे है। इस अवसर पर आपको हम एक ऐसे उद्यमी की कहानी बता रहे हैं जिनकी दोनों किडनी खराब है। उनकी मां ने किडनी डोनेट की, लेकिन वह भी खराब हो गई। दोनों किडनी खराब होने की बात जान कर तो जैसे उनके जीवन में भूचाल आ गया। जीवन डायलिसिस सेंटर में जाकर सिमट गई। यूएस की यूनिवर्सिटी में मिली मास्टर्स की सीट कैंसिल हो गई। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आज वह देश भर में डायलिसिस का अस्पताल नेफ्रोप्लस की चेन चलाते हैं। आज की तारीख में देश के 225 शहरों में उनके 370 सेंटर चल रहे हैं। यही नहीं उनकी पहुंच विदेशों में भी हो गई है। आज हम सक्सेस स्टोरी में नेफ्रोप्लस के को-फाउंडर कमल शाह की संघर्ष की दास्तान सुना रहे हैं।

सामान्य चल रही थी पढ़ाई- कमल शाह का संबंध एक गुजराती कारोबारी परिवार से है। पहले उनके अभिभावक बेंगलुरु में रहते थे। बाद में वह हैदराबाद शिफ्ट कर गए। वहीं उनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई। बाद में उनका सेलेक्शन ओस्मानिया विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग कॉलेज में हो गया। स्ट्रीम था केमिकल इंजीनियरिंग । वहां से स्नातक करने के बाद उनका सेलेक्शन यूएस के एक यूनिवर्सिटी में मास्टर इन केमिकल इंजीनियरिंग के लिए हो गए। उन्होंने इसके लिए सारी प्रक्रिया पूरी की। वीजा लगा, टिकट ले लिया।

जाने से पहले कुछ और चीज का पता चला- जब वह यूएस रवाना हो रहे थे, उससे पहले उन्हें कई तरीके की वैक्सीन लेनी पड़ी। यह यूएस जाने के लिए जरूरी था। वैक्सीन लेने के बाद उन्हें कुछ दिक्कत हुई। लगा वैक्सीन का रिएक्शन है, दो-तीन दिन में ठीक हो जाएगा। लेकिन दिक्कत लंबी चली तो फेमिली डॉक्टर के यहां गए। वहां कुछ टेस्ट करने के बाद पता चला कि उनकी दोनों किडनी खराब है। थोड़ी और जांच चली तो पता चला कि स्थिति कुछ ज्यादा ही खराब है। इसका निदान डायलिसिस होगा। इसके बाद सप्ताह में तीन दिन डायलिसिस करवाना पड़ता था। डॉक्टर ने बताया कि कुछ दिनों में ठीक हो जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

घाट-घाट का पानी पिया तब भी फायदा नहीं- जब किडनी का इलाज नहीं हुआ तो उन्होंने इसे ठीक करने के लिए घाट-घाट का पानी पिया। होमियोपैथी, आयुर्वेदिक, यूनानी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर सभी को आजमाया। इसमें डेढ़ साल निकल गए।

दुनिया के सबसे बड़े इन्स्टेंट ड्रिंक निर्माता रसना ने अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को अपना नया ब्राण्ड एम्बेसडर बनाया

नया अभियान रसना के भावनात्मक जुड़ाव के साथ ही विटामिन और मिनरल्स के कार्यात्मक लाभों पर प्रकाश डालेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। गर्मी के साथ ही, हर साल की तरह इस साल भी रसना एक नए अभियान के साथ सामने आई है, जो न केवल उनके 21 विटामिन और मिनरल्स पर प्रकाश डालता है जो हमें ऊर्जावान बनाते हैं, बल्कि उन भावनाओं को भी उजागर करता हैं जो प्यार, खुशी, जोश और सफलता के विटामिन हैं। व्यापक अनुसंधान और उत्पाद स्वाद परिणामों के आधार पर, रसना को वास्तविक फलों के एक्सट्रैक्ट (अर्क) के साथ एक विटामिन, मिलरल और ग्लूकोज पेय के रूप में पुनः तैयार किया गया है। नया अभियान रसना के ग्राहकों और उनकी बढ़ती जरूरतों को समझने में मदद करने के लिए पूरे भारत में किए गए व्यापक बाजार अनुसंधान का परिणाम है। यह सामाजिक एवं आर्थिक आधार पर ए और बी परिवारों को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक, स्वस्थ और बेहतरीन स्वाद पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है और इसे एक स्वादिष्ट, गाढ़े और स्वास्थ्यवर्धक पेय के रूप में पुनर्स्थापित

करता है, जो तर्कसंगत पहलुओं को संतुष्ट करने के साथ साथ ऊर्जा, जोश, खुशी और सबसे महत्वपूर्ण विटामिन, विटामिन के साथ जुड़ाव बढ़ाने में उत्प्रेरक के रूप में काम करता है।

आज रसना न केवल विश्व प्रसिद्ध आविष्कार है, बल्कि इन्स्टेंट ड्रिंक भी है, जो कई प्रारूपों में आते हैं। 750 ग्राम की पाउच से 33 गिलास बनते हैं, 500 ग्राम की पाउच से 22 गिलास बनते हैं, 400 ग्राम की पाउच से 17 गिलास बनते हैं, और एक शैसे से एक गिलास बनता है। रसना ने स्क्वैश और सिरप जैसे नई पीढ़ी के लिक्विड कंसंट्रेट विकसित करने का भी बीड़ा उठाया है। रसना के पास अपने सब ब्राण्ड रसना हेल्दी डे के तहत एक संपूर्ण वेलनेस रेंज भी है, जिसमें शुद्ध हनी, प्रोटीन पाउडर, हनी/माल्ट-आधारित पाउडर, चॉकलेट स्प्रेड, इंस्टेंट सूप आदि शामिल हैं।

निश्चित रूप से इस वर्ष के अभियान का मुख्य आकर्षण फेस ऑफ यूथ और कई लोगों के दिलों की धड़कन, सनसनीखेज तमन्ना भाटिया का शामिल होना है। वास्तव में, तमन्ना बचपन से ही रसना की प्रशंसक रही हैं और रसना का सेवन करती रही हैं, और वास्तविक जीवन में एक बच्चे के रूप में लव यू रसना कहने की उनकी एक अलग याद है और यही कारण है कि उन्हें अपने साथ शामिल करना स्वाभाविक था। वास्तव में, विज्ञापन में वे स्वयं ही रसना के खुशी देने वाली, सफलता देने वाली और निश्चित रूप से रसना द्वारा परिवार के बीच प्रेम को उजागर करने की भावनात्मक स्थितियों को सामने लेकर आ रही हैं। विज्ञापन का यह भावनात्मक जादू भावनात्मक मोर्चे पर तमन्ना के विश्वसनीय अभिनय के बिना नहीं आ सकता था, केवल विज्ञापन देखने से भी यही साबित होगा।

टीवीएस आईक्यूब ने मध्य प्रदेश में बढ़ोतरी का सिलसिला रखा जारी

12000 से अधिक यूनिट की बिक्री का आंकड़ा किया हासिल

भोपाल, एजेंसी। दोपहिया और तिपहिया सेगमेंट में काम करने वाली अग्रणी वैश्विक वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने घोषणा की है कि टीवीएस आईक्यूब सीरीज ने पूरे मध्य प्रदेश में 12000 से अधिक यूनिट की बिक्री का आंकड़ा हासिल किया है।

कंपनी ने देशभर में टीवीएस आईक्यूब की 2.5 लाख से अधिक यूनिट की बिक्री की है और इस तरह यह साबित किया है कि लोग अब बड़ी तेजी से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की इस क्रांति को आगे बढ़ाते हुए, टीवीएस मोटर कंपनी ने आगे घोषणा की है कि फेम सैकंड सब्सिडी के अलावा, ग्राहक अब मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों में टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर की खरीद पर 12,499 रुपए तक की बेनिफिट स्कीम का भी लाभ उठा सकते हैं। टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक रेंज के स्कूटरों की प्रभावी कीमत 134,422 रुपए से शुरू होती है।

टीवीएस आईक्यूब शहरी यात्रियों के लिए डिज़ाइन की गई अपनी उन्नत सुविधाओं के साथ आता है। एक मजबूत 3.4 केडब्ल्यूएच बैटरी से लैस और 100 किलोमीटर की वास्तविक दुनिया की रेंज का दावा करते हुए, टीवीएस आईक्यूब एक सहज और विश्वसनीय आवागमन अनुभव सुनिश्चित करता है। इसका विशाल 32-लीटर अंडर सीट स्टोरेज आवश्यक वस्तुओं को संग्रहीत करने के लिए पर्याप्त जगह प्रदान करता है, जबकि बड़े फुटबोर्ड और चौड़ी सीट जैसी व्यावहारिक विशेषताएं इसे सबसे आसान स्कूटर बनाती हैं।

इसके अतिरिक्त, 30 पैसे प्रति किलोमीटर की परिचालन लागत के कारण इसका रखरखाव संबंधी खर्च बहुत कम होता है और इस तरह ग्राहक तीन वर्षों में 1.2 लाख रुपये तक की बचत का आनंद ले सकते हैं। टीवीएस आईक्यूब 118 से अधिक कनेक्टेड सुविधाओं के साथ आता है।

मल्टीप्लेक्स में रोजगार

मल्टीप्लेक्स आज फिल्मों और मनोरंजन की दुनिया का अहम भाग बन चुके हैं। हर नई रिलीज होती फिल्म अपने से पिछली रिलीज हुई फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ती हुई करोड़ों रुपए का बिजनेस करती नजर आती है।यह सब मल्टीप्लेक्स के ट्रेंड से ही संभव हो पाया है। हर फैमली सप्ताह के अंतिम दिनों में बाहर मौज-मस्ती करना चाहती हैं और सभी के पास मल्टीप्लेक्स का विकल्प सबसे पहले तैयार होता है। आखिर एक ही जगह जब चार-पांच अलग-अलग फिल्में दिखाई जा रही हों, तो लोगों के पास अपनी पसंदीदा फिल्में देखने के भरपूर विकल्प मिल जाते हैं। तो कैसा हो यदि आपको ऐसी रोमांचक जगह पर कैरियर मिल जाए?

वर्तमान परिप्रेक्ष्य- आजकल आमतौर पर एक सिनेमा हॉल में लगभग 100 लोग काम करते हैं जिसमें से 30 डायरेक्ट जॉब पर होते हैं, 20 लोग एजेंसियों के माध्यम से जुड़े होते हैं और इन लागों में हाउस बॉयज से लेकर क्रू मेंबर तथा सिनेमा मैनेजर प्रॉफिट सेंटर हेड तक शामिल होते हैं।

आवश्यक योग्यता एवं वेतन

- सिनेमा मैनेजर की पोजिशन के लिए हॉस्पिटेलिटी या रिटेल में ग्रेजुएट होने के साथ-साथ करीब छह या अधिक वर्षों का अनुभव होना आवश्यक है।
- टीम लीड तथा शिफ्ट मैनेजर की पोजिशन के लिए हॉस्पिटेलिटी या रिटेल में ग्रेजुएट होने के साथ-साथ 3 या अधिक वर्षों का अनुभव होना चाहिए।
- क्रू मेंबर व अन्य स्थानों के लिए ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट छात्र या फैशर्स की मांग अधिक रहती है। इसके अतिरिक्त, आपको अंग्रेजी का ज्ञान होना आवश्यक है।
- यदि सेलरी की बात की जाए तो शैक्षिक योग्यता और अनुभव के आधार पर जहां सिनेमा मैनेजर की सेलरी रेंज 25,000 से 35,000 रुपए प्रतिमाह होती है, वहीं टीम लीडर और शिफ्ट मैनेजर की सैलरी रेंज 17,500 से 25,000 रुपए प्रति माह होती है।
- क्रू में आमतौर पर फ्रैशर्स और छात्र चुने जाते हैं और उनकी सेलरी 5,000 से 9,000 रुपए प्रतिमाह हो सकती है।

क्योंकि ये इंडस्ट्री काफी से वृद्धि कर रही है, इसलिए इसमें एक ही कंपनी में और एक ही लोकेशन में विकास के काफी अवसर हैं। मल्टीप्लेक्स की बढ़ती तादाद के साथ-साथ रिटेल इंडस्ट्री को भी काफी फायदा पहुंच रहा है। इसके अलावा युवाओं के लिए सबसे रोमांचक बात मल्टीप्लेक्स में कैरियर होने पर आप आसानी से हर फिल्म के फर्स्ट डे फर्स्ट शो का लुत्फ उठा सकते हैं। मल्टीप्लेक्स की दुनिया 3 तरह की नौकरियों के विकल्प देती है।

- डायरेक्ट जॉब
- एजेंसी के माध्यम से इनडायरेक्ट जॉब
- एलाइड या वेंडर जॉब जैसे फूड एंड बार, पेपर पैकिंग, इंटीरियर आदि।

अगले 5 सालों में 900 नए मल्टीप्लेस के कारण लगभग 10,000 सीधी नौकरियों के विकल्प भी सामने आने वाले हैं। इन नौकरियों में क्यू और सुपरवाइजरी स्टाफ आदि के विकल्प हैं। एजेंसियों के माध्यम से खुलने वाली लगभग 10,000 ही इनडायरेक्ट जॉब होगीं, जिसमें हाउसकीपिंग, सिक्युरिटी, मैनटेंनस आदि शामिल हैं। इसके अलावा, हर साल करीब 5000 एलाइड व वेंडर जॉब की आवश्यकता होगी, जिसमें फूड एंड बार वेंडर, कंस्ट्रक्शन, इंटीरियर वर्क्स आदि शामिल हैं। इस आंकड़ों में प्रति वर्ष 25 प्रतिशत की वृद्धि होने की भी प्रबल संभावना है।

यही नहीं, इन 25,000 नई नौकरियों के अलावा मल्टीप्लेक्स इंडस्ट्री में हर साल 1,200 अन्य प्रतिष्ठित संसाधनों की भी आवश्यकता होगी और खास बात ये है कि 20 से 30 वर्ष की आयु वाले नौजवानों के लिए इतनी भारी तदाद में नौकरियों की ये मांग आमतौर पर छोटे शहरों में होगी जहां मल्टीप्लेक्स ट्रेंड फैलना शुरू हुआ है। इंस्टिट्यूट मल्टीप्लेक्स से जुड़े क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए मुख्य रूप से मैनेजमेंट, इंटीरियर, हॉस्पिटेलिटी, रिटेल आदि से संबंधित संस्थानों से कोर्स किए जा सकते हैं।

बॉडी लैंग्वेज आसानी से दिलाती है जॉब

बेशक आपकी नॉलेज और दूसरी स्किल्स बेहतरीन हों,लेकिन अगर आपकी बॉडी लैंग्वेज दुरुस्त नहीं है तो आपके लिए जॉब पाना आसान नहीं होगा। इसलिए बेहतर होगा कि अगली बार इंटरव्यू देते वक्त आप अपनी बॉडी लैंग्वेज का भी ख्याल रखें।आज कम्यूनिकेशन का मतलब सिर्फ बोलचाल नहीं है बल्कि आपके अंदाज से भी आपके मन में चल रही बातों को भी समझा जा सकता है। टेक्निकल लैंग्वेज में इसे बॉडी लैंग्वेज कहा जाता है। गौरतलब है कि इंटरव्यू के दौरान सही कैंडिडेट चुनने में बॉडी लैंग्वेज बड़े काम की चीज साबित हो रही है। ज्यादातर एचआर मैनेजर्स बॉडी लैंग्वेज को देखकर ही कैंडिडेट्स का सिलेक्शन करते हैं।

सिर्फ बॉडी लैंग्वेज ही नहीं

आपको बता दें कि बिना शब्दों की भाषा यानी नॉन वर्बल कम्युनिकेशन में सिर्फ बॉडी लैंग्वेज,हाव-भाव, चेहरे की मुद्रा और आई कॉन्टैक्ट ही शामिल नहीं होते,बल्कि कई एक्सपर्ट आवाज की टोन और उतार-चढ़ाव को भी इसी कैटिगरी में रखते हैं। कोई कैंडिडेट इंटरव्यू में तभी सक्सेस हासिल कर सकता है जब वह तमाम सावधानियों के साथ-साथ बोलने के स्टाइल पर भी कंट्रोल रखे।काफी प्रैक्टिस के बावजूद ऐसे कम्यूनिकेशन पर पूरी तरह कंट्रोल नहीं किया जा सकता ।जिससे मन के भाव किसी न किसी रूप में सामने आ ही जाते हैं। खासतौर पर इंटरव्यू की बात करें तो शब्दों का महत्व सिर्फ 10 प्रतिशत होता है। बाकी चीजें नॉन वर्बल कम्यूनिकेशन से तय होती हैं।

कैसी हो इंटरव्यू के समय आपकी बॉडी लैंग्वेज-

- इंटरव्यू रूम में एंट्री करते ही बॉडी लैंग्वेज का सबसे पहला टूल हाथ मिलाना होता है। इंटरव्यूअर से हाथ मिलाते वक्त नर्वस न हों। इस दौरान आपकी थोड़ी सी भी झिझक सेल्फ कॉन्फिडेंस की कमी का संकेत होगी।
- आप किस तरह बैठते हैं यह भी महत्वपूर्ण है। अगर आप कुर्सी के एक किनारे की तरफ बैठेंगे तो भले ही जोश से भरे दिखाई दें लेकिन इससे आपका डर भी झलकेगा। मानो आप किसी भी समय कमरे से बाहर भागना चाहते हैं।?
- आपके हाथों की गतिविधियों से आपकी नर्वसनेस नहीं झलकनी चाहिए। इसलिए इंटरव्यू के दौरान सीट पर बैठकर न तो अपने नाखून कुतरिए ,न बालों पर हाथ फेरिए और न ही हाथों को मसलिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3123

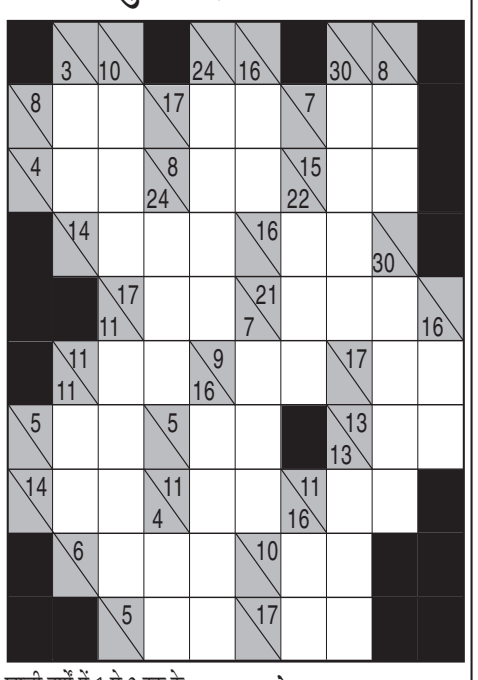

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

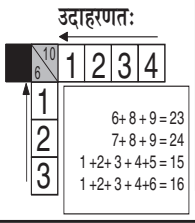

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -3122 का हल

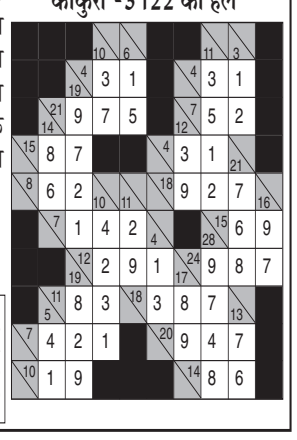

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 3123

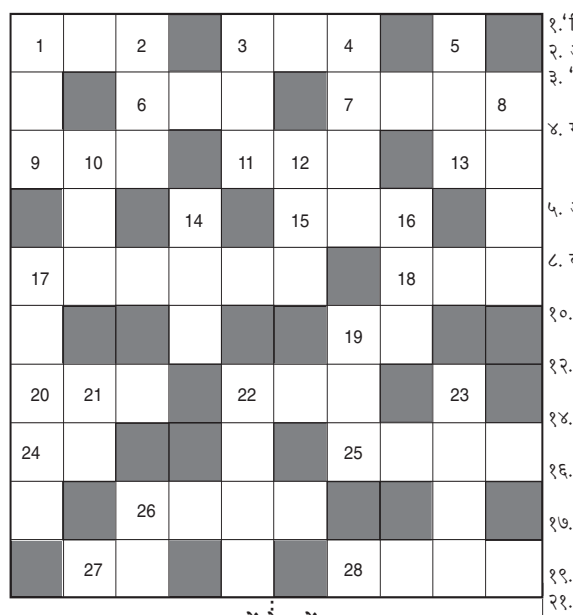

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिनी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3122

प	र	दे	स	■	श	ली	मा	र	■
हे	■	व	र	दा	न	■	सु	■	ही
ली	ड	र	■	न	■	ओ	म	का	श
■	र	■	शि	व	श	म	■	पों	■
जु	■	दा	वा	■	ज	■	फ	रे	ब
बै	श	ग	■	चा	ह	त	■	ट	■
दा	■	■	शि	■	ठ	■	दा	■	अ
■	स	त्य	का	म	■	श	मा	■	न
दौ	ड़	■	र	जा	मु	श	द	■	क
■	क	र्ज	■	ल	■	बी	■	जू	ही

सूडोकु -3123

8	2	5		6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3122 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 3123

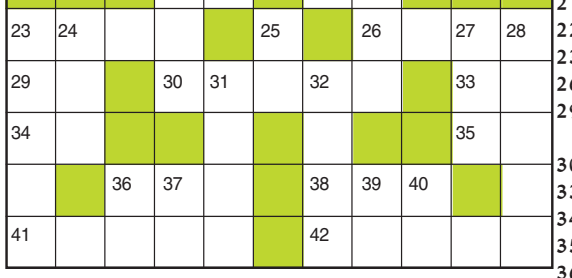

बाएँ से दाएँ

1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना,रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम,प्यार-2
13. थोड़ा,जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन,संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्,अच्छा-2
22. दम,ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. ठसाठस-4
29. माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आकर्षक.चिताकर्षक-5
2. वैक्स,मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ,कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता,बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न,नग-2
37. टी,चहा-2
39. याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40. वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -3122 का हल

का	ज	■	आ	ग	■	सा	थ	■	सु	रा
ल	■	ता	ना	■	आ	स	■	ख	ब	र
■	ली	ला	■	सा	या	■	क	ल	ह	■
म	न	■	रा	त	■	र	म	ल	■	वि
स्की	■	फि	जा	■	अ	ग	ला	■	सा	दा
■	शू	र	■	की	च	ड़	■	ता	र	■
कु	ल	■	अ	म	ल	■	ख	त	■	मी
ली	■	ग	ल	त	■	प	ता	■	जा	न
■	दो	ज	ख	■	क	ल	■	ता	ल	■
घा	य	ल	■	दा	म	■	उ	म्र	■	मो
त	म	■	प	ग	■	कु	ष्ण	■	क	र

टी20 विश्व कप सेमी फाइनल और फाइनल के लिए 'रिजर्व डे'

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अभी प्रयोग पर चल रहे 'स्टॉप क्लॉक' नियम को आगामी टी20 विश्व कप 2024 से सभी पूर्णकालिक सदस्यों के वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में हमेशा इस्तेमाल करेगा। आईसीसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईसीसी ने 'स्टॉप क्लॉक' नियम दिसंबर 2023 में शुरू किया था और अभी इसे इस्तेमाल किया जा रहा है जिसे एक जून 2024 से स्थायी कर दिया जाएगा।

आईसीसी ने अपनी सालाना बोर्ड बैठक के बाद एक बयान में कहा, 'स्टॉप क्लॉक' नियम जून 2024 से वेस्टइंडीज और अमेरिका में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के साथ सभी वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में स्थायी हो जाएगा।' बयान के अनुसार, 'ट्रायल अप्रैल 2024 तक किया जाना था लेकिन इस ट्रायल के नतीजे साफ दिखाई दे रहे हैं जैसे मैच समय पर खत्म हो रहे हैं जिससे प्रत्येक वनडे मैच में करीबन 20 मिनट बच रहे हैं।'

नियम के अनुसार क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को पिछला ओवर खत्म होने के 60 सेकेंड के अंदर नया ओवर शुरू करना होगा। इसके लिए मैदान पर लगी एक 'इलेक्ट्रोनिक' घड़ी 60 से लेकर शून्य तक उलटी गिनती करेगी और तीसरा अंपायर घड़ी शुरू करने का समय तय कर सकता है। क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम के ऐसा नहीं करने पर उसे दो चेतावनी दी जाएगी और इसके बाद के उल्लंघन के लिए प्रत्येक घटना के लिए पांच रन का जुर्माना लगाया जाएगा।

आईसीसी ने हालांकि नियम में कुछ अपवाद भी शामिल किए और ऐसी स्थितियों में शुरू हुई घड़ी को रद्द कर दिया जाएगा जिसमें नया बल्लेबाज अगर ओवरों के बीच में आता है, आधिकारिक 'ड्रिंक्स ब्रेक' तथा किसी बल्लेबाज या क्षेत्ररक्षक के चोटिल होने की स्थिति में मैदान पर उपचार किया जाना शामिल है। इस नियम को तब भी लागू नहीं किया जायेगा अगर क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम के नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों के कारण समय खराब हुआ हो। आईसीसी की बैठक में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल (27 जून) और फाइनल (29 जून) के लिए 'रिजर्व' (सुरक्षित) दिन को भी मंजूरी दी गई। लीग या सुपर आठ चरण के दौरान पूर्ण मैच के लिए दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रही टीम को कम से कम पांच ओवर डालने जरूरी होंगे। पर 'नॉकआउट% मैच में पूर्ण मैच के लिए दूसरी पारी में 10 ओवर डालने की जरूरत होगी। वैश्विक संचालन संस्था ने भारत और श्रीलंका की सह मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफिकेशन प्रक्रिया को भी मंजूरी दी। टूर्नामेंट में 20 टीम हिस्सा लेंगे जिसमें से 12 स्वतः क्वालीफाई करेंगी। 2024 विश्व कप में शीर्ष आठ टीम भारत और श्रीलंका के साथ स्वतः क्वालीफाई करेंगी जबकि बचे हुए दो स्थान 30 जून 2024 तक आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अगली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग टीम को मिलेंगे। इसके बाद बचे आठ स्थान आईसीसी क्षेत्रीय क्वालीफायर के जरिये तय होंगे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप से बाहर

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की नंबर एक जोड़ी गुरुवार रात यहां आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के पुरुष युगल प्री क्वार्टरफाइनल से बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी को प्री क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद शोहिबुल फिकरी और बागास मौलाना की जोड़ी से 16-21 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

इंडोनेशियाई जोड़ी यहां 2022 में चैम्पियन रही थी। शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी ने पिछले हफ्ते फ्रेंच ओपन खिताब जीता था लेकिन यहां तीसरी वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों के दबाव से नहीं निपट सकी और एक घंटे से ज्यादा समय तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गयी। तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी भी महिला युगल के राउंड 16 से बाहर हो गई। उन्हें चीन की झांग शु जियान और जेंग यु से 21-11 11-21 11-21 से पराजय झेलनी पड़ी।

शुक्रवार को भारत के लक्ष्य सेन का सामना पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के ली जि जिया से होगा। लक्ष्य ने दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसेन पर 24-22 11-21 21-14 की जीत से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। लेकिन दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का अभियान दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से यंग से 19-21 11-21 से हारकर समाप्त हो गया।

श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध मिलने की संभावनाएं बढ़ीं

-आईपीएल के लिए फिट घोषित हुए

मुंबई (एजेंसी)। (ईएमएस)। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को रणजी ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के कारण बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध मिलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इससे पहले उन्हें अनुबंध सूची में जगह नहीं मिली थी। श्रेयस ने रणजी ट्रॉफी फाइनल में विदर्भ के खिलाफ जिस प्रकार अच्छी बल्लेबाजी की है। उससे बीसीसीआई उनसे खुश है। श्रेयस को इस मैच में पीठ में जकड़न आ गयी थी पर अब वह ठीक है और उन्हें फिट घोषित कर दिया गया है। ऐसे में वह आईपीएल खेल सकते हैं। श्रेयस ने मुंबई के लिए दूसरी पारी में 111 गेंदों पर 95 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बीसीसीआई इस बल्लेबाज में आये सुधार से भी खुश है। ऐसे में उन्हें केन्द्रीय अनुबंध मिल सकता है।

वहीं इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। बीच बीच में उन्हें पीठ दर्द ने परेशान किया। इसके चलते बीसीसीआई ने उन्हें अंतिम ग्यारह से बाहर कर दिया था। टीम प्रबंधन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी थी पर श्रेयस ने इसकी अनदेखी की थी। इस कारण बीसीसीआई ने उन्हें केन्द्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया था। इसके बाद व रणजी खेलने के लिए तैयार हो गये। पीठ की ऐंठन के कारण वह मुंबई के आखिरी रणजी ट्रॉफी लीग मैच में नहीं खेल पाए पर इस दौरान उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स के प्री-सीज़न कैंप में भाग लेते दिखे जिससे बोर्ड नाराज हो गया था। इसके बाद बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि अगर खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट की जगह आईपीएल को प्राथमिकता देंगे तो उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिलेगी।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 पर आईसीसी का रुख, बीसीसीआई को सरकार की मर्जी के खिलाफ पाकिस्तान जाने को नहीं कहेगा आईसीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी के कार्यकारी बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि अगले साल पाकिस्तान में चैम्पियंस ट्रॉफी 'हाइब्रिड मॉडल' पर कराना एक विकल्प हो सकता है क्योंकि आईसीसी भारत की भागीदारी पर फैसला नहीं ले सकता अगर सरकारी नीति उसके खिलाफ है।

आईसीसी बोर्ड की बैठक दुबई में चल रही है। चैम्पियंस ट्रॉफी फरवरी- मार्च 2025 में होनी है जिस पर बातचीत बैठक के एजेंडे में नहीं थी लेकिन पीसीबी के नव निर्वाचित अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि वह बीसीसीआई सचिव जय शाह और आईसीसी के आला अधिकारियों से बैठक से इतर बात करके आश्वासन लेने की कोशिश करेंगे। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा कि बीसीसीआई टूर्नामेंट की तारीख करीब आने पर ही फैसला लेगा और यूएई में इसके आयोजन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

एक वरिष्ठ प्रशासक ने कहा, '' बोर्ड की बैठकों में हर सदस्य अपना मसला उठा सकता है जिस पर वोटिंग होती है। लेकिन अगर सदस्य देश की सरकार कहती है कि वे वहां नहीं खेल सकते तो आईसीसी को विकल्प तलाशने होते हैं।'' उन्होंने कहा, '' आईसीसी बोर्ड का रूख साफ है कि वह अपने सदस्यों से उनकी सरकार की नीति या निर्देशों के खिलाफ जाने की अपेक्षा नहीं करता।'' यह पूछने पर कि पाकिस्तान में खेलने से भारत के इनकार पर क्या उसके खिलाफ वोट होगा, सूत्र ने कहा कि सरकारी निर्देश होने पर यह स्थिति पैदा नहीं होगी।

बीसीसीआई के पूर्व पदाधिकारी ने कहा, '' यह नहीं भूलना चाहिये कि आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड या इंग्लैंड की तुलना में भारतीय क्रिकेट टीम को खतरे की संभावना अधिक है।'' जनवरी फरवरी में भारतीय डेविस कप टीम विश्व ग्रुप प्लेआफ मुकाबला खेलने इस्लामाबाद गई थी और खिलाड़ियों के साथ सहयोगी स्टाफ भी सुरक्षा इंतजामात से खुश था। क्रिकेट टीम का मामला हालांकि अलग है जिसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह जैसे सुपरस्टार हैं। सूत्र ने कहा, '' यह वैश्विक टूर्नामेंट है और एशिया कप जैसा उपमहाद्वीपीय टूर्नामेंट नहीं लिहाजा भारत सरकार नरम रूख अपना सकती है। एशिया कप के दौरान बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला पाकिस्तान गए थे।

केकेआर के मेंटोर गंभीर का कोलकाता पहुंचने पर भव्य स्वागत

कोलकाता। आईपीएल के लिए यहां पहुंचे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर गौतम गंभीर का यहां पहुंचने पर प्रशंसकों ने शानदार स्वागत किया। इसका एक वीडियो भी केकेआर ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसमें टीम प्रबंधन के साथ गंभीर को दिखाया गया है। इसमें लिखा गया है, केकेआर के बॉस 7 लंबे साल के बाद एक विजेता के तौर पर कोलकाता में वापस आये हैं। गौरतलब है कि गंभीर साल 2011 से ही केकेआर के साथ बने हुए हैं। टीम को बेहतर बनाने में उनका अहम योगदान रहा है। उनके कप्तानी में केकेआर ने साल 2012 और 2014 में खिताब जीते थे। गंभीर ने साल 2018 में केकेआर को छोड़ दिया था। उसी साल पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले वह एक सत्र में उस समय की टीम दिल्ली डेयरडेविल्स से खेले थे। गंभीर के जाने के बाद से ही केकेआर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। साल 2021 में टीम इयोन मोर्गन के नेतृत्व में फाइनल में पहुंची थी पर यहां उसे हार का सामना करना पड़ा था। वहीं पिछले 2 सत्र से टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी थी। अब देखना है इस बार गंभीर के मार्गदर्शन में टीम कितनी सफल होती है।

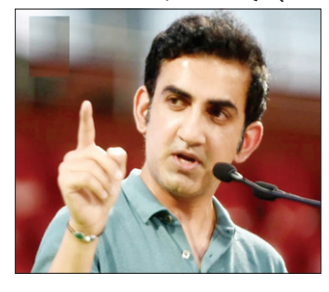

अश्विन के खेल में सुधार नहीं होने वाला एक ट्वीट जमकर हो रहा वायरल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने हाल ही में अपना 100 वां टेस्ट खेला था। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका भी निभाई थी। अंतिम टेस्ट में उन्होंने कुल नौ विकेट लिए थे। वहीं इसके बाद उनका एक ट्वीट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इससे कहा गया है कि तुम्हारे खेल में कोई सुधार नहीं हुआ है।

अब अश्विन ने इसी ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा, इतने सालों तक खेलने के बाद मेरे गेम में कोई सुधार नहीं हुआ और ऐसा केवल मेरी मां कह सकती है। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 36 बार 5 विकेट लेकर अनिल कुंबले को भी पीछे छोड़ दिया। कुंबले ने 132 मैच में 35 बार 5 विकेट लिए थे। अश्विन से आगे अब केवल तीन गेंदबाज ही हैं। पांचवे टेस्ट मैच में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत स्पिनर शेन वार्न का भी एक रिकार्ड तोड़ दिया। 100वें टेस्ट में जहां वार्न ने 8 विकेट लिए थे। वहीं अश्विन ने कुल 9 विकेट लिए थे।

अभ्यास सत्र में ऋषभ पंत की बल्लेबाजी देख टीम के साथियों का बढ़ रहा मनोबल: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशाखापत्तनम ~ दिल्ली कैपिटल्स टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र से पहले अभ्यास सत्र के बाद कहा कि ऋषभ पंत (ऋह्वह्यद्धड्डड्ढ क्कड्ढठ्ठह्ल) अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है जिससे टीम का मनोबल भी बढ़ रहा है। दिसंबर 2022 में अपने घर रूड़की जाते समय भयावह कार दुर्घटना के बाद पंत 14 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। अब उन्हें बतौर बल्लेबाज और विकेटकीपर खेलने के लिए बीसीसीआई से मंजूरी मिल गई है।

पोंटिंग ने कहा कि हमें पिछले साल उसकी कमी खली। पूरे टूर्नामेंट को उसकी कमी खली। ऋषभ टीम में ऊर्जा लेकर आता है। उसके चेहरे पर मुस्कान है और वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है जिससे पूरी टीम का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने स्वीकार किया कि आईपीएल में दिल्ली के पहले मैच में भले ही 8 दिन बाकी रह गए हैं लेकिन टीम ने अभी लय नहीं पकड़ी है। उन्होंने कहा कि हमने अभी शुरूआत ही की है। हम तुरंत ही सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं आ जाएंगे। अभी पहले मैच के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

पोंटिंग ने कहा कि हम अभी तक पहले गेम का इतना भी इंतजार नहीं कर रहे हैं। हम कुछ बड़े काम कर रहे हैं। हम बिल्कुल अलग दृष्टिकोण पर काम नहीं कर रहे। जब भी मैं यहां आता हूं तो आईपीएल जीतने की इच्छा के बारे में बात करता हूं। मैं इस वर्ष इसके बारे में और अधिक बात करने जा रहा हूं। मैं चाहता हूं कि लोग पूरी तरह से व्यस्त रहें और यही कारण है कि हम सभी यहां हैं। पोंटिंग बोले- इस टीम को सफलता दिलाना मेरा काम है। हम क्वालिफाई करने के लिए पर्याप्त गेम जीतने के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं आईपीएल जीतने की।

मधुमक्खियों के हमले से बचे अल्काराज इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में

इंडियन वेल्स (अमेरिका)। कार्लोस अल्काराज ने मधुमक्खियों के हमले के कारण करीब दो घंटे के विलंब के बाद एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-3 6-1 से हराकर बीएनपी पारिबस ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। गुरूवार को मुकाबले के दौरान अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया जिससे अल्काराज खुद को बचाते हुए छिप गये और मैच शुरू होने के 19 मिनट ही यह घटना हुई। तब अल्काराज 1-1 की बराबरी पर थे। दर्जनों मधुमक्खियां 'स्पाइडर कैमरे' पर चिपक गईं और उन्हें 'वैक्यूम' से हटाया गया। बाद में कोर्ट के करीब दीवारों और सीट पर स्प्रे बोटल का इस्तेमाल किया गया। मैच एक घंटे 48 मिनट की देरी के बाद शुरु हुआ यानिक सिनर ने जिरी लेचेका को 6-3 6-3 से हराकर इस साल लगातार 16वे मैच में जीत दर्ज की। अब शनिवार को सिनर का सामना अल्काराज से होगा। टॉमी पॉल ने नौवें वरीय कैस्पर रूड को 6-2 1-6 6-3 से हराकर अपने करियर के दूसरे मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। महिलाओं के वर्ग मे शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक ने पहले सेट में 1-4 से वापसी करते हुए बढ़त बनायी लेकिन कैरोलिन वोज्नियाकी को चोट के कारण क्वार्टरफाइनल से हटने पर मजबूर होना पड़ा। कोको गॉफ ने डेढ़ घंटे तक चले मुकाबले में युआन युए को 6-4 6-3 से शिकस्त दी। यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक ने रूस की अनास्तासिया पोटापोवा को 6-0 7-5 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

स्मिथ किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने में सक्षम : टिम पेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन ने कहा है कि वह स्टीव स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के रूप में खेलते देखना चाहते हैं हालांकि वह किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। डेविड वार्नर के संन्यास के बाद से ही स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के तौर पर रखा गया है पर वह इसमें सफल नहीं होते। स्मिथ न्यूजीलैंड के खिलाफ समाप्त हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान चार पारियों में केवल 51 रन ही बना पाये थे। अब तक खेले गए चार टेस्ट मैचों में स्मिथ ने 28.50 की औसत से 171 रन बनाए हैं, जिसमें वेस्ट इंडीज के खिलाफ उनकी 91 रन की एकमात्र अर्धशतकीय पारी भी शामिल है। पेन ने स्मिथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह कहीं भी बल्लेबाजी करने के लिए काफ़ी अच्छे हैं। उन्होने कहा, मैं उसे एक सलामी बल्लेबाज के रूप में सफल होते देखना पसंद करूंगा, मुझे लगता है कि वह पारी की अच्छी शुरुआत कर सकते हैं। वह कहीं भी बल्लेबाजी करने के लिए काफी अच्छा है।

वहीं स्मिथ का नंबर चार स्थान पर शानदार रिकॉर्ड रहा है, इस स्थान पर उन्होंने 67 टेस्ट खेले हैं। इन मैचों की 111 पारियों में उन्होंने 61.50 की औसत से 5,966 रन बनाए हैं, जिसमें 19 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 239 है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि कोई भी विपक्षी टीम चाहेगी कि उसे स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के रूप में आउट करने का अवसर मिले। पेन ने कहा, मैं अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेल रहा होता, तो मैं चाहता कि स्मिथ बल्लेबाजी की शुरुआत करें।

पेरिस ओलंपिक में प्रदर्शन में निरंतरता होगी सफलता की कुंजी : पी आर श्रीजेश

नई दिल्ली। बरसों बाद भारतीय पुरूष हॉकी टीम ओलंपिक में पदक विजेता के रूप में उतरेगी और अपेक्षाओं के दबाव को ऊर्जा का स्रोत मानने वाले अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने कहा कि टीम का फोकस प्रदर्शन में निरंतरता पर है जो ओलंपिक में कामयाबी की कुंजी साबित होता है। श्रीजेश ने कहा कि पिछली बार तक सभी बोलते थे कि हमारा हॉकी में गौरवशाली इतिहास है और हमें ओलंपिक मे पदक जीतना है। इस बार हमारे पास पदक है और अपेक्षाएं बढ़ गई है और हमने उसके बाद से अच्छा प्रदर्शन भी किया है। यह सकारात्मक दबाव है और याद दिलाता है कि हम पदक जीतने में सक्षम हैं। केरल के इस गोलकीपर ने कहा कि हमारी टीम का मंत्र है कि आउटसोर्स दबाव को बाहर ही रखो, उसे भीतर लेकर मत आओ। दबाव हम खुद बनाते हैं, परिवार का, महासंघ का, दर्शकों का, मीडिया का या फिर सोशल मीडिया का। लेकिन हम उसे टीम में नहीं लाते और अपने खेल पर फोकस रखते हैं। अपनी ताकत, कमजोरियां, लक्ष्य बस इस बारे में ही सोचते हैं। अपने कैरियर में 16 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके पद्मश्री श्रीजेश ने कहा कि दबाव ओलंपिक का हिस्सा है लेकिन हम उसे सकारात्मक लेकर ऊर्जा का स्रोत के रूप में इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 4 साल में टीम में और कोचिंग स्टाफ में बदलाव हुआ और माहौल भी बदला है। लेकिन लक्ष्य एक ही है कि हमें ओलंपिक पदक जीतना है और वही सभी के दिमाग है। कई बार निचली रैंकिंग की टीम से हमे कड़ी चुनौती मिली है लिहाजा हम निरंतरता पर फोकस कर रहे हैं। ओलंपिक मे पहले दिन से आखिरी दिन तक हॉकी के मैच होते हैं। पिछले मैच को भुलाकर तुरंत अगले मैच पर फोकस करना जरूरी होगा और यही निरंतरता काम आएगी।

धोनी सिर्फ एक ही है, मैं ध्रुव बनकर ही खुश हूं :ज्यूरेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंगलैंड बनाम भारत टेस्ट सीरीज के दौरान युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव ज्यूरेल को उनकी परफार्मेंस के कारण खूब तारीफ मिली थी। कई फैंस ने तो उनकी महेंद्र सिंह धोनी से भी तुलना कर दी। अब इस मामले पर ज्यूरेल ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी बात रखी है। उनका कहना है कि कोई भी पूर्व कप्तान की बराबरी नहीं कर सकता। ज्यूरेल जोकि टेस्ट सीरीज के दौरान विकेट के पीछे अपने तेजतर्रार रवैये के कारण चर्चा में आए, ने इस दौरान अपने भविष्य पर भी बात की।

दरअसल, भारतीय पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टेस्ट सीरीज में ज्यूरेल की परफार्मेंस देखने के बाद उनकी तुलना धोनी से की थी। लेकिन 23 साल के ज्यूरेल ने एक इंटरव्यू में कहा कि मेरी तुलना धोनी सर से करने के लिए गावस्कर सर आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। लेकिन मैं निजी तौर पर कहना चाहता हूं कि धोनी सर ने जो किया है, उसे कोई दोहरा नहीं सकता। केवल एक ही धोनी है। हमेशा था और हमेशा रहेगा। मेरे लिए, मैं सिर्फ ध्रुव जुरेल बनना चाहता हूं। मैं जो भी करता हूं, ध्रुव जुरेल जैसा करना चाहता हूं। धोनी सर एक लीजेंड हैं और वह हमेशा ऐसे ही रहेंगे।

ज्यूरेल ने इस दौरान इंडियन कैप हासिल करने को सपना सच होने जैसा बताया। ज्यूरेल ने कहा कि यह (टेस्ट कैप हासिल करना और मैन ऑफ द मैच हासिल करना) अभी तक खत्म नहीं हुआ है। क्रिकेट के सबसे शुद्ध रूप टेस्ट में खेलना खुशी की बात थी। मुझे यकीन था कि मैं किसी दिन टेस्ट क्रिकेट खेलूंगा और यह हो गया। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा क्षण रहा। मैं हमेशा से टेस्ट खेलना चाहता था। जब मैं अंडर-19 खेल रहा था, तो मेरा लक्ष्य 200 टेस्ट खेलना था, जो मुझे बाद में एहसास हुआ कि यह संभव नहीं था।

ज्यूरेल ने इस दौरान टेस्ट क्रिकेट और आईपीएल की तुलना को अवास्तविक भी बताया। उन्होंने कहा कि (मेरे लिए) आईपीएल ने (टेस्ट) क्रिकेट के प्रति प्यार को कम नहीं किया है। जब मुझे बैगी कैप (भारत टेस्ट कैप) मिली, तो यह पूरी तरह से एक अलग एहसास था। (दोनों के बीच) कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। टेस्ट क्रिकेट एक अलग स्तर पर है। वहीं, टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह होने पर ज्यूरेल ने कहा कि वह अभी इसके बारे में सोच नहीं रहे हैं।

चंदा लेने के मामले में टीएमसी ने कांग्रेस को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉन्ड के द्वारा दिए गए राजनीतिक दलों के चंदों का विवरण जारी किया है। उन आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा को सबसे ज्यादा 60.61 अरब रुपये बतौर चंदा मिले हैं, जबकि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस को 14.22 अरब रुपये दान में मिले हैं। बड़ी बात यह है कि इलेक्टोरल बॉन्ड भुनाकर दान लेना वाली पार्टियों में तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया है। ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी 16.10 अरब रुपये के साथ दूसरे नंबर पर रही है, जबकि कांग्रेस तीसरे नंबर पर है। आंकड़ों पर गौर करें तब भाजपा, तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस चंदा लेने वालों में क्रमशः नंबर वन, टू और थ्री की पार्टी है। इनके अलावा भारत राष्ट्र समिति को 12.14 अरब, बीजू जनता दल को 7.75 अरब रुपये, डीएमके को 6.39 अरब, वॉयएसआर कांग्रेस को 3.37 अरब, तेलूगू देशम पार्टी को 2.18 अरब, शिवसेना को 1.59 अरब, राष्ट्रीय जनता दल को 72.50 करोड़ और आप को 65.45 करोड़ रुपये मिले हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा लेने वाले दलों में सबसे पीछे गोआ फोरवर्ड पार्टी रही, उस सिर्फ 35 लाख रुपये का चंदा मिला है। इनके अलावा नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी को 50 लाख, जम्मू एंड कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस को 50 लाख, महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी को 55 लाख और सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को 5.50 करोड़ रुपये मिले हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, 2019 से 2024 के बीच 1260 कंपनियों और लोगों ने कुल 12,155.51 करोड़ रुपये मूल्य के 22217 बॉन्ड खरीदे हैं। 23 राजनीतिक दलों ने इन बॉन्ड को भुनाया है। इलेक्टोरल बॉन्ड पांच मूल्य वर्ग में खरीदे गए हैं।

आप में शामिल हुए राज कुमार चब्बेवाल, कांग्रेस को झटका

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि पंजाब से पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक राज कुमार चब्बेवाल ने शुक्रवार को पार्टी छोड़कर आप में शामिल हो गए। चब्बेवाल (54) ने कहा कि उन्होंने होशियारपुर जिले के चब्बेवाल विधानसभा क्षेत्र से विधायक के तौर पर भी इस्तीफा दे दिया है। प्रमुख दलित नेता चब्बेवाल पंजाब विधानसभा में विपक्ष के उपनेता थे। वह यहां आप में शामिल हुए और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उनका पार्टी में स्वागत किया। चब्बेवाल एक सप्ताह के भीतर आप में शामिल होने वाले पंजाब से कांग्रेस के दूसरे नेता हैं। बस्सी पठाना से कांग्रेस के पूर्व विधायक गुरप्रीत सिंह जीपी हाल ही में आप में शामिल हुए थे। आप की प्रदेश इकाई ने पोस्ट में कहा कि चब्बेवाल के शामिल होने से पार्टी और मजबूत हुई है। सूत्रों ने कहा कि आप चब्बेवाल को होशियारपुर लोकसभा सीट से मैदान में उतार सकती है। इसके पहले चब्बेवाल ने पोस्ट किया था, आज कांग्रेस और पंजाब विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। चब्बेवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष को लिखा अपना पत्र भी 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने पत्र में लिखा है, मैं कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा देता हूं।'' हालांकि, उन्होंने पार्टी छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया। चब्बेवाल ने पंजाब विधानसभा अध्यक्ष को भी एक पत्र लिखा और उसे भी 'एक्स' पर पोस्ट किया।

पहले घुसपैठ कर कानून तोड़ा अब हुड़दंग कर रहे, इन्हें जेल में होना चाहिए : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को उनके आवास के पास विरोध प्रदर्शन कर रहे पाकिस्तानी शरणार्थियों पर जमकर बरसे। हिंदू और सिख शरणार्थियों ने केजरीवाल के सिविल लाइंस आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया और नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के कार्यान्वयन के खिलाफ अपने बयानों पर आम आदमी पार्टी (आप) नेता से माफी की मांग की। सीएए पर भारत के विपक्षी गुट के नेताओं के बयानों को लेकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए शरणार्थियों ने कांग्रेस मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां ले रखी थीं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन से नाराज होकर केजरीवाल ने कहा, इन पाकिस्तानियों की हिम्मत? सबसे पहले, उन्होंने हमारे देश में अवैध रूप से घुसपैठ की और हमारे देश के कानूनों को तोड़ा। उन्हें जेल में होना चाहिए था। क्या उनमें इतनी हिम्मत है कि वे हमारे देश में विरोध प्रदर्शन और हंगामा कर रहे हैं?

कोर्ट के आदेश पर 8 घंटे जेल की कोठरी से बाहर रहेगा आफताब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को तिहाड़ जेल के प्राधिकारियों को सनसनीखेज श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड के मुख्य आरोपी आफताब अमीन पूनावाला को रात में जेल की कोठरी में अकेले बंद करने से पहले दिन में आठ घंटे के लिए बाहर लाने की अनुमति देने को कहा। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अगुवाई वाली पीठ ने पूनावाला की एक याचिका पर आदेश दिया। याचिका में कहा गया है कि सुरक्षा की आड़ में आफताब को जेल की कोठरी में अकेले बंद नहीं रखा जा सकता। पीठ में न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया भी हैं। पूनावाला के वकील ने दावा किया कि अन्य कैदियों को एक दिन में आठ घंटे के लिए कोठरी से बाहर ले जाया जाता है लेकिन पूनावाला को सुबह और शाम एक-एक घंटे के लिए ही बाहर आने की अनुमति है। जेल प्राधिकारियों के वकील ने कहा कि खतरे की आशंका के कारण आरोपी को अन्य कैदियों के साथ नहीं रखा गया है। उन्होंने पहले कहा था कि पूनावाला पर रोहिणी में विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) ले जाते वक्त हुए हमले के बाद निचली अदालत ने उसे उचित सुरक्षा मुहैया कराने के संबंध में निर्देश दिए थे। पूनावाला के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल को जेल में किसी से भी बातचीत नहीं करने दी जाती और उसे अलग कोठरी में बंद किया गया है जबकि उसने कोई ''जेल अपराध'' नहीं किया है।

श्रीलंका की नौसेना ने अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 15 भारतीय मछुआरों को पकड़ा

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने उत्तरी जाफना प्रायद्वीप में कराईनगर के तट से 15 भारतीय मछुआरों को अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में हिरासत में लिया।एक अधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार नौसेना पकड़े गए इन मछुआरों और उनकी नौकाओं को कांकेसंतुराई बंदरगाह ले गई और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें मत्स्य निदेशालय को सौंप दिया। हाल में श्रीलंका के मछुआरों ने प्राधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन करश्रीलंकाई जल क्षेत्र में भारतीय मछुआरों के कथित मछली पकड़ने पर रोक लगा उनके हितों की रक्षा की मांग की थी। श्रीलंका नौसेना ने कहा कि आज सुबह हिरासत में लिए गए मछुआरों के साथ नौसेना द्वारा वर्ष 2024 में पकड़े गए मछुआरों की संख्या 225 हो गई है। जबकि मछली पकड़ने वाली 16 नौकाओं को जब्त किया है। भारत और श्रीलंका के संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

85 साल के आसाराम बापू की याचिका पर सुनवाई को तैयार गुजरात हाई कोर्ट

सूरत। गुजरात हाईकोर्ट ने संत आसाराम बापू की दोषसिद्धि के खिलाफ दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई शुरू करने का फैसला किया है। मामला 2013 के रेप केस से जुड़ा है। गुजरात हाईकोर्ट ने आसाराम बापू की बढ़ती उम्र को देखकर याचिका पर सुनवाई शुरू करने का फैसला लिया है। कोर्ट 4 अप्रैल से उनकी याचिका पर सुनवाई शुरू करेगा।

जस्टिस एएस सुपेहिया और जस्टिस विमल व्यास की खंडपीठ आसाराम की सजा को निलंबित करने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। तभी उन्होंने बलात्कार की सजा के खिलाफ उनकी अपील पर सुनवाई को प्राथमिकता देने का फैसला किया। जस्टिस सुपेहिया ने कहा, वह 10 साल जेल में काट चुके हैं और 85 साल के हैं। हम सजा को निलंबित करने की उनकी याचिका के बजाय मुख्य अपील पर ही सुनवाई करने वाले है। कोर्ट ने कहा कि हम समर वेकेशन से पहले अपील की सुनवाई पूरी करने की कोशिश करने वाले हैं, ताकी छुट्टियों के बाद फैसला दे सकें। बता दें, गुजरात की एक ट्रायल कोर्ट ने जनवरी 2023 में आसाराम बापू को 2013 में सूरत आश्रम में अपनी महिला शिष्या के साथ कई मौकों पर बलात्कार करने का दोषी ठहराया था। आसाराम को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), 377 (अप्राकृतिक यौन संबंध), 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना), 346 (गलत कारावास), 120 बी (आपराधिक साजिश) और 201 (साक्ष्य नष्ट करना) के तहत दोषी ठहराया गया था।

भाजपा ने गरीब के बेटे को पीएम और बूथ कार्यकर्ता को देश का गृहमंत्री बनाया: अमित शाह

अबकी बार 400 पार का नारा जनता लगा रही

अहमदाबाद(एजेंसी)। लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने गृहराज्य गुजरात के दौरे पर है। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित कर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, आजादी के बाद देश को सुरक्षित करने का काम सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र भाई ने किया है। आप सभी के साथ 40 साल से काम कर रहा हूं। अनेक पराजय के बाद हमें चुनाव जीतने की महारथ हासिल हुई है।

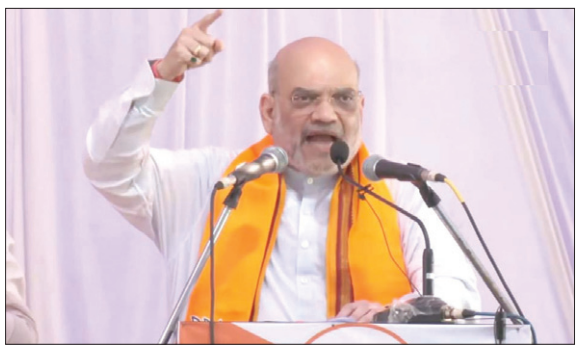

शाह ने कहा, देश की जनता अब की बार 400 पार का नारा लगा रही है। जनता चुनाव घोषित होने का इंतजार कर रही है। संकल्प से सिद्धि का मार्ग नरेंद्र भाई ने दिखाया है। अभी तक पूरे देश में 135 सीटों का दौरा करके आया हूं, हर जगह मोदी मोदी की चर्चा हैं। लोकसभा चुनाव सिर्फ सांसद चुनने का नहीं है, बल्कि हर मतदाता को हमारे संकल्प यात्रा के साथ जोड़ना है। शाह ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोगों से विनम्रता से मिलिए, प्रचार में सभी को जोड़िए।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, आज 29 साल पहले का दृश्य याद आ रहा है। मैं विधानसभा का चुनाव लड़ने जा रहा था, तब यही हनुमान दादा में दर्शन किए थे और भूपेंद्र पटेल पार्षद थे। आज फिर से वहीं से लोकसभा चुनाव के लिए शुरुआत की है। भाजपा ने बूथ कार्यकर्ता को देश का गृहमंत्री बनाया। पार्टी ने गरीब परिवार के चाय बेचने वाले को प्रधानमंत्री बनाया। भाजपा में आंतरिक लोकतंत्र है, जिसकी वजह से यह संभव हुआ।

मोदी आज विश्व के लोकप्रिय नेता

गृह मंत्री ने कहा, पीएम मोदी ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण देकर महिला शक्ति को विधानसभा-संसद का दरवाजा खोला है। आज नरेंद्र भाई सिर्फ देश के नहीं, दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। आजादी के बाद देश को सुरक्षित करने का काम सिर्फ नरेंद्र भाई ने किया है। उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया। दो बार हमारे सैनिकों पर आतंकियों ने हमला किया, जिसका सर्जिकल और एयर स्ट्राइक करके जवाब दिया। डोकलाम में चीन ने जो किया, सब सोच रहे थे क्या होगा? नरेंद्र भाई ने आंख दिखा दिया और चीन को वापस लौटना पड़ा।

नवनियुक्त चुनाव आयुक्तों ने संभाला पदभार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय पैनल ने गुरुवार को ब्यूरोक्रेट ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को चुनाव आयुक्त के रूप में चुना। यह फैसला चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के इस्तीफे के कुछ दिनों बाद आया है। चुनाव आयुक्तों के चयन पैनल में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व लोकसभा मे विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी शामिल थे। नवनियुक्त चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू ने शुक्रवार को चुनाव आयोग के मुख्यालय में कार्यभार संभाल लिया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दोनों नवनियुक्त चुनाव आयुक्तों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम आगामी आम चुनाव सकुशल कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। इससे पहले केंद्र सरकार ने गुरुवार शाम दोनों चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी की।

सीएए पर लंबित याचिकाओं पर सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट, 19 मार्च को मामले की सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 (सीएए) पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमत हुआ। 19 मार्च को मामले की सुनवाई होगी। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के सामने मुद्दे का उल्लेख किया। इसके बाद चीफ जस्टिस ने कहा कि मामला अगले सप्ताह सूचीबद्ध किया जाएगा। 2019 से शीर्ष अदालत में दायर दो सौ से अधिक संबंधित याचिकाओं में विभिन्न सीएए प्रावधानों को चुनौती दी गई है। सीएए को दिसंबर 2019 में संसद द्वारा पारित किया गया था, लेकिन केंद्र सरकार ने सोमवार को इसके लिए नियम जारी किए।

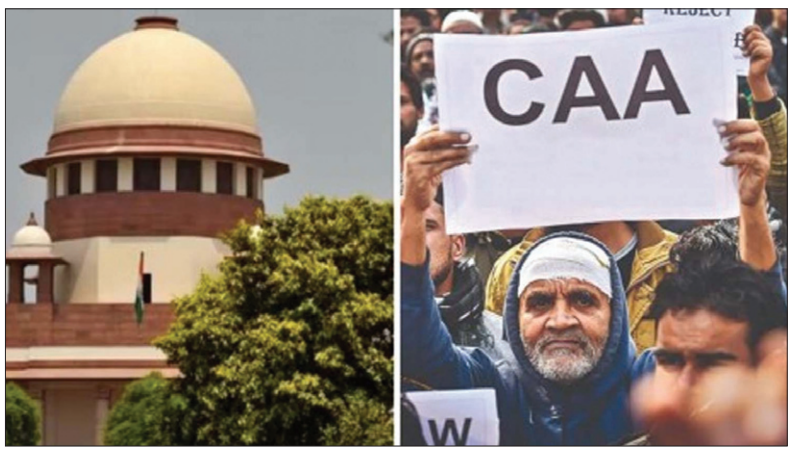

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की ओर से पेश हुए सिब्बल ने कहा, याचिकाएं 2019 से लंबित हैं। वहीं आम चुनाव से ठीक पहले उन्होंने नियमों की घोषणा कर दी है। एक बार नागरिकता मिल जाने के बाद, प्रक्रिया को उलटना मुश्किल होगा। आईयूएमएल के अलावा, असम कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया, असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद (एक क्षेत्रीय छात्र संगठन), डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने भी अलग-अलग आवेदन दायर कर इस पर रोक लगाने की मांग की है।

केंद्र का प्रतिनिधित्व करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर अदालत किसी उपयुक्त दिन पर मामले की सुनवाई करती है, तब उन्हें कोई कठिनाई नहीं है। उन्होंने कहा, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि किसी भी याचिकाकर्ता के पास यह कहने का अधिकार नहीं है कि नागरिकता न दें। जहां तक चुनाव पर बहस का सवाल है, मैं राजनीति को अदालत से दूर रखूंगा। इस पर सीजेआई ने कहा कि मामले में सभी 237 याचिकाओं को 19 मार्च को सूचीबद्ध किया जा सकता है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, विभिन्न बिंदुओं वाले सभी पक्ष... हम कुछ वकीलों को सुन सकते हैं।

इसके पहले सुप्रीम कोर्ट में कई अर्जियां दायर कर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। इसमें सीएए को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं में से एक इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने अदालत से सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है कि पूर्व में दायर रिट याचिकाओं का निपटारा किये जाने तक मुस्लिम समुदाय से संबंधित लोगों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। सीएए के तहत मुसलमान भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन नहीं कर सकते।

ईवीएम के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, क्षमा करे हम सुनवाई नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने लोकसभा चुनाव-2024 की तिथियों का ऐलान कर दिया। चुनाव आयोग ने बताया कि 16 मार्च को दोपहर बाद संसदीय चुनाव की तिथियां घोषित होगी। इस बीच, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का मुद्दा फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। तीन जजों की पीठ के समक्ष इससे जुड़ी याचिका सुनवाई के लिए लिस्ट हुई। शीर्ष अदालत ने मामले पर सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता से कहा कि हमें क्षमा करेंज्हम संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत मामले पर सुनवाई नहीं कर सकते हैं। बता दें कि अनुच्छेद 32 में संवैधानिक उपचार का प्रावधान है। मतलब यह कि यदि किसी को लगता है कि कोई मसला या मुद्दा या फिर नीति संविधान के प्रावधानों अनुरूप नहीं है, तब वह न्यायपालिका की शरण में जा सकता है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिका पर शुक्रवार को विचार करने से मना कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हर पद्धति के अपने सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष होते हैं। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की तीन जजों की पीठ ने कहा कि यह अदालत कई याचिकाओं की पहले ही कई मौकों पर पड़ताल कर चुकी है और ईवीएम के कामकाज से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार कर चुकी है।

हाल ही में वीवीपीएटी से संबंधित एक याचिका पर विचार किया था। हम धारणाओं पर नहीं चल सकते। हर पद्धति के अपने सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष होते हैं। क्षमा करें, हम अनुच्छेद 32 के तहत इस पर विचार नहीं कर सकते। पीठ ने कहा कि याचिका में उठाए गए मुद्दे की शीर्ष अदालत ने विभिन्न याचिकाओं में पड़ताल की है। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि अदालत ने इस मुद्दे पर 10 से अधिक मामलों की पड़ताल की है।

शिमला सीट पर जीत दर्ज करने कांग्रेस को रचना होगा चक्रव्यूह

-पिछले तीन चुनाव से सीट पर भाजपा का कब्जा

शिमला (एजेंसी)। कभी कांग्रेस का अभेद्य किला रहे हिमाचल की शिमला संसदीय सीट पर पिछली तीन बार से भाजपा का कब्जा है। कांग्रेस को अपना दुर्ग फिर से लेना है, तब कांग्रेस को चक्रव्यूह रचना होगा। यह संसदीय सीट हमेशा सत्ता का केंद्र रही है। कांग्रेस के कृष्ण दत्त (केडी) सुल्तानपुरी यहां से लगातार छह बार सांसद रहे हैं। सुल्तानपुरी प्रदेश के पहले सांसद हैं जिनके नाम यह रिकॉर्ड है। भाजपा कांगड़ा की तरह यहां से भी जीत का चौका लगाना चाहेगी तब प्रदेश में सत्ताधारी कांग्रेस को केडी की विरासत वापस लेने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा। उधर, भाजपा ने शिमला से सांसद सुरेश कश्यप को टिकट देकर मनोवैज्ञानिक बढ़त ले ली है। शिमला संसदीय सीट का ज्यादातर क्षेत्र पहाड़ी है। 1977 में पहली बार भारतीय लोक दल के बालक राम यहां से सांसद चुने गए। इसके बाद 1980 से 1998 तक कांग्रेस के कृष्ण दत्त सुल्तानपुरी ने लगातार छह बार जीत दर्ज की। उनके सामने कोई भी धुरंधर टिक नहीं सका। इसके बाद धनी राम शांडिल ने 1999 में हिमाचल विकास कांग्रेस से चुनाव लड़कर कांग्रेस के किले में सेंधमारी की। 2004 में हुए चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर फिर जीत दर्ज की। 2009 से अब तक हुए तीन चुनावों में दो बार वीरेंद्र कश्यप और एक बार सुरेश कश्यप ने सीट जीती और भाजपा की हैट्रिक लगाई। पिछले तीन चुनावों से भाजपा की जीत का अंतर हर बार बढ़ा है। 2014 में भाजपा करीब 84 हजार मतों से जीती। 2019 में यह अंतर 3 लाख 27 हजार हो गया। भाजपा को इस बार भी मोदी फैक्टर की आस है। कांग्रेस के पास शिमला को सरकार में प्रतिनिधित्व देने में विशेष तरजीह देने का तर्क है। शिमला संसदीय क्षेत्र में अर्की, नालागढ़, दून, सोलन, कसौली, पच्छाद, नाहन, श्रीरेणुकाजी, पांवटा साहिब, शिलाई, चौपाल, ठियोग, कसुम्पटी, शिमला शहरी, शिमला ग्रामीण, जुब्बल-कोटखाई और रोहडू विधानसभा क्षेत्र आते हैं। टिकटों के लिए कांग्रेस में मंथन जारी है। अमित नंदा, दयाल प्यारी, कौशल मुंगटा, सोहन लाल सहित कई नाम चर्चा में हैं। शिमला संसदीय क्षेत्र में कुल जनसंख्या का 26.51 फीसदी भाग अनुसूचित जाति से संबंधित है। सिरमौर जिले के बड़े इलाके में अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं।

दिल्ली शराब नीति घोटाले में ईडी का एक्शन, बीआरएस नेता के कविता को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) एमएलसी के कविता को हिरासत में ले लिया। जांच एजेंसी की टीम द्वारा उनके हैदराबाद आवास पर तलाशी लेने के कुछ घंटों बाद बीआरएस नेता को हिरासत में ले लिया गया। सूत्रों ने बताया कि कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद कविता को आगे की जांच के लिए दिल्ली लाया जाएगा। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी कविता इस साल जांच एजेंसी द्वारा जारी किए गए कम से कम दो समन में शामिल नहीं हुईं।

45 वर्षीय बीआरएस नेता सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए 16 जनवरी को मामले में नए दौर की पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश नहीं हुए, जिसमें कहा गया था कि जांच एजेंसी इस मामले में कविता को नहीं बुला सकती है। हालांकि, प्रवर्तन निदेशालय के सूत्रों ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि बीआरएस नेता को पिछले साल शीर्ष अदालत से अस्थायी राहत मिली थी और यह अब मान्य नहीं है।

इससे पहले, कविता से मामले के संबंध में पिछले साल तीन बार पूछताछ की गई थी और जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान भी दर्ज किया था। बीआरएस एमएलसी ने कहा है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और इसके बजाय भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तेलंगाना में %पिछले दरवाजे% से प्रवेश पाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का %दुरुपयोग% करने का आरोप लगाया है।

गुरदासपुर सेंट्रल जेल बनी जंग का मैदान, कैदियों ने जेल अधिकारियों पर किया पथराव

चंडीगढ़। जेल में कैदियों के बीच टकराव की खबरें आ रही हैं। बंदियों का जेल अधिकारियों के साथ मुठभेड़ भी कोई नई बात नहीं है, लेकिन यदि हाई सुरक्षा जेल में पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़ जाएं तब कारागार में गंभीर हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसा ही मामला गुरदासपुर सेंट्रल जेल में सामने आया है। कैदियों ने जेल अधिकारियों और पुलिस पर पथराव किया। वहीं पुलिस ने भी उग्र कैदियों को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। जेल परिसर से काला धुआं उठता देखा गया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। गुरदासपुर में केंद्रीय जेल के कैदियों ने जेल कर्मचारियों के दुर्व्यवहार से परेशान होकर उनपर पथराव कर तोड़फोड़ की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। 5 पुलिसकर्मी तथा कुछ कैदी इस घटना में घायल हो गए हैं। गुरदासपुर सेंट्रल जेल में कैदियों और पुलिस के बीच टकराव के बाद जेल में हालात काफी संवेदनशील है। कैदियों ने जेल कर्मचारियों और अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कैदियों का कहना है कि उनके साथ न केवल दुर्?यवहार किया जाता है, बल्कि अनावश्यक तरीके से कड़े प्रतिबंध भी लगा दिए गए हैं। कथित तौर पर कैदी जेल के कर्मचारियों के दुर्व्यवहार, उचित चिकित्सा उपचार नहीं मिलने और कड़े प्रतिबंधों से परेशान थे। भड़के हुए कैदियों ने पुलिस फोर्स पर हमला कर कई पुलिसकर्मियों को गिरफ्त में ले लिया और उन्हें अपनी बैरकों में ले गए। कैदी इस कदर भड़के हुए थे कि पुलिस फोर्स बैरकों में घुसने की हिम्मत नहीं कर सका। कैदियों की गिरफ्त में फंसे जेलकर्मियों को छुड़ाने के लिए पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी।

आखिर क्या हैं अल्फान्यूमेरिक नंबर...जिस लेकर एसबीआई को फिर लगी सुप्रीम कोर्ट से फटकार

-16 मार्च को 5 बजे शाम तक का दिया समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की ओर से फटकार खाने के बाद आखिरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने चुनाव आयोग को दो पीडीएफ फाइलें सौंप दी, लेकिन जो सबसे बड़ा मुद्दा था, उसका खुलासा हुआ ही नहीं। मुद्दा था यूनिक बॉन्ड नंबर को लेकर, जो होते हैं अल्फान्यूमेरिक नंबर। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने फिर से एसबीआई को फटकार लगाकर ये बात पूछ ली कि अल्फान्यूमेरिक नंबर कहां है। इस क्यों जारी नहीं किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को 16 मार्च को 5 बजे शाम तक इन डेटा के बारे में जानकारी दे। मामला यहीं तक नहीं रुका, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसबीआई 18 मार्च तक इस बात का भी जवाब दे कि उसने बॉन्ड नंबर क्यों नहीं जारी किया। इसके बाद आपके मन में ये सवाल उठ रहा होगा कि आखिर ये बॉन्ड नंबर या अल्फान्यूमेरिक नंबर आखिर होता क्या है? जो पार्टियों को लेकर इतनी बड़ी पोल खोल देगा, जिसका अंदाजा लगाना अभी थोड़ा मुश्किल हैं।

गौरतलब है कि अभी तक सभी को इंतजार था कि चुनावी बॉन्ड मिलने के बाद इस बात का पता लग जाएगा कि किस कंपनी या व्यक्ति ने किस पार्टी को कितने रुपये की रकम दान दी। 14 मार्च को जब इलेक्टोलल बॉन्ड चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड हुआ तब इस बात का पता चल गया कि किस कंपनी ने कितने रुपये की रकम दी है। और ये भी पता चल गया किस पार्टी को कितना रुपया मिला। लेकिन इस बात का नहीं पता चला कि किस विशेष कंपनी ने किस एक पार्टी को कितने रुपये दी है।

जब भी कोई कंपनी या व्यक्ति कोई भी बॉन्ड पार्टी के नाम से खरीदता है, तब उस एक कोड दिया जाता है। अल्फान्यूमेरिक कोड ठीक उसी तरह होता है जैसे आप पासवर्ड या कुछ आईडी वगैरह बनाते हैं तब उसमें कुछ अल्फाबेट कुछ नंबर या/और स्पेशल कैरेक्टर को मिलाकर कोड बनाते हैं। उसी तरह जब पार्टियों को चंदा देने के लिए कोई बॉन्ड खरीदता है, तब एसबीआई की तरफ से जो बॉन्ड दिया जाता है उसमें भी इसी तरह का एक कोड होता है। इस अल्फान्यूमेरिक नंबर से होता क्या है? इससे फायदा यह होता है कि इस बात की पहचान उस कोड से हो जाती है कि आखिर बॉन्ड को खरीदने और बेचने वाला व्यक्ति या कंपनी कौन है।

14 मार्च को आयोग की वेबसाइट पर पब्लिश हुई इलेक्टोरल बॉन्ड की डिटेल में ये बताया गया है कि किस कंपनी ने पैसा दिया, और ये भी बताया गया कि किस पार्टी को कितना रुपया मिला। लेकिन, ये नहीं बताया गया है कि किस कंपनी ने किस एक पार्टी को कितना रुपया दिया।

जापान ने समुद्र में जहरीला पानी छोडना़ बंद किया

-फुकुशिमा प्लांट के पास आए 5.8 तीव्रता के भूकंप के बाद फैसला

टोकियो । जापान ने समुद्र में जहरीला पानी छोडना़ बंद कर दिया है। यह फैसला शुक्रवार सुबह फुकुशिमा प्लांट के पास आए भूकंप के बाद लिया गया। फुकुशिमा के उत्तरपूर्वी तट पर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। यहां 2011 में सुनामी आई थी, जिससे प्लांट को काफी नुकसान पहुंचा था। पानी छोड़े जाने की देखरखे कर रही टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने एक्स पर लिखा- भूकंप से पानी छोडने़ जाने की प्रोसेस पर असर नहीं हुआ है। हालांकि, सुरक्षा को देखते हुए पानी छोडना़ बंद किया गया है। जापान अपने खराब हो चुके फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट में मौजूद 132 करोड़ लीटर रेडियोएक्टिव वॉटर को 24 अगस्त 2023 को पैसेफिक ओशन में छोडना़ शुरू किया था।

पाकिस्तान में गलत प्रिंट के नोटों की भरमार, बदलने के लिए लगी बैंकों में कतार

कराची। अपने हाथ में गलत छपे हुए नोट दिखाते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। उस व्यक्ति ने कहा कि उन्हें 1000 रुपये, 500 रुपये और 5000 रुपये की कीमत वाले नए नोट मिले हैं। हालांकि गलत छपे हुए नोट सामने से बिल्कुल सही दिख रहे थे, लेकिन जब उन्होंने नोटों को पलटा तो पीछे की तरफ छपाई अधूरी थी। उन्होंने दावा किया कि नए नोटों के कई पैकेट पहले ही ग्राहकों तक पहुंचा दिए गए थे और उन्होंने इस बात पर अनभिज्ञता जताई कि उनमें से कितने गलत तरीके से छापे गए थे। उन्होंने बताया कि मामला तब सामने आया जब एक ग्राहक ने बैंक को ऐसे दो नोट लौटाए। प्रबंधक ने पाकिस्तानी 1000 रुपये के नोटों का एक और पैकेट दिखाया, जिसमें दो गलत मुद्रित नोट थे। सेंट्रल बैंक कहा रहा है कि वह इस बात की जांच कर रहा है कि एक हजार रुपये का गलत नोट प्रिंट करके बैंकों को कैसे भेज दिए गए। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के एक प्रवक्ता ने कहा कि जिन बैंकों और व्यक्तियों को गलत प्रिंट नोट मिले हैं वह उन्हें बदलवा सकते हैं और इसके लिए उन्हें बैंक के ब्रांच ऑफिस में जाना होगा जहां से उन्हें नोट मिले हैं। इसके लिए पाकिस्तान के सेंट्रल बैंक ने 16 ऑफिस भी लिस्ट किए हैं। इससे पहले एक मिनट का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें पाकिस्तान के 1000 रुपये के नोट के पीछे कोई छपाई नहीं दिखाई दे रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वीडियो शूट करने वाला व्यक्ति कैमरे के सामने नहीं आया लेकिन उसने खुद को कराची के मॉडल कॉलोनी में नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान (एनबीपी) का शाखा प्रबंधक बताया है।

एफबीआई से भारतवंशियों की शिकायत, कहा-खालिस्तानी हमारे स्कूलों-दुकानों पर आकर धमका रहे

कैलिफोर्निया । अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों ने एफबीआई, जस्टिस डिपार्टमेंट और कैलिफोर्निया के सिलिकॉन वैली की लोकल पुलिस के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बताया कि अमेरिकी जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंकी हमलों के लिए किया जा रहा है। इस दौरान हिंदुओं और जैन धर्म के मंदिरों के खिलाफ हेट क्राइम के मुद्दे पर भी चिंता जताई गई। बैठक में करीब 25 भारतीय-अमेरिकी नागरिक मौजूद रहे। उन्होंने कहा- मंदिरों पर अचानक हमले बढ़ गए हैं, जिसकी वजह से यहां रह रहे भारतीय और भारतवंशी डर में हैं। खालिस्तान समर्थक स्कूलों और भारतीयों की दुकानों के बाहर ट्रक खड़ा कर उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश करते हैं।

जंग के बीच फिलिस्तीन को मिला नया पीएम

गाजा । इजराइल हमास युद्ध के बीच फिलिस्तीन के पूर्व प्रधानमंत्री मोहम्मद शतयेह ने हाल ही में इस्तीफा दे दिया था, अब उनकी जगह मोहम्मद मुस्तफा ने ले ली है। पीएम मुस्तफा को उनके आक्रामक ढंग से काम करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने हमास के कंट्रोल वाले गाजा में भी सुधार के कई प्रयास किए थे। माना जा रहा है कि वे युद्ध रुकवाने से लेकर पूरे फिलीस्तीन को एकजुट करने जैसा काम भी कर सकते हैं। फिलहाल गाजा पट्टी पर हमास का कब्जा है, जबकि वेस्ट बैंक में फिलिस्तानी अथॉरिटी (पीए) काम कर रही है। अगर हमास प्रमुख राजी हो जाएं तब दोनों इलाकों के लिए एक नेशनल सरकार बन सकती है. नए पीएम पहले भी ऐसी कोशिश करते रहे थे। गाजा पट्टी, इजरायल, मिस्र और भूमध्य सागर के बीच बसा एक छोटा-सा क्षेत्र है, जहां फिलिस्तीनी रहते हैं। ये पूरा हिस्सा केवल 41 किलोमीटर में फैला हुआ है, जहां बेहद घनी आबादी रहती है। वहीं वेस्ट बैंक भूमध्य सागर के तट के पास जमीन से घिरा एक इलाका है। इसकी सीमा पूर्व में जॉर्डन और डेड सी लगती है, जबकि उत्तर, दक्षिण और पश्चिम में सीमा इजरायल से लगती है।

अमेरिका ने सीएए को लेकर दिया बयान तो भारत ने दिया जवाब

-सीएए पर अमेरिका की गलत बयानबाजी

नई दिल्ली। देश में 11 मार्च को लागू किए गए सीएए यानी नागरिकता संशोधन कानून पर अमेरिका के बयान को लेकर भारत ने जवाब देते हुए कहा है कि यह हमारा आंतरिक मामला है। दरअसल अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि सीएए नोटिफिकेशन को लेकर अमेरिका चिंतित है और इस पर करीब से निगरानी की जा रही है। अमेरिका के बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा है, कि नागरिकता संशोधन अधिनियम-2019 भारत का अपना आंतरिक मामला है। इस पर अमेरिका का यूं बयान देना गलत है। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर कह चुके थे कि अमेरिका 11 मार्च को आए सीएए नोटिफिकेशन को लेकर चिंतित है। इस कानून को किस प्रकार से लागू किया जाएगा इस पर अमेरिका करीब से निगरानी कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करना और कानून के तहत समस्त समुदायों के साथ बराबरी से पेश आना लोकतांत्रिक सिद्धांत है। वहीं जायसवाल ने कहा कि सीएए नागरिकता देने के बारे में है, न कि नागरिकता छीनने के बारे में। यह मानवीय गरिमा और मानवाधिकारों का समर्थन करने वाला है।

पाकिस्तान ने सीएए को बताया भेदभावपूर्ण

यहां अमेरिका और भारत की बयानवाजी चल रही थी तभी पाकिस्तान ने भी सीएए पर अपना मत देते हुए कहा कि सीएए कानून भेदभावपूर्ण है। दरअसल पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच का कहना है, कि सीएए कानून का यूं लागू किया जाना सही मायने में हिंदू फासीवादी देश का भेदभावपूर्ण एक कदम है। मुमताज बलोच आगे कहते हैं कि यह कानून आस्था के आधार पर लोगों में भेद पैदा करता है। इस गलत धारणा पर सीएए आधारित है कि मुस्लिम देशों में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होता है और भारत अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित देश है।

टोक्यो में लोग जापानी इमपीरियल सैन्य पोशाक और झंडा लेकर यशुकुनी स्मारक पहुंचे।

फ्रांस के राष्ट्रपति का दावा- यूरोप शांति चाहता है तो युद्ध के लिए तैयार रहना होगा

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने एक टेलीविजन इंटरन्यू में कहा कि आज, यूक्रेन को समर्थन देने के खिलाफ वोट देने या अनुपस्थित रहने का निर्णय, यह शांति नहीं चुन रहा है, यह हार चुन रहा है। मैक्रॉन की मुख्य विपक्षी पार्टी, मरीन ले पेन की धुर दक्षिणपंथी पार्टी, फ्रांस द्वारा यूक्रेन के साथ हस्ताक्षरित सुरक्षा समझौते के बारे में सप्ताह की शुरुआत में संसद में मतदान में अनुपस्थित रही, जबकि कट्टर वामपंथी फ्रांस अनबोएड पार्टी ने इसके खिलाफ मतदान किया। उन्होंने कहा कि अगर यूरोप शांति चाहता है तो उसे युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के रूस को एक ऐसा प्रतिद्वंद्वी कहा जो दो साल पुराने संघर्ष में कीव के सैनिकों को हराने के बाद भी यूक्रेन में नहीं रुकेगा।मैक्रॉन ने फरवरी में यह कहकर विवाद पैदा कर दिया था कि वह भविष्य में यूक्रेन में जमीनी सैनिकों की तैनाती से इनकार नहीं कर सकते, कई नेताओं ने खुद को इससे दूर कर लिया, जबकि अन्य, विशेष रूप से पूर्वी यूरोप ने समर्थन व्यक्त किया।मैक्रॉन ने कहा, अगर यूरोप में युद्ध फैलता है, तो रूस जिम्मेदार होगा। लेकिन अगर हमने कमज़ोर होने का फैसला किया; अगर हमने आज तय कर लिया कि हम जवाब नहीं देंगे, तो यह पहले से ही हार चुनना होगा। और मैं ऐसा नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि यूरोप के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह लाल रेखाएं न खींचे, जो क्रेमलिन की कमजोरी का संकेत होगा और उसे यूक्रेन पर आक्रमण के लिए प्रोत्साहित करेगा।

राजा वापस आओ, देश बचाओ के लगे नारे

नेपाल में डेढ़ दशक बाद राजशाही समर्थकों ने खोला मोर्चा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में डेढ़ दशक बाद राजशाही समर्थकों ने राजा वापस आओ, देश बचाओ के नारे बुलंद करना शुरु कर दिए हैं। कहा जा रहा है कि नेपाल को राजशाही के बहाने वापस हिंदू राष्ट्र घोषित करवाने के लिए यह मुहिम चलाई गई है। गौरतलब है कि राजशाही खत्म होने और लोकतंत्र बहाल होने के साथ ही नेपाल को सेकुलर देश घोषित कर दिया गया था। अब यहां राजशाही लाने के लिए आंदोलन हो रहे हैं।

यहां बतलाते चलें कि कुछ रोज पहले ही काठमांडू की सड़कों पर राजशाही समर्थक उतरे थे और राजा वापस आओ, देश बचाओ, जैसे नारे भी लगाए। प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप है कि देश की सारी राजनैतिक पार्टियां भ्रष्टाचारी हैं। इन पर आरोप लग रहा है कि ये दूसरे धर्मों को बढ़ावा दे रही हैं। इससे नेपाल की पहचान को खतरा उत्पन्न होने की भी बात कही जा रही है। ऐसे में इन लोगों ने राजपरिवार को दोबारा शासन सौंपे जाने और उन्हें देश के लिए नियम तय करने देने की मांग उठाई है। राजनीतिक भ्रष्टाचार से देश की आर्थिक स्थिति बिगड़ने के आरोप भी लगते रहे हैं। बताया जा रहा है कि राजशाही खत्म होने के बाद राजनीतिक दलों ने चीन से नजदीकियां बढ़ा ली हैं और इनवेस्टमेंट के नाम पर चीन लगातार नेपाल में घुसपैठ कर रहा है। नेपाल की सड़कों को बनाने से लेकर एयरपोर्ट का कार्य भी चीन के पास है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यदि नेपाल चीनी कर्ज में डूब गया तो वह रसातल में चला जाएगा।

बड़ी संख्या में हुआ धर्मांतरण

राजशाही खत्म होने के बाद नेपाल में धर्मांतरण के मामले बढ़ गए हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि थिंक टैंक गॉर्डन कॉनवेल थियोलॉजिकल सेमिन्री की एक दशक पूर्व की रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि नेपाल में चर्च जिस तेजी से बढ़े हैं, उसका प्रतिशत दुनिया में सबसे ज्यादा है। आरोप है कि कथित तोर पर दलित समुदाय में धर्मांतरण के मामले सबसे ज्यादा सामने आए हैं। सेंसस 2021 के अनुसार नेपाल में हिंदुओं की कुल आबादी 81 फीसदी से ज्यादा है। यहां 8 फीसद के करीब बौद्ध धर्म के लोग रहते हैं। इस्लाम मानने वालों की तादाद 5 फीसदी से कुछ ज्यादा ही है और अंत में ईसाई धर्म के लोग आते हैं, बाकी मिले-जुले धर्म के लोग हैं। एक सर्वे का हवाला देते हुए कहा जा रहा है कि नेपाल में महज कुछ सालों में ही 7,758 चर्च बनाए जा चुके हैं।

राजशाही को कमजोर करने वाली घटना

गौरतलब है कि साल 2008 में नेपाल के आखिरी राजा ज्ञानेंद्र को अपदस्थ कर राजशाही खत्म कर दी गई थी। इससे पहले जून 2001 में हुई घटना में रॉयल परिवार के ही एक सदस्य ने फैमिली के 9 सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटनाक्रम के बाद राजशाही पर संकट गहराया और लोकतांत्रिक सरकार बनाने की मांग भी तेजी से उठी। अभी नेपाल में लोकतंत्र को डेढ़ दशक ही हुए थे कि राजा ज्ञानेंद को दोबारा देश की बागडोर देने की मांग जोर पकड़ने लगी है। राजा वापस आओ, देश बचाओ के नारे बुलंद किए जा रहे हैं।

पाक पीएम शहबाज ने नहीं की सीएए की घोषणा

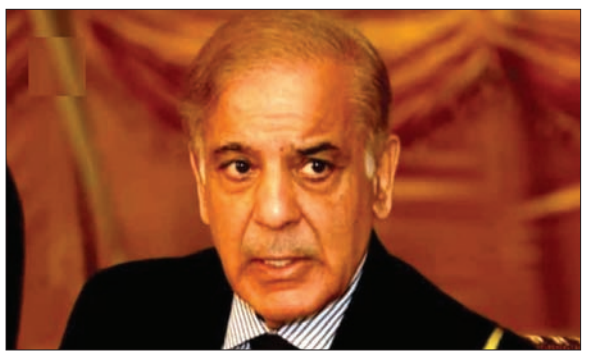

करांची (एजेंसी)। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट वायरल हुई, जिसे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा की गई पोस्ट बताया गया है। इस पोस्ट के मुताबिक पीएम शहबाज ने घोषणा की है कि भारत की ही तरह वो भी सीएए लागू करने जा रहे हैं और भारत में जो मुस्लमान प्रताड़ित महसूस कर रहे हैं वो पाकिस्तान की नागरिकता ले सकते हैं। जब इसकी हकीकत जानने को सर्च किया गया तो मालूम चला कि वायरल पोस्ट भ्रामक और झूठी है, जिसका सच्चाई से कोई वास्ता है ही नहीं। गौरतलब है कि पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ के द्वारा सोशल मीडिया एक्स पर जो पोस्ट वायरल करना बताया गया है वह पोस्ट का एक स्क्रीनशॉट है। जिसमें पीएम शहबाज शरीफ पाकिस्तान में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) की घोषणा कर रहे हैं। इस पोस्ट के मुताबिक वो कह रहे हैं कि वह भारतीय मुसलमान जो भारत में प्रताड़ित महसूस कर रहे हैं, उन्हें पाकिस्तानी नागरिकता दी जाएगी। जब वायरल पोस्ट का सच जानने की कोशिश की गई तो मालूम चला कि वायरल स्क्रीनशॉट का हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है। सच जानने की कोशिश कर रहे विशेषज्ञों का तो यही कहना है कि शहबाज शरीफ ने भारत में सोमवार 11 मार्च को लागू किए गए सीएए के संबंध में किसी भी तरह की कोई पोस्ट नहीं किया है। इसके लिए पीएम शहबाज शरीफ के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर भी देखा जा सकता है, जिसमें आखिरी पोस्ट 10 मार्च 2023 को अपलोड की गई दर्शा रही है। ऐसे में उनके नाम से वायरल स्क्रीनशॉट तारीख 11 मार्च को दिखाया गया है, जो कि झूठा और भ्रामक है।

रमजान में खाना लेने पहुंचे फिलिस्तीनियों पर इजराइली एयरस्ट्राइक

-29 की मौत; हूतियों की कैद में 25 क्रू मेंबर्स, रिहाई का फैसला हमास करेगा

गाजा (एजेंसी)। गाजा के अल-नुसीरत कैंप के पास बने एड डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर (सहायता वितरण केंद्र) पर इजराइल ने एयरस्ट्राइक कर दी। इस दौरान 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं, नॉर्थ गाजा के एक एड पॉइंट पर खाना लेने पहुंचे फिलिस्तीनियों पर इजराइली सैनिकों ने गोली चला दी। इस दौरान 21 लोग मारे गए। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, दोनों हमलों में कुल 29 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई।

इधर, 19 नवंबर को हूती विद्रोहियों ने कार्गो शिप गैलेक्सी लीडर को हाईजैक किया था। इसके 25 क्रू मेंबर्स को बंधक बनाया था। अब हूतियों का कहना है कि इन बंधकों की जिंदगी हमास के हाथ में है। दरअसल, इजराइल-हमास जंग के बीच फिलिस्तीनियों के समर्थन में हूती विद्रोही लगातार लाल सागर और अरब सागर में जहाजों पर हमला कर रहे हैं।

4 महीने से हूतियों की कैद में 25 क्रू मेंबर्स

हाईजैकिंग के 116 दिन बाद भी 25 क्रू मेंबर्स (17 फिलीपींस, 2 बुल्गारिया, 3 यूक्रेन, 2 मेक्सिको, एक रोमानिया) के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। फिलीपींस के अधिकारों का मानना है कि क्रू मेंबर्स को तब तक रिहा नहीं किया जाएगा जब तक इजराइल-हमास जंग खत्म नहीं होती।

भारत आ रहा था जहाज

हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से एक कार्गो शिप गैलेक्सी लीडर को हाइजैक कर लिया था। ये जहाज तुर्किये से भारत आ रहा था। हूती विद्रोहियों ने इसे इजराइली जहाज समझ कर हाइजैक किया था। इजराइल डिफेंस फोर्सेज के मुताबिक, जहाज पर बहामास का झंडा लगा था। यह ब्रिटिश कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड है। इजराइली कारोबारी अब्राहम उंगर इसके आंशिक हिस्सेदार हैं। फिलहाल यह एक जापानी कंपनी को लीज पर दिया गया था।

अमेरिका ने चेताया: कहा-भारत और चीन के बीच कभी भी हो सकती है झड़प

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच चल रही तनातनी किसी से छिपी नहीं है। आए दिन दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प वाली खबरें भी आती रहीं हैं। इसी बीच अमेरिका की एक रिपोर्ट ने सभी को चौंका दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एलएसी पर जिस तरह के हालात बन रहे हैं वे काफी खतरनाक हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले दिनों भारत और चीन के बीच कभी भी झड़प हो सकती है। अमेरिका ने चीन की विस्तारवादी नीति का जिक्र करते हुए यह भी कहा है कि चीन की सैन्य विस्तार की योजना, आक्रामक चीनी साइबर अभियान और 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों को प्रभावित करने की चीन की कोशिशें ठीक नहीं हैं।

अमेरिकी एजेंसियों का मानना है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब दोनों ही देशों के सैनिकों की उपस्थिति आज भी जारी है। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि कैसे चीन अपनी शक्ति दिखाने और विदेशों में अपने हितों की रक्षा करने के लिए श्रीलंका और पाकिस्तान सहित कई अन्य देशों में सैन्य अड्डे स्थापित करना चाहता है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और चीन के बीच

विवादित सीमा को लेकर तनाव की स्थिति फिलहाल बनी रहेगी। दोनों देशों के बीच भले ही 2020 के बाद से झड़प देखने को नहीं मिली है, लेकिन वे बड़ी संख्या में अपने सैनिकों को तैनात किए हुए हैं। इसके कारण दोनों देशों के बीच छिटपुट मुठभेड़ों का जोखिम बना हुआ है।रिपोर्ट में चीन की सैन्य विस्तार की योजना, आक्रामक चीनी साइबर अभियान और 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों को प्रभावित करने की चीन की कोशिशों की भी बात की कही गई है। इसमें इजरायल-हमास युद्ध और रूस-यूक्रेन युद्ध सहित अन्य संघर्षों का भी जिक्र है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले सप्ताह अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फीट की ऊंचाई पर बनी सेला सुरंग का उद्घाटन किया। यह सुरंग तवांग को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। आपको बता दें कि मई 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा के लद्दाख सेक्टर में चीन के साथ सैन्य गतिरोध शुरू होने के बाद से भारत-चीन सीमा के पास बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी आई है। दोनों देशों ने लद्दाख सेक्टर में लगभग 50,000 सैनिकों की तैनाती की है।

पाकिस्तान की तरफ से किसी भी उकसावे की स्थिति में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष की ओर भी इशारा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और पाकिस्तान 2021 की शुरुआत में नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम के बाद अपने संबंधों में शांति को बनाए रखने को इच्छुक दिख रहे हैं। हालांकि, इस दौरान दोनों ही देशों में से किसी के भी द्वारा रिश्ते को सामान्य करने की कोशिश नहीं की गई। रिपोर्ट में कहा है, भारत विरोधी आतंकवादी समूहों का समर्थन करने का पाकिस्तान का लंबा इतिहास रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तानी उकसावों का सैन्य बल के साथ जवाब देने की भारत की बढ़ती इच्छा भी देखने को मिली है।

पाकिस्तान पर भारत का खौफनाक प्लान, 293 Km/hr की रफ्तार से 'उड़ता टैंक' होश उड़ा देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपाचे हेलीकॉप्टर भारतीय वायुसेना का सबसे ताकतवर हेलीकॉप्टर है जिसे उड़ता हुआ टैंक भी कहा जाता है। इंडियन आर्मी को मिलने वाले अपाचे हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल भी भारत के दुश्मन नं 1 के खिलाफ होगा। भारतीय सेना अपाचे फाइटर हेलीकॉप्टर को पाकिस्तान की सीमा पर तैनात करेगी। ताकी पड़ोसी सीमा पर किसी भी प्रकार की हिमाकत करने से पहले सौ बार सोचे। भारतीय सेना को कुल 6 अपाचे हेलीकॉप्टर मिलने हैं। लड़ाकू हेलीकॉप्टरों के भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के हिंडन वायु सेना स्टेशन पर उतरने की उम्मीद है और फिर भारत-पाकिस्तान सीमा के पास जोधपुर में तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये हाई-एंड हेलिकॉप्टर अमेरिका में विनिर्माण इकाइयों के अधीन हैं और इस साल मई तक जोधपुर पहुंचेंगे।

राजस्थान की सीमा के पास पाकिस्तान की तरफ से टैंकों और बख्तरबंद गाड़ियों के हमले का खतरा बना रहता है। अपाचे हेलीकॉप्टर ऐसे किसी भी हमले से निपटने में पूरी तरह से सक्षम है। अपाचे हेलीकॉप्टर को आसमान में उड़ता हुआ टैंक भी कहा जाता है। एक टैंक जिस तरह से दूसरे टैंक को बर्बाद करता है ठीक उसी तरह अपाचे हेलीकॉप्टर भी दुश्मन के टैंकों को बर्बाद कर देता है। अपाचे में तीस मिलीमीटर की एक चेन गन होती है जिसका नियंत्रण पायलट के हेलमेट में होता है।

आर्मी एविएशन कोर वर्तमान में ध्रुव और चेतक जैसे उपयोगिता हेलीकॉप्टरों का संचालन करती है। उसने पिछले साल असम के मिसामारी में स्वदेशी रूप से विकसित लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड का निर्माण किया था। डेटा नेटवर्किंग के माध्यम से हथियार प्रणालियों तक युद्धक्षेत्र की तस्वीर प्रसारित करने और प्राप्त करने की इन हेलीकॉप्टरों की क्षमता इसे एक घातक अधिग्रहण के रूप में वर्गीकृत करती है। भारतीय वायुसेना पहले से ही 22 अपाचे हेलीकॉप्टरों का एक बेड़ा संचालित करती है जिन्हें पूर्वी और पश्चिमी मोर्चों पर तैनात किया गया है। पहले स्क्वाडन को पठानकोट के पास तैनात किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि अपाचे हेलीकॉप्टरों का पहला स्क्वाड्रन आज एविएशन कोर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अजय सूरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में बनाया गया।

कैंप्स वाले एक्टर्स की तरह नहीं मिली कॅरियर को गति: तापसी पन्नू

बालीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू को अफसोस है कि उनके करियर को वो रफ्तार हासिल नहीं हुई, जो कैंप्स वाले एक्टर्स को हुई। हाल ही में इस एक्ट्रेस ने बॉलीवुड कैंप पर चुप्पी तोड़ी और बताया कि आखिर कैसे इस कैंप में शामिल हुआ जा सकता है। 36 साल ये एक्ट्रेस हैं शाहरुख खान के साथ फिल्म डंकी में काम कर चुकीं तापसी पन्नू। तापसी हमेशा से ही इंडस्ट्री में चल रहे कैंप कल्चर, आउटसाइडर्स डिबेट और नेपोटिज्म पर अपने विचार खुलकर रखती आई हैं।

हाल ही में उन्होंने बताया कि आखिर उन्हें बड़ी फिल्में वैसी हासिल क्यों नहीं हो सकी, जैसे कैंप्स वाले एक्टर्स को दी जाती हैं। तापसी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया है कि उन्हें बड़ी फिल्मों में सिर्फ इसलिए जगह नहीं मिलती, क्योंकि वो किसी कैंप का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह देर रात होने वाली पार्टीज में जाने से उन कैंप में जगह मिल सकती है, लेकिन वो ऐसी किसी पार्टी का हिस्सा बनना पसंद नहीं करती हैं। तापसी ने अपना दर्द जाहिर करते हुए कहा, यहां कई बॉलीवुड कैंप हैं। नेपोटिज्म, जिस पर हम बात करते हैं, वहीं प्रॉब्लम है कि लोगों को आसानी से उन कैंप्स में जगह नहीं मिलती।

अगर कोई बड़ी बजट फिल्म बन रही है, तो मुझे यकीन है कि कोई मेरी बेइज्जती कर ये नहीं कहेगा कि मैं उस रोल के लिए फिट नहीं हूं, लेकिन हां मुझे उस फिल्म में हिस्सा नहीं दिया जाएगा, क्योंकि मेरे नाम को वहां तक पहुंचने नहीं दिया जाएगा। एक्ट्रेस ने आगे कहा, कड़वी सच्चाई यही है कि बड़ी फिल्में एक्सेस मिलने से ही मिलती हैं और मेरे पास उस जगह तक पहुंचने का एक्सेस नहीं है। फिल्मी पार्टीज ही एकमात्र जरिया है, जिससे उन कैंप का हिस्सा बना जा सकता है। आप उन लोगों के साथ सोशल होते हैं, फिर उनसे दोस्ती होती है और फिर वो आपको काम देते हैं। ये ठीक है, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकती। तापसी ने बताया कि आखिर वो ऐसा क्यों नहीं कर सकती।

उन्होंने कहा ऐसा करने के लिए आपको 10 बजे के बाद होने वाली पार्टीज में जाना होता है, लेकिन मेरे लिए ये बहुत थका देने वाली प्रोसेस है। मैं ये करने की बजाए, ज्यादा मेहनत और अच्छा काम करके फिल्में हासिल करती हूं। बता दें कि साल 2013 में बॉलीवुड में एक हसीना ने कदम रखा, जिन्होंने अक्षय कुमार से शाहरुख खान तक के साथ किया। 10 साल के करियर में उन्होंने 15 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। करियर की तीन फिल्में हिट रही, लेकिन उनके बाद उनके करियर में कई फ्लॉप फिल्में भी आई। 36 साल की इस हसीना ने पिछले साल एक सुपरहिट फिल्म दी।

ज़ानाई भोसले का श्रद्धा ने किया स्वागत

बालीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की बहन ज़ानाई भोसले को द प्राइड ऑफ महाराष्ट्र- छत्रपति शिवाजी महाराज के साथ एक अभिनेत्री के रूप में अपनी शुरुआत कर रही हैं। इस मौके पर श्रद्धा कपूर ने बहन ज़ानाई भोसले को अपना उत्साहजनक समर्थन दिया है।

फिल्म एक निर्देशक के रूप में संदीप सिंह की नाटकीय शुरुआत है, और ज़ानाई भोसले शिवाजी महाराज की पत्नी, रानी साईं भोंसले की भूमिका निभाती नजर आएँगी। श्रद्धा कपूर ने कहा, मेरी बहन ज़ानाई मनोरंजन की दुनिया में कदम रखने और अपने प्रदर्शन से हमें मंत्रमुग्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वे सिनेमाई श्रद्धांजलि द प्राइड ऑफ भारत छत्रपति शिवाजी महाराज में रानी साईं भोंसले की भूमिका निभा रही हैं। मैं उन्हें फिल्म में पहली बार देखने के लिए उत्सुक हूँ और मेरी शुभकामनाएँ उनके साथ हैं। अपनी पहली ही फिल्म के लिए इतना चुनौतीपूर्ण रोल मिलना अपने आप में एक उपलब्धि है। जब भी उन्हें मार्गदर्शन की आवश्यकता होगी, मैं हमेशा वहाँ मौजूद रहूँगी। बता दें कि द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज को बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है और यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर 19 फरवरी, 2026 को रिलीज़ होगी।

यह फिल्म संदीप सिंह की नाटकीय निर्देशन की पहली फिल्म है और इसे इमर्सो स्टूडियो और लीजेंड स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया गया है। इस बारे में संदीप सिंह ने आगे कहा, बॉलीवुड में आमतौर पर बहनें एक-दूसरे का समर्थन नहीं करती हैं, लेकिन श्रद्धा कपूर एक अपवाद हैं, जिन्होंने अपनी बहन ज़ानाई की क्षमता और प्रतिभा पर विश्वास किया है। मुझे यकीन है कि श्रद्धा का प्रोत्साहन उनके लिए शक्ति का काम करेगा।

ओटीटी जलवा दिखा रहे सुनील शेट्टी

बालीवुड एक्टर सुनील शेटटी अपना जलवा ओटीटी पर भी दिखा रहे हैं। अपने दमदार अभिनय से सुनील शेट्टी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। 90 के दशक में सुनील शेट्टी सिनेमाघरों में छाए रहते थे, लेकिन जिस स्टाडरम की उन्हें तलाश थी, वो स्टाडरम उन्हें मिल नहीं पाई। आज सुनील शेट्टी बॉक्स ऑफिस के बादशाह होते, अगर उनकी 33 फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हो गई होती, लेकिन किसी न किसी वजह से उनकी 33 फिल्में सिनेमाघरों तक पहुंच नहीं सकी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इनमें से कुछ फिल्में टाइटल अनाउंसमेंट के बाद ही डिब्बाबंद हो गईं, तो कुछ फिल्मों के पोस्टर तक रिलीज हुए, लेकिन वो भी बाद गुमनाम हो गईं।कहा जाता है कि बजट की समस्या की वजह से सुनील शेट्टी की 33 फिल्में बन नहीं सकीं, कुछ फिल्मों की तो शूटिंग भी शुरू हुई थी, लेकिन फाइनेंसर न मिलने की वजह से उन फिल्मों की शूटिंग को बीच में ही रोकना पड़ गया था। तो चलिए, आपको सुनील शेट्टी की उन फिल्मों के बारे में बताते हैं, जो सिनेमाघरों तक पहुंच ही नहीं पाईं। इसमें सबसे पहला नाम आता है एक और फौलाद का जिसमें वह दिव्या भारती के साथ नजर आने वाले थे।

दो कदम आगे में भी सुनील शेट्टी दिव्या भारती के साथ स्क्रीन शेयर करने वाले थे। वहीं, फिल्म जाहिल में वह रवीना टंडन के साथ नजर आने वाले थे, हम हैं आग में सुनील शेट्टी की जोड़ी सोमी अली के साथ बनी थी, अयुद्ध में सोनाली बेंद्रे के साथ वह स्क्रीन शेयर करने वाले थे, दि बॉडीगार्ड में वह श्रीदेवी के साथ पर्दे पर नजर आने वाले थे। कौरव में उनकी जोड़ी अक्षय कुमार के साथ बनी थी, लेकिन ये फिल्म भी बन नहीं पाई, हालांकि फिल्म मोहरा में इस जोड़ी ने खूब धमाल मचाया था। वहीं, रुस्तम में मनीषा कोइराला के साथ, चोरी मेरा काम में शिल्पा शेट्टी और सलमान खान के साथ, कर्मवीर में विनोद खन्ना के साथ सुनील शेट्टी नजर आने वाले थे।

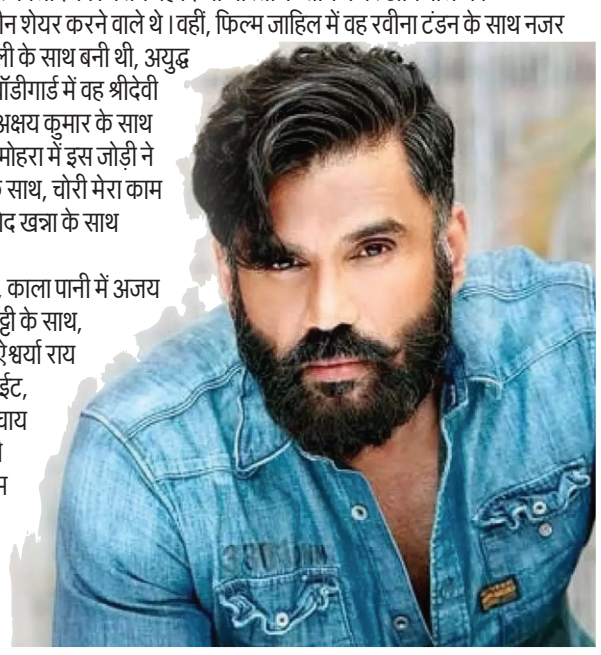

कैप्टन अर्जुन में सुनील की जोड़ी ममता कुलकर्णी के साथ, काला पानी में अजय देवगन और करिश्मा कपूर के साथ, कमिश्नर में शिल्पा शेट्टी के साथ, जुआ में मनीषा कोइराला के साथ, राधेश्याम सीता राम में ऐश्वर्या राय के साथ बनी थी। वहीं सुनील की जज्बा, मुक्ति,फेम, गुड नाईट, फांसी दि कैपिटल पनिशमेंट, मुंबई टैक्सी सर्विस, शोमैन, चाय गर्म, शूटर, शोला, चोर सिपाही और अखंड जैसी फिल्में भी सिनेमाघरों तक पहुंच नहीं पाईं। फिल्म पूरब की लैला पश्चिम का छैला में सुनील नम्रता शिरोडकर के साथ, हम पंछी एक डाल के में ऐश्वर्या राय के साथ, एक हिंदुस्तानी में रवीना टंडन के साथ, वंदे मातरम में संजय दत्त के साथ, गहराई में रवीना टंडन के साथ नजर आने वाले थे।

एक्ट्रेस राजलक्ष्मी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में

25 साल पहले आया सॉन्ग ' चुपके चुपके सखियों से वो ' एक्ट्रेस राजलक्ष्मी खानविलकर और एक्टर जॉन अब्राहम पर फिल्माया गया था। गाने में दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पांस मिला था।

एक्ट्रेस राजलक्ष्मी खानविलकर की खूबसूरती ऑडियंस के दिलों में कुछ यूं उतरी थी कि हर कोई उनकी सुरमई आंखों का दीवाना हो गया था। म्यूजिक वीडियो से पॉपुलैरिटी हासिल कर एक्ट्रेस राजलक्ष्मी खानविलकर अपने एक्टिंग करियर में भले ही कुछ खास बुलंदियों को ना छू पाई हों, लेकिन एक्ट्रेस की निजी जिंदगी हमेशा से ही सुर्खियों में छाई रही है। एक्ट्रेस राजलक्ष्मी खानविलकर ने साल 1996 में फिल्म निर्देशक और एक्टर समीर सोनी से शादी की थी, लेकिन शादी के 6 महीने बाद ही कपल का तलाक हो गया था। समीर सोनी ने एक्ट्रेस संग अपने तलाक के बारे में बात करते हुए बताया था कि जिस दिन उनकी पहली फिल्म का प्रीमियर हुआ था उसी दिन उनका और राजलक्ष्मी का तलाक फाइनल हुआ था। वह रात एक्टर के जीवन की सबसे मुश्किल रातों में से एक थी क्योंकि तलाक के साथ ही एक्टर की पहली फिल्म पर्दे पर आई, लेकिन उस फिल्म में से उनके ज्यादातर सीन्स काट दिए गए थे। समीर सोनी ने अपने उसी इंटरव्यू में कहा था कि राजलक्ष्मी और उन्होंने बहुत जल्द ही तलाक लेने का फैसला कर लिया था और उन्हें अपनी शादी को थोड़ा और समय देना चाहिए था। समीर सोनी से शादी के महज 6 महीने के अंदर तलाक लेने के बाद राजलक्ष्मी खानविलकर ने साल 2000 में 'आशिकी' फेम एक्टर राहुल रॉय से दूसरी शादी कर ली। शुरुआत के कई साल कपल ने खुशहाल जिंदगी गुजारी, लेकिन साल 2014 में उनका तलाक हो गया।

ओडेला 2 में भगवान शिव की भक्त बनी दिखाई देगी तमन्ना भाटिया

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अपनी आगामी फिल्म ओडेला 2 के लिए तैयार हो चुकी हैं। अभिनेत्री ने अपना पहला लुक सोशल मीडिया पर साझा कर खुशी जाहिर की है। बता दें कि अभिनेत्री अभी ओडेला-2 की शूटिंग वाराणसी में कर रही हैं। इसके बाद जब पूरा देश भगवान शिव की भक्ति में लीन है, तो अभिनेत्री ने कुछ समय निकालकर अपना पहला लुक अपने सोशल मीडिया पर एक्स अकाउंट पर साझा किया है। फोटोज में अभिनेत्री लाल और सतरंगी रंग के कपड़े पहनी हुई नजर आ रही हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री के एक हाथ में डमरू, दूसरे हाथ में छड़ी नजर आ रही है। उनके माथे पर भगवान शिव का तिलक भी नजर आ रहा है। फिल्म का पोस्टर भी पहली दफा सार्वजनिक किया गया है, जिसमें अभिनेत्री को शिव शक्ति के रूप में दिखाया गया है, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि वह फिल्म में भगवान शिव की भक्त का किरदार निभा रही होंगी। अभिनेत्री ने ओडेला-2 फिल्म में अपना पहला लुक साझा कर कहा कि मुझे अपना पहला लुक महाशिवरात्रि के खास मौके पर साझा करते हुए खुशी हो रही है। बता दें कि ओडेला-2 डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई ओडेला रेलवे स्टेशन की अगली कड़ी है। यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है।

2025 के ईद पर रिलीज होगी सलमान की अगली फिल्म

बालीवुड स्टार सलमान खान ने अपने प्रशंसकों को रमजान का तोहफा देते हुए अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर दी है। यह फिल्म अगले साल 2025 के ईद पर रिलीज होने वाली है। सलमान इस फिल्म के लिए साजिद नाडियाडवाला के साथ जुड़ रहे हैं और इसका निर्देशन मुरुगादॉस करने वाले हैं, जो 15 साल पहले दर्शकों को आमिर खान के साथ दर्शकों को गजनी दे चुके हैं। फिल्म के नाम की अभी घोषणा नहीं हुई है। ज्ञातव्य है कि साजिद और सलमान साल 2014 की हिट फिल्म किक के बाद अब साथ आ रहे हैं। वहीं, मुरुगदॉस के साथ सलमान पहली बार काम करेंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सलमान खान ने फिल्म को कन्फर्म किया है। उन्होंने पोस्ट किया, एक बहुत ही मजेदार फिल्म के लिए प्रतिभाशाली मुरुगदॉस और मेरे दोस्त साजिद नाडियाडवाला के साथ जुड़कर खुशी हुई। यह सहयोग काफी खास है और मैं आपके प्यार और आशीर्वाद से इस जर्नी की शुरुआत कर रहा हूं। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज होने वाली है।

बता दें कि इस फिल्म का बजट लगभग 400 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। हालांकि, अभी नाम से पर्दा नहीं उठ सका है, लेकिन एक्शन थ्रिलर यह मूवी पुर्तगाल और अन्य यूरोपीय देशों में शूट की जा सकती है। इसे साजिद नाडियाडवाला की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म माना जा रहा है। पिंकविला ने सोर्सेज के हवाले से बताया था कि फिल्म को लेकर इस साल की शुरुआत में कुछ मीटिंग्स हो चुकी हैं और अब जल्द से जल्द फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो जाएगी। पिछले साल फिल्म की स्क्रिप्ट से भी आमना-सामना हो चुका है।

बता दें कि गत वर्ष दीपावली के अवसर पर टाइगर 3 में नजर आए सलमान खान की अगली फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। सलमान खान के प्रशंसक इस बात को लेकर चिंतित नजर आ रहे थे सलमान खान कब अपनी अगली फिल्म की घोषणा करने वाले हैं। हालांकि उनके हाथ में आदित्या चोपड़ा की स्पाई सीरीज की फिल्म टाइगर बनाम पठान है, लेकिन इसकी शुरूआत कब होगी इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आ पाई है।